1. लोकतंत्र में सत्ता की साझेदारी

1. लैंगिक असमानता क्या है ?

उत्तर - लिंग के आधार पर पुरुषों और स्त्रियों में भेद करना, स्त्रियों को पुरुषों की तुलना में दोयम दर्जे का नागरिक समझना और उन्हें हीन समझने की भावना लैंगिक असमानता है। लड़कियों को लड़कों की तुलना में कम महत्त्व दिया जाना, शिक्षा, खान-पान, पालन-पोषण में अंतर करना, लड़की को घर की चहारदीवारी में कैद रखना और घर के काम-काज तक ही सीमित रखना, स्त्रियों पर पुरुषों का नियंत्रण आदि लैंगिक असमानता के उदाहरण हैं।

2. सामाजिक विभेद किस प्रकार सामाजिक विभाजन के लिए उत्तरदायी है?

उत्तर - वास्तव में सामाजिक विभेद ही सामाजिक विभाजन और सामाजिक संघर्ष के लिए मूल रूप से उत्तरदायी होता है। प्रत्येक समाज में विभिन्न जाति, धर्म, भाषा, क्षेत्र के लोग निवास करते हैं। सामाजिक विभेद का मूल कारण जन्म को माना जाता है। धर्म, क्षेत्र, भाषा, संप्रदाय आदि के नाम पर आपस में उलझना राष्ट्र को कमजोर बनाना है। इससे सामाजिक विभाजन के खतरे बढ़ जाते हैं। अतः, सामाजिक विभेद को मिटाकर ही सामाजिक विभाजन को रोका जा सकता है।

3. 'विविधता में एकता' का अर्थ बताएँ।

उत्तर - विविधता लोकतंत्र का एक स्वाभाविक गुण है। 'विविधता में एकता' भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था की एक खास विशेषता है। बेल्जियम भी इसका एक उत्कृष्ट नमूना है। जब भी भारत की अखंडता खतरे में पड़ी अथवा प्राकृतिक आपदा आई तो सभी जाति एवं धर्म के लोगों ने आपसी वैर-भाव को भुलाकर एक साथ मिलकर संकट की स्थिति का हिम्मत के साथ सामना किया। यह 'विविधता में एकता' का एक आदर्श उदाहरण है।

4. सामाजिक विभेदों में तालमेल किस प्रकार स्थापित किया जाता है ?

उत्तर - सामाजिक विभेदों में तालमेल स्थापित कर ही राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता को अक्षुण्ण बनाए रखा जा सकता है। सामाजिक विभेदों में तालमेल बनाए रखने के लिए भारत में धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत को अपनाया गया है। इस सिद्धांत से यह धारणा विकसित होती है कि उनके धर्म अलग-अलग अवश्य हैं, परंतु उनका राष्ट्र तो एक ही है।

PDFSARTHI.COM

दूसरी बात यह भी है कि आधुनिक लोकतांत्रिक राज्य में सत्ता के बँटवारे में अल्पसंख्यक एवं बहुसंख्यक दोनों का खयाल रखा जाता है ताकि सामाजिक विभेदों में तालमेल स्थापित किया जा सके।

5. बंधुआ मजदूर किसे कहते हैं?

उत्तर - कर्ज के बदले अपने श्रम को बंधक बनानेवाला श्रमिक 'कर्ज-बंधक' या 'कर्जदास' या 'बंधुआ मजदूर' कहलाता है। उसकी मजदूरी कर्जदाता की इच्छा से निर्धारित की जाती है ताकि कर्ज चुकाना असंभव हो। वर्तमान लोकतांत्रिक युग में 'बंधुआ मजदूर' की प्रथा लगभग समाप्त हो चुकी है।

6. समाज में स्त्रियों की दयनीय स्थिति के लिए उत्तरदायी किन्हीं चार कारणों का उल्लेख करें।

उत्तर - समाज में स्त्रियों की दयनीय स्थिति के चार कारण इस प्रकार हैं-

(i) पुरुषों की तुलना में स्त्रियों में शिक्षा का अभाव

(ii) स्त्रियों के बीच पर्दाप्रथा

(iii) बालविवाह, सतीप्रथा जैसी कुरीतियाँ तथा

(iv) दहेज प्रथा।

7. कन्या-सूणहत्या क्या है? क्या कानून इसे रोकने में सफल हुआ है?

उत्तर - आज भी पुत्री का जन्म दुख का विषय बना हुआ है। अत्याधुनिक उपकरणों की सहायता से गर्भ में ही शिशु (भ्रूण) के लिंग की जानकारी प्राप्त हो जाती है। पुत्री के जन्म की संभावना के कारण गर्भ में ही उसकी हत्या कर दी जाती है। इसे ही कन्या-भ्रूणहत्या कहते हैं। इसे रोकने के लिए कानून बन चुके हैं, परंतु अभी तक हमें आशानुकूल सफलता नहीं मिली है। इसपर रोक के लिए कानून के साथ-साथ लोगों की सोच भी बदलनी होगी।

8. भारतीय संविधान में लैंगिक समभाव के लिए किए गए विभिन्न प्रावधानों का उल्लेख करें।

उत्तर - भारतीय संविधान में लैंगिक समभाव के लिए निम्नलिखित प्रावधान किए गए हैं।

(i) लिंग के आधार पर भेदभाव करने की मनाही की गई है।

PDFSARTHI.COM

(ii) रोजगार पाने के लिए पुरुष एवं स्त्री के साथ एक जैसे व्यवहार की व्यवस्था है।

(iii) स्त्रियों को पुरुषों के समान ही मताधिकार दिया गया है।

(iv) राज्य के नीति-निदेशक तत्त्व के अंतर्गत कहा गया है कि राज्य अपनी नीति का संचालन इस प्रकार करेगा जिसमें पुरुष एवं स्त्री को समान कार्य के लिए समान वेतन मिले।

9. सांप्रदायिकता लोकतंत्र को किस प्रकार प्रभावित करती है?

उत्तर - सांप्रदायिकता लोकतंत्र को गहरे ढंग से प्रभावित करती है। यह लोकतंत्र की दुश्मन है। सांप्रदायिकता, धार्मिक भेदभाव जैसे तत्त्वों से समाज में विभेद पैदा होता है, जो सामाजिक संघर्ष को जन्म देता है। इससे समाज में आपसी मतभेद पैदा होता है और परस्पर विवादों को बल मिलता है जिससे राष्ट्र कमजोर होता है तथा विकास बाचित होने से विनाश के गर्त में जा सकता है। अतः, स्पष्ट है कि सांप्रदायिकता लोकतंत्र के लिए कैंसर जैसा घातक है।

लोकतंत्र में सत्ता की साझेदारी

1. सामाजिक विभेदों की उत्पत्ति के कारणों पर प्रकाश डालें।

उत्तर - सामाजिक विभेदों की उत्पत्ति के जिम्मेवार अनेक कारण होते हैं। प्रत्येक समाज में विभिन्न जाति, धर्म, भाषा, संप्रदाय एवं क्षेत्र के लोग निवास करते हैं। इन विभिन्नताओं के चलते उनमें विभेद की स्थिति पैदा होती है। जन्म सामाजिक विभेदों की उत्पत्ति का सबसे प्रमुख कारण माना जाता है। जहाँ भी किसी व्यक्ति का जन्म होता है वह किसी-न-किसी परिवारविशेष का सदस्य होता है। उस परिवार का संबंध किसी-न-किसी जाति, धर्म, संप्रदाय, समूह, भाषा तथा क्षेत्र से जुड़ा होता है। इसके चलते उस व्यक्तिविशेष का संबंध उसी जाति, धर्म, समूह, भाषा एवं क्षेत्र से जुड़ जाता है। यहीं से विभेद की उत्पत्ति स्वतः हो जाती है। इन सभी कारकों के अलावे भी कुछ ऐसे कारक हैं जो सामाजिक विभेद उत्पन्न करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। लिंग, रंग, नस्ल, धन इत्यादि भी कुछ ऐसे कारक हैं जो सामाजिक विभेद बढ़ाने में सहयोग करते हैं। व्यक्ति के जन्म लेते ही ये कारक सामाजिक विभेद का रूप ग्रहण कर लेते हैं। स्त्री-पुरुष, गोरे-काले, लंबे-नाटे, अमीर-गरीब, शक्तिशाली-कमजोर जैसे विभेद भी सामाजिक विभेद में बदल जाते हैं।

PDFSARTHI.COM

कभी-कभी व्यक्तिगत पसंद-नापसंद से भी सामाजिक विभेद का जन्म होता है। ऐसा भी होता है कि अनेक व्यक्ति अपना धर्म परिवर्तित करके एक अलग समुदाय अथवा समूह बना लेते हैं। कुछ ऐसे भी लोग हैं जो कभी-कभी अंतरजातीय विवाह कर अपनी अलग पहचान बना लेते हैं। कुछ व्यक्ति अपने परिवार अथवा जाति की परंपराओं को छोड़कर भिन्न कार्यक्षेत्रों, पेशे, उद्योग-धंधे तथा सांस्कृतिक गतिविधियों को अपनाकर अपनी अलग पहचान बनाते हैं और अलग सामाजिक समूहों के सदस्य हो जाते हैं। इन सब कारणों से सामाजिक विभेदों का जन्म होता है।

2. 'महिला आरक्षण विधेयक' क्या है ? आपके अनुसार यह विधेयक विधान (कानून) क्यों नहीं बन पा रहा है ?

उत्तर - जनता की प्रातिनिधिक संस्थाओं में सत्ता की साझेदारी में महिलाओं को अधिक स्थान देने के उद्देश्य से कई कदम उठाए जा चुके हैं। भारतीय संविधान के 73वें और 74वें संशोधन द्वारा देशभर में ग्रामीण एवं नगरीय स्थानीय स्वशासन की संस्थाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत स्थान आरक्षित कर दिए गए हैं। बिहार में इन 1. संस्थाओं में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण दिया गया है। लोकसभा और राज्य विधानमंडलों में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत स्थान आरक्षित करने के लिए संसद में विधेयक उपस्थित किया जा चुका है। इसे ही 'महिला आरक्षण विधेयक' कहते हैं।

इस विधेयक के विधान बनने के रास्ते में अनेक बाधाएँ हैं। कई पुरुष राजनीतिज्ञों को अपनी सीट से वंचित होने की आशंका है, अतः ऐसे पुरुष राजनीतिज्ञ प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष ढंग से इसका विरोध कर रहे हैं। कुछ राजनीतिज्ञों ने इस विधेयक के विधान बनने के रास्ते में यह अड़ंगा लगा दिया है कि दलित, पिछड़ी और अल्पसंख्यक महिलाओं के लिए अलग से आरक्षण की व्यवस्था की जाए। इसका अर्थ यह हुआ कि ऐसे लोग 'आरक्षण के अंदर आरक्षण' के पक्ष में हैं।

3. सामाजिक विभेदों में तालमेल एवं संघर्ष पर प्रकाश डालें।

उत्तर - सामाजिक विभेदों में तालमेल रहने से लोकतांत्रिक व्यवस्था की जड़ें मजबूत होती हैं। ठीक इसके विपरीत सामाजिक विभेदों में उचित तालमेल नहीं होने से संघर्ष एवं कलह की स्थिति भी पैदा हो जाती है। ये दोनों पक्ष निम्नलिखित हैं।

(i) सामाजिक विभेदों में तालमेल - विविधता में एकता लोकतंत्र का एक स्वाभाविक गुण है। प्रायः, लोकतांत्रिक राज्यों में धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत को अपनाया जाता है। किसी भी धर्मनिरपेक्ष राज्य के नागरिक विभिन्न धर्मों के अनुयायी होते हैं तथा वे आपसी सौहार्द के वातावरण में शांतिपूर्वक रहते हैं। इस प्रकार, उनमें यह धारणा विकसित

PDF SARTHI.COM

हो जाती है कि वे अलग-अलग धर्मों के अनुयायी तो अवश्य हैं, परंतु उनका राष्ट्र एक है और वे सभी एक ही राष्ट्र के नागरिक हैं। इसीलिए, समस्त भारतीयों के लिए यह कहा गया है कि "हिंदू, मुसलिम, सिख, ईसाई । आपस में हैं भाई-भाई ।।" यह सामाजिक विभेदों में तालमेल पैदा करनेवाली भावना का द्योतक है। होली, दीपावली, दशहरा जैसे पर्वों पर मुसलमान भाई भी हिंदुओं के यहाँ दावत पर जाते हैं और ईद के मौके पर हिंदू भाई भी उन्हें मुबारकबाद देते हैं। सिख भी हिंदुओं के मंदिर में पूजा करने आते हैं और हिंदू भी गुरुद्वारे में श्रद्धापूर्वक शीश नवाते हैं। यह विभेदों में तालमेल, अर्थात विविधता में एकता का उत्कृष्ट नमूना है। भारत की तरह बेल्जियम में भी विभिन्न भाषा-भाषी एवं क्षेत्र के लोगों में अच्छा तालमेल है।

(ii) सामाजिक विभेदों से संघर्ष की उत्पत्ति - यदि शासन द्वारा सामाजिक विभेदों में

उचित तालमेल नहीं बिठाया जाता है, तो यही सामाजिक विभेद कालांतर में संघर्ष का प्रधान कारण भी बन जाता है। सामाजिक विभेद लोकतंत्र के लिए घातक सिद्ध होता है। धर्म, लिंग, जाति, संप्रदाय के नाम पर आपस में उलझने से राष्ट्र की शक्ति क्षीण हो जाती है। ऐसी अवस्था का लाभ उठाकर कभी-कभी दुश्मन देश आक्रमण भी कर देते हैं और राष्ट्र की आजादी खतरे में पड़ जाती है। जब तक विविधताएँ एक सीमा में रहती हैं तब तक कोई परेशानी नहीं होती है, परंतु जब विविधताएँ अपनी सीमा का अतिक्रमण करने लगती हैं तब सामाजिक विभाजन अवश्यंभावी हो जाता है। अमेरिका में श्वेत अश्वेत का झगड़ा, उत्तरी आयरलैंड में प्रोटेस्टेंट और कैथोलिक का झगड़ा, भारत में दलितों और सवर्णों में टकराव जैसी स्थिति किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए घातक सिद्ध होती है।

4. सांप्रदायिकता के किन्हीं चार कारणों पर प्रकाश डालें।

उत्तर- सांप्रदायिकता भारतीय सामाज की एक बहुत बड़ी समस्या है जिसने समाज को न केवल कमजोर किया है, बल्कि अनेक समस्याओं को भी जन्म दिया है। इसके मुख्य कारण निम्नांकित हैं।

(i) भारत में भौगोलिक कारण सांप्रदायिकता के लिए उत्तरदायी माने जा सकते हैं। जिन-जिन स्थानों पर विभिन्न धार्मिक समुदायों के आवासीय क्षेत्र एक-दूसरे से अलग हैं, वहाँ सांप्रदायिक तनाव अधिक बढ़ा है। सामाजिक दूरी बने रहने के कारण इसे भड़काने के अवसर अधिक मिल जाते हैं।

(ii) भारत में सांप्रदायिक तनाव का ऐतिहासिक कारण भी है। मुगल शासकों तथा अँगरेजों के शासनकाल में सांप्रदायिकता को प्रोत्साहन मिला। भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान भी सांप्रदायिक राजनीतिक दलों का गठन

PDFSARTHI.COM

हो गया। मुसलिम लीग और हिंदू महासभा इसके प्रत्यक्ष उदाहरण हैं। एक-दूसरे के खिलाफ हिंसा भड़काने में इनकी महत्त्वपूर्ण भूमिका रही।

(iii) सांप्रदायिकता के लिए मनोवैज्ञानिक कारण भी कम उत्तरदायी नहीं है। जब दो समूहों के बीच पारस्परिक घृणा और द्वेष बढ़ जाता है तब सांप्रदायिक दंगे होते हैं।

(iv) धार्मिक भिन्नता के कारण विभिन्न संप्रदायों के रीति-रिवाज एवं सामाजिक मान्यताएँ भी एक-दूसरे से भिन्न होती हैं। परिणामस्वरूप, विभिन्न समुदायों के बीच दूरी बढ़ जाती है।

5. स्वतंत्र भारत में नारियों की स्थिति में सुधार लाने के लिए सरकार द्वारा कौन- कौन-से उपाय किए गए हैं?

उत्तर - भारत की कुल आबादी में लगभग 48.52 प्रतिशत नारियाँ हैं। केवल पुरुषों की उन्नति से भारत का विकास संभव नहीं है। यही कारण है कि स्वतंत्र भारत में नारियों की स्थिति में सुधार लाने के लिए सरकार द्वारा निम्नलिखित महत्त्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं।

(i) कानूनी संरक्षण - भारत सरकार ने नारियों की स्थिति में सुधार के लिए कानूनों का भी सहारा लिया है। अनेक कानून बनाए गए ताकि उनकी स्थिति में सुधार हो सके। उदाहरण के लिए, कानून द्वारा ही लड़कियों के विवाह के लिए 18 वर्ष की आयु निश्चित की गई है। पति से अलग होने पर भी स्त्रियों को भरण-पोषण के लिए एक निश्चित राशि पाने की व्यवस्था कानून बनाकर की गई है। नारियों को भी विरासत की संपत्ति पर अधिकार दिया गया है। उनके साथ किए जानेवाले विभिन्न गलत व्यवहारों को अपराध घोषित किया गया है।

(ii) शिक्षा की व्यवस्था - नारियों की शिक्षा के लिए भी सरकार ने अनेक उपाय किए हैं। उनके लिए अनेक शिक्षण संस्थानों को स्थापित किया गया है। शिल्पकला, शिशुपालन, गृह उद्योग जैसे क्षेत्रों में महिलाओं को प्रशिक्षित करने की व्यवस्था की गई है। सरकार के प्रयास का ही फल है कि आज स्त्रियों की साक्षरता दर में दिनानुदिन वृद्धि होती जा रही है।

(iii) स्वरोजगार की व्यवस्था - महिलाओं को स्वरोजगार प्राप्त करने के लिए भी सरकार ने अनेक कदम उठाए हैं। ग्रामीण महिलां और शिशु विकास योजना (ड्वाकरा) कार्यक्रम भारत के अनेक जिलों में 1982 से चल रहा है। वास्तविक रूप से स्वरोजगार पाने में यह योजना सहायक सिद्ध हुई है।

PDFSARTHI.COM

(iv) संविधान में संरक्षण-भारत के संविधान में नारियों की स्थिति में सुधार के लिए अनेक प्रावधान किए गए हैं। संविधान में स्त्री और पुरुष दोनों को समान माना गया है। नौकरी और रोजगार पाने में अवसर की समानता दी गई है तथा मताधिकार के क्षेत्र में किसी प्रकार का भेदभाव नहीं किया गया है। नारियों के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं।

6. सामाजिक विभेद की राजनीति के परिणाम तय करनेवाले किन्हीं तीन कारकों का उल्लेख संक्षेप में करें।

उत्तर - सामाजिक विभेद की राजनीति के परिणाम निम्नांकित तीन कारको पर निर्भर करते हैं।

(i) स्वयं की पहचान की चेतना - यदि लोग अपनी पहचान बनाए रखने के लिए अत्यधिक सचेष्ट हैं और इस क्रम में यदि उन्हें दूसरे की परवाह नहीं है, तो ऐसी स्थिति में सामाजिक विभेद की राजनीति का परिणाम सुखद हो ही नहीं सकता। अतः, यदि अपनी पहचान की चेतना के साथ दूसरे की पहचान की भी इज्जत की जाए, सामाजिक विभेद के परिणाम सुखद हो सकते हैं। तो

(ii) विभिन्न समुदायों की माँगों को राजनीतिक दलों द्वारा उपस्थित करने का तरीका - समुदायविशेष की कुछ माँगें राष्ट्रहित में नहीं होती और यदि उनकी माँगों को माने जाने के लिए शासन पर दबाव पड़ता है तो ऐसी स्थिति में विभेद की राजनीति का परिणाम कभी सुखद नहीं हो सकता, जैसे 'श्रीलंका सिर्फ सिंहलियों के लिए' की मान्यता का दुष्परिणाम किसी से छिपा नहीं है।

(iii) माँगों के प्रति सरकार की सोच - सामाजिक विभेद की राजनीति के परिणाम सरकार के विभिन्न समुदायों की माँगों के प्रति सोच पर भी निर्भर करते हैं। विभेद की राजनीति के अच्छे परिणाम के लिए यह आवश्यक है कि सरकार विभिन्न समुदायों की उचित माँगों का खयाल रखे। साथ ही साथ वैसी माँगें जिनसे दूसरे समुदायों के हितों पर चोट न पहुँचे, सरकार द्वारा मान लेने का परिणाम सदैव अच्छा ही होता है।

7. सांप्रदायिकता के प्रमुख तत्त्व कौन-कौन से हैं?

उत्तर - अपने धर्म को अन्य धर्मों से ऊँचा मानना और अपने धार्मिक हितों के लिए राष्ट्रहित का भी बलिदान कर देना सांप्रदायिकता है। यह धर्म के नाम पर घृणा फैलाती है और मानव को मानव से घृणा करना सिखाती है। इसके चलते एक धर्म के अनुयायी दूसरे धर्म के अनुयायियों के दुश्मन हो जाते हैं। अतः, सांप्रदायिकता एक संकीर्ण

PDFSARTHI.COM

विचारधारा है जो एक विशेष समुदाय को अन्य समुदायों के साथ दुश्मन जैसा व्यवहार करने का निर्देश देती है। सांप्रदायिकता के प्रमुख तीन तत्त्व निम्नलिखित हैं।

(i) एक धर्म के अनुयायियों के हित एक जैसे होते हैं।

(ii) एक धर्म के अनुयायियों के हित दूसरे धर्म के अनुयायियों से भिन्न होते हैं। (iii) उनके हित एक-दूसरे से भिन्न ही नहीं, बल्कि परस्परविरोधी भी होते हैं।

8. लैंगिक असमानता के लिए उत्तरदायी महत्त्वपूर्ण कारकों का वर्णन करें।

उत्तर - लैंगिक असमानता भारत के विकास के मार्ग में सबसे बड़ी चुनौती है। पुरुष और नारी दोनों के पारस्परिक सहयोग पर ही विकास संभव है। परंतु, भारत में लैंगिक असमानता की समस्या गंभीर है। लैंगिक असमानता के लिए उत्तरदायी महत्त्वपूर्ण कारक निम्नांकित हैं।

(i) महिलाओं में शिक्षा का अभाव है। शिक्षा के अभाव के कारण ही महिलाओं के बीच अंधविश्वास अधिक है। महिलाएँ शिक्षा के क्षेत्र में पुरुषों से पीछे हैं। 2011 की जनगणना के अनुसार, जहाँ 80.9 प्रतिशत पुरुष शिक्षित है, वहीं शिक्षित महिलाओं का प्रतिशत 64.6 है।

(ii) पर्दाप्रथा भी लैंगिक असमानता का बहुत बड़ा कारक है।

(iii) भारत में प्रचलित सतीप्रथा एवं बालविवाह की प्रथा भी लैंगिक असमानता के लिए बहुत हद तक उत्तरदायी हैं।

(iv) दहेज की प्रथा भी लैंगिक असमानता का एक महत्त्वपूर्ण कारक है।

(v) जनसंख्या की दृष्टि से भी लैंगिक असमानता बनी हुई है। पुरुषों की तुलना में स्त्रियों की संख्या कम है। 1901 में भारत में एक हजार पुरुष पर 972 महिलाएँ थीं, वहीं 2011 की जनगणना के समय 1000 पुरुष पर महिलाओं की संख्या 943 रह गई है। केरल और पुदुचेरी छोड़कर अन्य राज्यों में लगभग यही स्थिति बनी हुई है।

(vi) पुरुष-प्रधान समाज, कन्या-भ्रूणहत्या, उच्च मातृ-मृत्यु दर, कन्या-शिशु की उपेक्षा, पुरुष-शिशु के लिए प्राथमिकता, स्त्री-प्रताड़ना आदि भी लैंगिक असमानता के मुख्य कारक हैं।

PDFSARTHI.COM

1. लोकतंत्र मे सत्ता की साझेदारी

1. संविधान का कौन-सा अनुच्छेद, धर्म, वंश, जाति या स्थान के आधार पर किसी प्रकार के भेदभाव का निषेध करता है?

(A) अनुच्छेद 16

(B) अनुच्छेद 15

(C) अनुच्छेद 10

(D) अनुच्छेद 20

Ans=B

2. क्षेत्रवाद की भावना का एक कुपरिणाम है-

(A) अपने क्षेत्र से लगाव

(B) राष्ट्रहित

(C) राष्ट्रीय एकता

(D) अलगाववाद

Ans=D

3. ब्रुसेल्स में 80% लोग किस भाषा को बोलते हैं?

(A) डच

(B) अंग्रेजी

(C) फ्रेंच

(D) हिन्दी

PDF SARTHI.COM

Ans=C

4. 'मराठी मानुष' का विवाद निम्नलिखित में से किस राज्य से संबंधित है?

(A) पंजाब

(B) गुजरात

(C) महाराष्ट्र

(D) केरल

Ans=C

5. भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19 में देश के सभी नागरिकों को कौन-सा मूल अधिकार दिया गया है?

(A) स्वतंत्रता का अधिकार

(B) समानता का अधिकार

(C) संवैधानिक उपचारों का अधिकार

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans=A

6. श्रीलंका में सामाजिक विभाजन किस स्तर पर है?

(A) क्षेत्रीय

(B) सामाजिक

(C) A तथा B दोनों

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans=C

PDFSARTHI.COM

7. पीटर नार्मन धावक कहाँ का था?

(A) जर्मनी

(B) बेल्जियम

(C) फ्रांस

(D) आस्ट्रेलिया

Ans=D

8. रंगभेद की नीति के विरुद्ध आवाज उठाने वाला व्यक्ति कौन था?

(A) मार्टिन लूथर किंग

(B) अब्राहम लिंकन

(C) जार्ज वाशिंगटन

(D) लूई सोलहवाँ

Ans=A

9. मैक्सिको ओलंपिक की घटना एक उदाहरण है-

(A) रंगभेद का

(B) सांप्रदायिकता का

(C) जातिवाद का

(D) आतंकवाद का

Ans=A

10. इनमें से किसकी शुरुआत जर्मनी से हुई थी?

PDF SARTHI.COM

(A) नक्सलवाद

(B) माओवाद

(C) नाजीवाद

(D) फासीवाद

Ans=C

11. निम्नलिखित व्यक्तियों में कौन लोकतंत्र में रंगभेद विरोधी नहीं थे ?

(A) मार्टिन लूथर किंग

(B) महात्मा गाँधी

(C) ओलपिक धावक टॉमी स्मिथ एवं जॉन कालौस

(D) जेड गुडी

Ans=D

12. श्रीलंका में भेदभाव का आधार हैं-

(A) नस्ल एवं रंग

(B) जाति

(C) भाषायी

(D) वर्ण

Ans=C

13. सत्ता में साझेदारी किस व्यवस्था में सर्वश्रेष्ठ रूप से संभव है?

(A) राजतंत्र

PDF SARTHI.COM

(B) लोकतंत्र

(C) निरंकुशवाद

(D) अधिनायकतंत्र

Ans=B

14. सत्ता में साझेदारी का अच्छा उदाहरण प्रस्तुत करने वाला राष्ट्र कौन-सा है?

(A) पाकिस्तान

(B) श्रीलंका

(C) बेल्जियम

(D) यूगोस्लाविया

Ans=C

15. सत्ता में साझेदारी का तात्पर्य है-

(A) विधायक या सांसद बनाना

(B) प्रतिनिधित्व की इच्छा रखना और राजनीतिक दल बनाना

(C) अपनी भाषा या धर्म इत्यादि को संवैधानिक पहचान दिलाना

(D) शासन एवं प्रशासन के मूलभूत निर्णयों को अपने अनुकूल प्रभावित करने की क्षमता प्राप्त करना।

Ans=D

16. जन्म पर आधारित विभेद किस देश में है?

(A) भारत

(B) चीन

PDFSARTHI.COM

(C) अमेरिका

(D) आस्ट्रेलिया

Ans=A

17. भाषाई आधार पर बनने वाला प्रथम राज्य है-

(A) बिहार

(B) झारखंड

(C) उत्तराखंड

(D) आंध्रप्रदेश

Ans=D

18. विविधता और विभेद किसी राष्ट्र के लिए है-

(A) केवल नकारात्मक

(B) केवल सकारात्मक

(C) नकारात्मक एवं सकारात्मक दोनों

(D) कोई भी नहीं

Ans=C

19. सत्ता में साझेदारी सही है, क्योंकि :

(A) यह विविधता को बढ़ाती है

(B) देश की एकता को कमजोर करती है

(C) फैसले लेने में देर करवाती है

PDFSARTHI.COM

(D) विभिन्न समुदाओं के बीच टकराव कम करती है

Ans=D

20. निम्नलिखित में से कौन सामाजिक विभाजन का तरीका नहीं है?

(A) क्षेत्रियता की भावना

(B) नस्ल एवं रंग

(C) सरकारी नौकरी

(D) भाषा

Ans=C

21. निम्नलिखित में से किस देश को धार्मिक और जातीय आधार पर विखंडन का सामना करना पड़ा?

(A) बेल्जियम

(B) भारत

(C) युगोस्लाविया

(D) नीदरलैंड

Ans=C

22. लोकतंत्र में देखने को मिलता है-

(A) टकरावों एवं विभिन्नता में सामंजस्य स्थापित करना

(B) जातिवाद को बढ़ावा देना

(C) धार्मिक आधार पर लोगों मे विभेद पैदा करना

(D) क्षेत्रियता के आधार पर अलग राज्य का गठन करना

PDF SARTHI.COM

Ans=A

23. सामाजिक विभाजन को संभालने मे इनमे कौन कथन लोकतांत्रिक व्यवस्था पर लागू नहीं होता ?

(A) लोकतंत्र मैं राजनीतिक प्रतिद्वन्द्विता के कारण सामाजिक विभाजन की छाया राजनीति पर भी पड़ती है।

(B) लोकतंत्र में समुदायों के लिए शांतिपूर्ण ढंग से अपनी शिकायतें प्रकट करना संभव है।

(C) लोकतंत्र सामाजिक विभेद में सामंजस्य स्थापित करने का सबसे अच्छा साधन है।

(D) लोकतंत्र सामाजिक विभाजन के आधार पर समाज को विखंडन की ओर ले जाता है।

Ans=D

24. जाति पर आधारित विभाजन कहाँ है?

(A) अमेरिका

(B) पाकिस्तान

(C) भारत

(D) बेल्जियम

Ans=C

25. भारतीय राजनीति में सवर्णों का वर्चस्व कब तक रहा?

(A) 1967

(B) 1969

(C) 1980

(D) 1985

Ans=A

PDFSARTHI.COM

26. प्रोटेस्टेंट संप्रदाय किस धर्म से संबंधित है?

(A) हिन्दू

(B) मुस्लिम

(C) ईसाई

(D) सिख

Ans=C

27. निम्नलिखित में से कौन राजनेता जातिगत भेदभाव से मुक्त समाज निर्माण के पक्षधर थे?

(A) डॉ० भीमराव अम्बेडकर

(B) पेरियार स्वामी

(C) डॉ० राम मनोहर लोहिया

(D) इनमें से सभी

Ans=D

28. प्राचीन काल मे निम्न मे से किनको शिक्षा पाने का भी अधिकार नहीं था ?

(A)) ब्राह्मणों को

(B) क्षत्रिय को

(C) राज परिवार को

(D) शुद्रों को

Ans=D

29. किस राष्ट्र में विभेद कम पाया जाता है?

PDF SARTHI.COM

(A) रूस

(B) भारत

(C) अमेरिका

(D) दक्षिण कोरिया

Ans=A

30. संप्रदायवाद संबंधित है-

(A) धार्मिक सद्भावना से

(B) धार्मिक कट्टरता से

(C) धर्मनिरपेक्षता से

(D) धर्म से संबंधित नहीं है

Ans=B

31. जाति के आधार पर सामाजिक विभाजन किस देश की सामाजिक व्यवस्था का अनूठा उदाहरण है?

(A) संयुक्त राज्य अमेरिका

(B) ग्रेट ब्रिटेन

(C) चीन

(D) भारत

Ans=C

32. साम्प्रदायिक राजनीति आधारित होती है-

(A) धर्म पर

PDF SARTHI.COM

(B) जाति पर

(C) क्षेत्र पर

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans=A

33. धर्म को समुदाय का मुख्य आधार मानने वाले व्यक्ति को कहा जाता है

(A) जातिवादी

(B) सांप्रदायिक

(C) धर्म निरपेक्ष

(D) आदर्शवादी

Ans=B

34. सिंहली किस देश की राजभाषा घोषित किया गया है?

(A) म्यांमार

(B) श्रीलंका

(C) मलेशिया

(D) मारिशश

Ans=B

35. सम्प्रदाय का संबंध है-

(A) सिख

(B) ईसाई

PDF SARTHI.COM

(C) जैन

(D) बौद्ध

Ans=B

36. निम्नलिखित में से किसमें सामाजिक विभाजन का आधार देखने को नहीं मिलता हैं?

(A) संप्रदायवाद

(B) भाषावाद

(C) क्षेत्रियतावाद

(D) नस्लवाद

Ans=D

37. निम्नलिखित में से किसने कहा है कि "धर्म को कभी भी राजनीति से अलग नहीं होना चाहिए।"

(A) ज्योतिवा फूले

(B) लोकनायक जयप्रकाश

(C) दयानन्द सरस्वती

(D) महात्मा गाँधी

Ans=D

38. निम्नलिखित में कौन-सा देश धर्मनिरपेक्ष नहीं है?

(A) पाकिस्तान

(B) भारत

(C) अमेरिका

PDF SARTHI.COM

(D) नेपाल

Ans=A

39. भारतीय संविधान के बारे में इनमें से कौन-सा कथन सही है?

(A) यह धर्म के आधार पर भेदभाव की मनाही करता है।

(B) यह एक धर्म को राजकीय धर्म बनाता है।

(C) सभी लोगों को कोई भी धर्म मानने की आजादी देता है।

(D) किसी धार्मिक समुदाय में सभी नागरिकों को बराबरी का अधिकार देता है।

Ans=C

40. संप्रदायिक राजनीति किस पर आधारित है?

(A) एक धर्म दूसरे से श्रेष्ठ है।

(B) विभिन्न धर्मों के लोग समान नागरिक के रूप में खुशी-खुशी साथ रहते हैं।

(C) एक धर्म के अनुयायी एक समुदाय बनाते हैं।

(D) एक धार्मिक समूह का प्रभुत्व बाकी धर्मों पर कायम करने में शासन की शक्ति का प्रयोग नहीं किया जा सकता है।

Ans=A

41. भारत एक राष्ट्र है-

(A) धार्मिक

(B) धर्मनिरपेक्ष

(C) विकसित

PDF SARTHI.COM

(D) साम्प्रदायिक

Ans=B

42. अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस किस तिथि को मनाया जाता है?

(A) 7 मार्च

(B) 8 मार्च

(C) 9 मार्च

(D) 10 मार्च

Ans=B

43. 16 वीं लोकसभा में महिला सदस्यों की संख्या कितनी है?

(A) 61

(B) 63

(C) 65

(D) 67

Ans=C

44. मानव जाति में आधी आबादी किसका है?

(A) पुरुषों की

(B) महिलाओं की

(C) युवाओं की

(D) इनमें कोई नहीं

PDF SARTHI.COM

Ans=B

45. भारत में पुरुषों की साक्षरता दर (2015) के अनुसार है

(A) 80.112

(B) 80.115

(C) 81.121

(D) 80.94

Ans=D

46. इंगलैंड में महिलाओं का वयस्क मताधिकार किस वर्ष प्राप्त हुआ?

(A) 1918 में

(B) 1919 में

(C) 1928 में

(D) 1945 में

Ans=A

47. भारत में महिलाओं की साक्षरता दर है-

(A) 50 प्रतिशत

(B) 90 प्रतिशत

(C) 64 प्रतिशत

(D) 20 प्रतिशत

Ans=C

PDFSARTHI.COM

48. भारत के 16वीं लोकसभा में महिला प्रतिनिधियों का प्रतिशत है-

(A) 50 से भी ऊपर

(B) 20 प्रतिशत

(C) 33 प्रतिशत

(D) 11.93 प्रतिशत

Ans=D

49. महिला आरक्षण विधेयक निम्नलिखित से किससे संबंधित है?

(A) महिलाओं की शिक्षा से

(B) महिलाओं की शक्ति से

(C) महिलाओं की गरीबी दूर करने से

(D) महिला प्रतिनिधियों की संख्या बढ़ाने से

Ans=D

50. लैंगिक विभाजन का क्या अर्थ है?

(A) समाज में स्त्रियों की संख्या की गणना

(B) स्त्रियों एवं पुरुषों की संख्या का अनुपात

(C) स्त्री एवं पुरुष के बीच जैविक अंतर

(D) समाज द्वारा स्त्रियों एवं पुरुषों को दी गई असमान भूमिकाएँ।

Ans=C

51. महिलाओ को मतदान का अधिकार सर्वप्रथम किस राष्ट्र मे दी गई ?

PDFSARTHI.COM

(A) भारत में

(B) आस्ट्रेलिया में

(C) ब्रिटेन में

(D) अमेरिका में

Ans=C

52. कृषि कार्य में महिलाओं की कुल भागीदारी है-

(A) 40%

(B) 16%

(C) 50%

(D) 20%

Ans=A

53. 17वीं लोकसभा में महिलाओं की संख्या है-

(A) 61

(B) 78

(C) 65

(D) 74

Ans=B

PDF SARTHI.COM

2. सत्ता में साझेदारी की कार्यप्रणाली

1. शासन के संघीय और एकात्मक स्वरूप में मुख्य अंतर क्या-क्या हैं? उदाहरणों से स्पष्ट करें।

उत्तर - किसी भी लोकतांत्रिक शासन को सत्ता के विभाजन के आधार पर दो भागों में बाँटा जाता है - संघात्मक शासन एवं एकात्मक शासन। दोनों प्रकार के शासनों में मुख्य अंतर निम्नांकित हैं।

(i) एकात्मक शासन में शक्तियों का विभाजन नहीं होता, सभी शक्तियाँ केंद्र के पास रहती हैं। इसके विपरीत, संघात्मक शासन में केंद्र और राज्य सरकारों के बीच शक्तियों का विभाजन कर दिया जाता है।

(ii) संघात्मक शासन में एक लिखित संविधान अवश्य होता है। परंतु, एकात्मक शासन के लिए यह आवश्यक नहीं है।

(iii) संघात्मक शासन में बहुधा दोहरी पहचान और निष्ठा होती है जबकि एकात्मक शासन में एकल ।

अमेरिका, भारत, बेल्जियम और स्विट्जरलैंड संघात्मक शासन के उदाहरण हैं, जबकि ब्रिटेन, फ्रांस और श्रीलंका एकात्मक शासन के उदाहरण हैं।

2. सत्ता में साझेदारी से आप क्या समझते हैं ?

उत्तर - सत्ता में साझेदारी का अर्थ है- सरकारी क्रियाकलापों में भाग लेना तथा सरकार के निर्णयों एवं नीति-निर्माण में इस प्रक्रिया को जनता द्वारा प्रभावित किया जाना, ताकि नीतियाँ जनता की इच्छा के अनुरूप हों, नीतियों के क्रियान्वयन में जनता की भागीदारी सुनिश्चित हो एवं शासन जनोन्मुखी, उत्तरदायी तथा जन-आकांक्षा से संचालित हो। इस तरह, सत्ता में जनता की भागीदारी के ये मुख्य पहलू हैं।

3. संघ राज्य किसे कहते हैं? अथवा, संघ राज्य का अर्थ बताएँ।

उत्तर - जब किसी देश में शासन संचालन के लिए दुहरे स्तर पर सरकार का गठन किया जाता है, तब वह संघ राज्य कहलाता है। संघ राज्य में सर्वोच्च स्तर पर केंद्र की सरकार होती है। राज्य संघ के अंग होते हैं जिनके शासन के संचालन के लिए राज्यों की सरकारें होती है। लिखित संविधान के द्वारा दोनों स्तर की सरकारों के बीच शक्तियों का विभाजन कर दिया जाता है। दोनों के कार्यक्षेत्र परिभाषित कर दिए जाते हैं।

PDFSARTHI.COM

4. ग्रामसभा के संगठन और कार्यों का वर्णन करें।

उत्तर - गाँव के सभी वयस्क नागरिक ग्रामसभा के सदस्य होते हैं। ग्रामसभा की बैठक समय-समय पर होती रहती है। बैठक की अध्यक्षता मुखिया करता है। इसके मुख्य कार्य निम्नलिखित हैं।

(i) ग्राम से संबंधित विकास योजनाओं के कार्यान्वयन में सहायता प्रदान करना

(ii) ग्राम के अंदर वयस्क शिक्षा के कार्यक्रम को सफल बनाना

(iii) परिवार कल्याण कार्यक्रम में योगदान देना

(iv) ग्रामीणों के बीच एकता और सौहार्द बढ़ाना

(v) स्वैच्छिक श्रमिकों का सहयोग प्राप्त करना

5. श्रीलंका की राष्ट्रीय एकता खतरे में क्यों रही है ?

उत्तर - श्रीलंका की राष्ट्रीय एकता के खतरे में रहने के निम्नांकित कारण रहे हैं।

(i) सत्ता की साझेदारी में बहुसंख्यकों को अल्पसंख्यकों की अपेक्षा अधिक प्रश्रय दिया गया है। श्रीलंका में सिंहली भाषा बोलनेवाले बहुसंख्यक हैं और तमिलभाषी अल्पसंख्यक ।

(ii) अल्पसंख्यक तमिलभाषियों के हितों को नजरअंदाज करने के कारण दोनों समुदायों के बीच निरंतर संघर्ष की स्थिति बनी रहती है।

(iii) अपनी संस्कृति और भाषा को बचाने तथा शिक्षा एवं रोजगार में समानता के अवसर के लिए ही श्रीलंका के तमिल सत्ता के संघीय ढाँचे की माँग करते रहे हैं।

6. सत्ता का विकेंद्रीकरण क्यों आवश्यक है?

उत्तर - सत्ता का विकेंद्रीकरण जनसमर्थन की कुंजी है। भारत जैसे लोकतांत्रिक देशों के लिए यह एक आवश्यक शर्त है। सत्ता का विकेंद्रीकरण होने से अधिकाधिक लोगों की सना में सहभागिता बढ़ती है। ऐसा करने से जनता को यह भरोसा एवं विश्वास होता है कि प्रशासन उसकी सेवा के लिए सदैव तत्पर एवं प्रयत्नशील है। जहाँ या जिस देश में सना का एक ही केंद्र होगा उसे हम लोकतांत्रिक नहीं कह सकते। शासन को मुगमतापूर्वक तथा शांतिपूर्ण ढंग से

PDFSARTHI.COM

चलाने के लिए सत्ता का विकेंद्रीकरण आवश्यक है। सत्ता का एक ही केंद्र रहने से प्रशासनिक कार्यों में विलंब तो होता ही है, साथ ही खर्च भी बढ़ जाता है। अतः, स्पष्ट है कि सत्ता का विकेंद्रीकरण आवश्यक है।

7. ग्राम कचहरी के गठन एवं शक्ति का वर्णन करें।

उत्तर - बिहार में पंचायत राज अधिनियम, 2006 के अनुसार, ग्राम कचहरी का गठन निर्वाचन द्वारा किया जाता है जिसमें एक निर्वाचित सरपंच और निश्चित संख्या में निर्वाचित पंच होते हैं। ग्राम कचहरी में भी आरक्षण का प्रावधान है। ग्राम कचहरी का प्रधान सरपंच होता है। ग्राम कचहरी का एक सचिव और एक न्यायमित्र होता है। जिनकी नियुक्ति राज्य सरकार द्वारा होती है। इसको फौजदारी और दीवानी दोनों प्रकार के मुकदमों की सुनवाई करने का अधिकार है। ग्राम कचहरी को अधिकतम एक हजार रुपये तक जुर्माना करने का अधिकार है।

8. गुप्त मतदान पत्र क्या है?

उत्तर - मतदान पत्र वह दस्तावेज है जिससे मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करते हैं। अगर इसे गुप्त रूप से व्यवहार में लाया जाए, तो इसे 'गुप्त मतदान पत्र' कहेंगे। इस प्रकार की पद्धति अपनाने से लाभ यह होता है कि किसी को यह पता नहीं चल पाता कि किसने किसके पक्ष में मतदान किया।

9. पंचायती राज के मुख्य उद्देश्यों का उल्लेख करें।

उत्तर - पंचायती राज के निम्नलिखित मुख्य उद्देश्य हैं।

(i) ग्रामीण क्षेत्रों की स्थानीय संस्थाओं को वास्तविक शक्तियाँ सौंपकर लोकतंत्र का आधार मजबूत करना

(ii) स्थानीय मामलों के कार्यों में ग्रामीणों की अधिक साझेदारी

सुनिश्चित करना

(iii) ग्रामीण क्षेत्रों में उपलब्ध मानव तथा अन्य संसाधनों का सही उपयोग करना

(iv) ग्रामीणों के बीच आत्मनिर्भरता एवं सामुदायिक भावना विकसित करना

(v) ग्रामीण क्षेत्रों में सामुदायिक विकास योजनाओं को मूर्तरूप देना

PDFSARTHI.COM

(vi) ग्रामीण क्षेत्रों के कमजोर वर्ग के लोगों को मुख्यधारा से जोड़ना, अर्थात ग्रामीण विकास की योजनाओं में हाथ बँटाने का अवसर देना

10. 1993 के संविधान संशोधन के पहले और बाद के स्थानीय स्वशासन में दो महत्त्वपूर्ण अंतर बताएँ ।

उत्तर - (i) 1993 के 73वें एवं 74वें संविधान संशोधन के पूर्व स्थानीय स्वशासन को । सांविधानिक मान्यता प्राप्त नहीं थी, परंतु संशोधन के बाद इसे सांविधानिक मान्यता प्राप्त हो गई।

(ii) संशोधन के पूर्व स्थानीय स्वशासन की संस्थाओं में महिलाओं को आरक्षण प्राप्त नहीं था, परंतु संशोधन के बाद उन्हें आरक्षण प्राप्त हो गया।

11. भारत की संघीय शासन व्यवस्था में बेल्जियम से मिलती-जुलती एक व्यवस्था तथा उससे अलग एक विशेषता बताएँ।

उत्तर - भारत की संघीय शासन व्यवस्था में बेल्जियम से मिलती-जुलती एक प्रधान विशेषता यह है कि दोनों ही मुल्कों में केंद्र एवं उसकी इकाइयों के अधिकार क्षेत्र विभाजित हैं। भारत में बेल्जियम से भिन्न एक विशेषता यह है कि यहाँ भाषा एवं संस्कृति के आधार पर सांप्रदायिक सरकार की स्थापना नहीं की गई है।

12. भारत की संघीय पद्धति पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।

उत्तर - संविधान द्वारा भारत में संघात्मक शासन की व्यवस्था की गई है। केंद्र और राज्यों के बीच अधिकारों के विभाजन के लिए तीन सूचियाँ तैयार की गई हैं- संघ सूची, राज्य सूची और समवर्ती सूची। दोनों सरकारों के अधिकार-संबंधी मतभेद को दूर करने के लिए सर्वोच्च न्यायालय की स्थापना की गई है। संविधान में 'संघ' शब्द का प्रयोग न कर, 'यूनियन' शब्द का प्रयोग किया गया है। अवशिष्ट अधिकार केंद्र को दिए गए हैं। समस्त देश के लिए एक ही नागरिकता रखी गई है। राज्यों को अपना संविधान बनाने का अधिकार नहीं है। विशेष परिस्थितियों में राज्य की सारी शक्तियाँ केंद्र में निहित की जा सकती हैं।

13. संघीय सरकार के विभिन्न तत्त्वों का वर्णन करें।

उत्तर - संघीय सरकार के आवश्यक तत्त्व निम्नलिखित हैं।

(i) लिखित संविधान - लिखित संविधान से केंद्र और राज्य सरकारों का कार्यक्षेत्र स्पष्ट रहता है।

PDFSARTHI.COM

(ii) कठोर संविधान – कठोर संविधान होने से कोई सरकार अपने हित में सरलता से इसमें संशोधन नहीं कर सकती है।

(iii) संविधान की सर्वोच्चता-संविधान की सर्वोच्चता से संघीय पद्धति की रक्षा होती है, क्योंकि संविधान का उसपर अंकुश बना रहता है।

(iv) शक्तियों का विभाजन - संघीय सरकार में संविधान द्वारा ही केंद्र और राज्य सरकारों के बीच शक्तियों का विभाजन कर दिया जाता है।

(v) स्वतंत्र न्यायपालिका - संघीय सरकार में न्यायपालिका ही संविधान का संरक्षक होती है। केंद्र और राज्य सरकारों के बीच सांविधानिक विवादों का निपटारा नही करती है।

14. भारतीय संघीय व्यवस्था की मुख्य विशेषताओं का विवेचन करें।

उत्तर - भारतीय संघीय व्यवस्था की मुख्य विशेषताएँ निम्नलिखित हैं।

(i) यहाँ शक्तिशाली केंद्रीय सरकार की स्थापना की गई है।

(ii) संघ सरकार को अत्यधिक अधिकार दिए गए हैं। संविधान में शासन के सभी विषयों को तीन सूचियों में विभक्त किया गया है- संघ सूची (इसमें 97 विषय हैं जो संघ सरकार के अंतर्गत हैं), राज्य सूची (इसमें 66 विषय हैं जो राज्य सरकार के अंतर्गत हैं) और समवर्ती सूची (इसमें 47 विषय हैं जिनपर संघ सरकार की प्राथमिकता और प्रधानता स्वीकार की गई है)। अवशिष्ट अधिकार भी संघ सरकार को ही दिया गया है।

(iii) विशेष परिस्थितियों में राज्य सरकार की सारी शक्तियाँ संघ सरकार ले सकती हैं।

15. भारत में केंद्र और राज्य में कौन अधिक शक्तिशाली है ? तर्क देकर अपने उत्तर की पुष्टि करें।

उत्तर - भारत में संघात्मक सरकार है, परंतु केंद्र सरकार को ही अधिक शक्तिशाली बनाया गया है। कानून बनाने के विषयों को तीन सूचियों में बाँट दिया गया है. - संघ सूची, राज्य सूची एवं समवर्ती सूची। समवर्ती सूची पर केंद्र और राज्य दोनों सरकारों को कानून बनाने का अधिकार है, परंतु एक ही विषय पर दोनों सरकारों द्वारा कानून बन जाने पर केंद्र सरकार के कानून को ही मान्यता दी जाती है। तीन सूचियों में से बचे विषयों पर भी केंद्र सरकार ही कानून बनाती है। अनेक परिस्थितियों में राज्य सूची पर भी केंद्र सरकार कानून बना सकती है। संकटकाल की

PDFSARTHI.COM

स्थिति में केंद्र सरकार और शक्तिशाली हो जाती है। राज्यपाल की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा होती है और वह केंद्र सरकार के अभिकर्ता के रूप में काम करता है। इस तरह, केंद्र अधिक शक्तिशाली है।

16. गठबंधन की सरकारों में साझेदार कौन-कौन होते हैं?

उत्तर - भारत के वर्तमान युग को गठबंधन की सरकारों के युग की संज्ञा दी जाती है। यहाँ संसदीय शासन व्यवस्था स्थापित की गई है। केंद्र के स्तर पर लोकसभा में बहुमत प्राप्त दल को सरकार बनाने का अवसर मिलता है। यही बात प्रांतों के साथ भी लागू होती है। निर्वाचन के उपरांत बहुमत के आधार पर गठित सरकार तभी तक टिक पाती है जब तक उसे लोकसभा या विधानसभा में बहुमत प्राप्त रहना है।

1967 तक प्रांतों तथा केंद्र में काँग्रेस को बहुमत प्राप्त रहा। परंतु, इसके उपरांत केंद्र और प्रांतों में सरकार बनाने के लिए कई दलों के सहयोग से बहुमत जुटाने के युग का प्रारंभ हुआ जिसे गठबंधन की सरकार की संज्ञा दी गई। गठबंधन में कई राजनीतिक दल सम्मिलित होते हैं। निर्दलीय भी गठबंधन में साझेदार होते हैं।

17. भारत में सरकार के विभिन्न अंगों में सत्ता का विभाजन किस प्रकार किया गया है ?

उत्तर - भारत में सरकार के तीन अंग हैं जिनके बीच सत्ता का बँटवारा कर दिया गया है। विधायिका का कार्य कानून बनाना है। कार्यपालिका का काम कानून को लागू करना है और न्यायपालिका का काम यह देखना है कि शासन कानून के अनुसार चल रहा है अथवा नहीं। यह भी व्यवस्था की गई है कि कोई अंग अपने अधिकार का दुरुपयोग नहीं करे। प्रत्येक अंग इसी उद्देश्य से एक-दूसरे पर अंकुश रखते हैं। कार्यपालिका विधायिका के प्रति सामूहिक रूप से उत्तरदायी होती है। कार्यपालिका विधायिका के सामने विधेयक उपस्थित करती है। न्यायपालिका विधायिका के बने कानून को असंविधानिक घोषित करने का अधिकार रखती है। स्पष्ट है कि सत्ता के विभाजन के साथ-साथ नियंत्रण एवं संतुलन की भी व्यवस्था की गई है।

18. सत्ता में साझेदारी की मुख्य आवश्यकताओं का उल्लेख करें।

उत्तर - सत्ता में साझेदारी की मुख्य आवश्यकताएँ निम्नलिखित हैं।

(i) इससे राजनीतिक व्यवस्था में स्थायित्व आता है।

PDFSARTHI.COM

(ii) जनसमर्थन जुटाने के लिए भी सत्ता में साझेदारी की आवश्यकता पड़ती है। अधिक-से-अधिक लोगों तथा समूहों को शासन व्यवस्था से जोड़कर लोकतंत्र की जड़ें मजबूत की जाती हैं।

(iii) राज्य के मामलों में अधिकाधिक लोगों की रुचि बढ़ाने के लिए भी सत्ता में साझेदारी आवश्यक है।

(iv) राज्य में क्रांति तथा आपसी टकराव कम करने के लिए भी इसकी आवश्यकता होती है।

19. सत्ता में साझेदारी का क्या अर्थ है? इसकी एक अच्छी परिभाषा दें।

उत्तर - सत्ता में साझेदारी को लोकतांत्रिक व्यवस्था का एक आवश्यक और महत्त्वपूर्ण आधार माना गया है। आज का युग सत्ता के विकेंद्रीकरण का है। यह तभी संभव है जब सत्ता में अधिक – से - अधिक लोगों की साझेदारी सुनिश्चित हो । नागरिकों द्वारा सरकारी कामकाज में प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से भाग लेने की क्रिया को सत्ता में साझेदारी की संज्ञा दी जाती है। इसकी एक अच्छी परिभाषा है- "राज्य के नागरिकों द्वारा सरकारी स्तर पर निर्णय लेने या निर्णय-निर्माण की प्रक्रिया को प्रभावित करना सत्ता में साझेदारी है।"

20. संघीय व्यवस्था में न्यायपालिका की क्या भूमिका होती है?

उत्तर - संघीय व्यवस्था में न्यायपालिका की भूमिका बड़ी महत्त्वपूर्ण होती है। संघीय शासन व्यवस्था में सत्ता के शीर्ष पर एक स्वतंत्र एवं निष्पक्ष न्यायालय की स्थापना की जाती है, जो विधायिका एवं कार्यपालिका से स्वतंत्र होती है। यही केंद्र एवं राज्य तथा राज्यों के मध्य होनेवाले विवादों तथा उनके मध्य अधिकार-संबंधी मतभेदों का निबटारा करती है। इसी हेतु भारत में एक सर्वोच्च न्यायालय की स्थापना की गई है। अतः, स्पष्ट है कि संघीय व्यवस्था में न्यायपालिका की भूमिका काफी महत्त्वपूर्ण होती है।

सत्ता में साझेदारी की कार्यप्रणाली

1. बेल्जियम में सत्ता में साझेदारी के लिए संविधान में किए गए किन्हीं चार संशोधनों का वर्णन करें।

उत्तर - सत्ता में साझेदारी के लिए अलग-अलग लोकतांत्रिक राज्यों में अलग-अलग तरीके अपनाए जाते रहे हैं। यूरोप के एक छोटे-से लोकतांत्रिक देश बेल्जियम में सत्ता में साझेदारी के प्रश्न को सहज ढंग से सुलझा लिया गया। इस उद्देश्य से बेल्जियम के संविधान में कुछ संशोधन कर दिए गए हैं, जिनमें मुख्य चार निम्नांकित हैं।

PDFSARTHI.COM

(i) संविधान में इस बात का प्रावधान कर दिया गया कि बेल्जियम के डचभाषी एवं फ्रेंचभाषी मंत्रियों की संख्या केंद्र सरकार में बराबर होगी। कुछ विशेष कानून तभी बन सकते हैं जब दोनों भाषाई समूह के सांसदों का बहुमत उनके पक्ष में हो।

(ii) संघीय व्यवस्था को ही संविधान में अपनाया गया है। संविधान में इस बात को स्पष्ट कर दिया गया है कि राज्य सरकारों की केंद्रीय सरकार की अपेक्षा सत्ता में अधिक साझेदारी होगी। स्पष्ट है कि राज्य सरकारें केंद्रीय सरकार के अधीन नहीं हैं।

(iii) संविधान द्वारा बेल्जियम की राजधानी ब्रूसेल्स में एक अलग सरकार गठित की गई है। ब्रूसेल्स में फ्रेंचभाषी के बहुसंख्यक होने के बावजूद केंद्र सरकार की तरह ब्रूसेल्स की सरकार में भी समानता के सिद्धांत को अपनाया गया

(iv) सत्ता में साझेदारी को और भी व्यापक बनाने के उद्देश्य से केंद्र सरकार, राज्य सरकार और राजधानी की सरकार के अतिरिक्त एक सामुदायिक सरकार के गठन की भी व्यवस्था की गई है जो संस्कृति, शिक्षा और भाषा के मामले में निर्णय लेती है। अलग-अलग भाषा बोलनेवालों को अपनी सामुदायिक सरकार बनाने का अधिकार दिया गया है, चाहे वे देश के किसी भी भाग में निवास करते हों।

2. सत्ता में साझेदारी के चार रूपों या तरीकों का वर्णन करें।

उत्तर - आधुनिक लोकतांत्रिक युग में प्रत्येक शासक की यह कोशिश होती है कि राजनीतिक सत्ता में अधिक-से-अधिक लोगों की साझेदारी सुनिश्चित की जाए ताकि शासन को स्थायी और टिकाऊ बनाया जा सके। वर्तमान लोकतांत्रिक युग में सत्ता में साझेदारी के निम्नलिखित चार रूप देखने को मिलते हैं।

(i) सरकार के विभिन्न अंगों के मध्य सत्ता का विभाजन- -सामान्यतः, सरकार के तीन अंग होते हैं- (a) विधायिका, (b) कार्यपालिका और (c) न्यायपालिका। जब सत्ता को किसी एक अंग में केंद्रित नहीं करके सरकार के तीनों अंगों के बीच स्पष्ट विभाजन अथवा सीमांकन कर दिया जाता है, तो उसे शक्तियों का पृथक्करण कहा जाता है। ऐसा करने से किसी एक अंग के द्वारा शक्ति के दुरुपयोग की संभावना कम होती है।

(ii) विभिन्न स्तरों पर गठित सरकारों के बीच सत्ता का विभाजन - सुविधा हेतु शासन व्यवस्था को तीन स्तरों पर विभाजित कर दिया जाता है- राष्ट्रीय स्तर पर केंद्र सरकार, प्रांतीय स्तर पर राज्य सरकार तथा निम्नतम स्तर पर स्थानीय सरकार। भारतीय संविधान द्वारा केंद्र और राज्य सरकारों के बीच सत्ता का स्पष्ट विभाजन कर दिया गया है।

PDFSARTHI.COM

इसी उद्देश्य से तीन सूचियाँ बनाई गई हैं- (a) संघ सूची, (b) राज्य सूची और (c) समवर्ती सूची। इसके अतिरिक्त स्थानीय स्तर पर ग्राम पंचायत, पंचायत समिति, जिला परिषद्, नगर पंचायत, नगर परिषद् एवं नगर निगमों की व्यवस्था की गई है।

(iii) विभिन्न समुदायों के बीच सत्ता का विभाजन - प्रत्येक लोकतांत्रिक देश -प्रायः, में अनेक जाति, धर्म, भाषा के लोग रहते हैं। ऐसे देशों में सत्ता का बँटवारा इस प्रकार किया जाता है कि अल्पसंख्यक और बहुसंख्यक समुदाय दोनों की सत्ता में साझेदारी हो सके। ऐसा इसलिए किया जाता है ताकि विभिन्न सामाजिक समूहों के बीच एकता कायम रह सके।

(iv) गैर-सरकारी संस्थाओं में सत्ता का विभाजन - प्रायः, प्रत्येक लोकतांत्रिक देश में गैर-सरकारी संस्थाएँ भी सत्ता में साझेदारी के लिए प्रयत्नशील रहती हैं। विभिन्न हित- समूह, दबाव समूह, संघ, संगठन इत्यादि इसके उदाहरण हैं। ये सत्ता में साझेदारी के लिए निरंतर प्रयासरत रहते हैं।

3. त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था से आप क्या समझते हैं? बिहार में इसका क्या स्वरूप है ?

उत्तर - अथवा, त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था के संबंध में 'बलवंत राय मेहता समिति' के सुझावों का उल्लेख करें। प्रजातांत्रिक विकेंद्रीकरण के सिद्धांत को ही मूर्तरूप देने के लिए भारत में 'पंचायती राज' की स्थापना की गई है। भारत में 'पंचायती राज' की स्थापना के उद्देश्य से ही भारत सरकार ने बलवंत राय मेहता की अध्यक्षता में एक कमिटी की नियुक्ति की थी। इस कमिटी ने निम्नलिखित सुझाव दिए ।

(i) सरकार को अपने कुछ कार्यों और उत्तरदायित्वों से मुक्त जाना चाहिए और उन्हें एक ऐसी संस्था को सौंप देना चाहिए, जिसके क्षेत्राधिकार के अंतर्गत विकास के सभी कार्यों की पूरी जिम्मेदारी रहे। सरकार सिर्फ इन संस्थाओं का पथप्रदर्शन और निरीक्षण करती रहे। सरकार को चाहिए कि वह अपने कार्यक्षेत्र को उच्च कोटि की योजनाओं तक ही सीमित रखे।

(ii) लोकतंत्र की आधारशिला को मजबूत बनाने के लिए राज्यों की उच्चतर इकाइयों (जैसे- प्रखंड, जिला) से ग्राम पंचायतों का अटूट संबंध हो । अतएव, प्रखंड और जिले में भी पंचायती राज व्यवस्था को अपनाना आवश्यक है।

(iii) प्रखंड स्तर पर एक निर्वाचित स्वायत्त शासन की संस्था की स्थापना की जाए जिसका नाम पंचायत समिति रखा जाए। इस पंचायत समिति का संगठन ग्राम पंचायतों द्वारा हो ।

PDFSARTHI.COM

(iv) जिला स्तर पर एक निर्वाचित स्वायत्त शासन की संस्था की स्थापना की जाए जिसका नाम जिला परिषद् रखा जाए। इस जिला परिषद् का संगठन पंचायत समितियों द्वारा हो ।

बिहार में भी त्रिस्तरीय पंचायती राज की स्थापना हो चुकी है। इसके लिए बिहार में 2006 में पंचायत राज अधिनियम पारित हुआ। वर्तमान में इस अधिनियम के अनुसार ही बिहार में ग्राम स्तर पर ग्राम पंचायत, प्रखंड स्तर पर पंचायत समिति और जिला स्तर पर जिला परिषद् का गठन किया गया है।

4. नगर पंचायत क्या है ?

उत्तर - ग्रामीण क्षेत्र और नगर क्षेत्र के बीच की श्रेणी में आनेवाले क्षेत्र के लिए नगर पंचायत के गठन का प्रावधान किया गया है। 74वें संविधान संशोधन अधिनियम के अंतर्गत नगर पंचायतों को स्थापित करने का अधिकार राज्य सरकार को दिया गया है। बिहार सरकार ने बिहार नगरपालिका अधिनियम, 2007 पारित कर नगर पंचायतों के गठन की व्यवस्था की है। इस अधिनियम के अनुसार, जिस शहर की जनसंख्या 12,000 से 40,000 के बीच हो तथा उस शहर के वयस्कों की तीन-चौथाई जनसंख्या कृषि से भिन्न कार्य में लगी हो, वहाँ नगर पंचायत की स्थापना की जाती है। नगर पंचायत के सदस्यों की न्यूनतम संख्या 10 और अधिकतम 25 हो सकती है। वार्डों के मतदाता प्रत्यक्ष ढंग से नगर पंचायत के सदस्यों का निर्वाचन पाँच वर्षों के लिए करते हैं। इसके निर्वाचित सदस्य अपने बीच से एक अध्यक्ष और एक उपाध्यक्ष को चुनते हैं। पंचायतों की भाँति नगर पंचायतों में भी अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़े वर्ग तथा महिलाओं के लिए आरक्षण की व्यवस्था की गई है।

अपने क्षेत्र के आर्थिक विकास और सामाजिक न्याय के लिए योजना तैयार करना, सड़कों और पुलों का निर्माण, जलापूर्ति, सफाई, जनस्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, जन्म-मृत्यु का निबंधन, कब्रगाहों और श्मशानों का रख-रखाव, प्रकाश की व्यवस्था, पार्क तथा अन्य सार्वजनिक सुविधाएँ उपलब्ध कराना नगर पंचायत के मुख्य कार्य हैं।

5. नगर परिषद् के कार्यों का वर्णन करें।

उत्तर - नगर परिषद् के 11 अनिवार्य एवं 6 ऐच्छिक कार्य हैं।

अनिवार्य कार्य - (i) नगर की सफाई, (ii) रोशनी का प्रबंध, (iii) पीने के पानी की व्यवस्था, (iv) सड़क निर्माण एवं मरम्मत, (v) नालियों की सफाई, (vi) प्राथमिक विद्यालयों की स्थापना, (vii) महामारी से बचाव एवं टीका

PDFSARTHI.COM

लगवाने का प्रबंध, (viii) अस्पताल खोलना, (ix) आग से सुरक्षा, (x) श्मशान घाट का प्रबंध और (xi) जन्म-मृत्यु का निबंधन

ऐच्छिक कार्य - (i) पर्यावरण सुरक्षा, (ii) गली-नाली का निर्माण, (iii) बसने योग्य भूमि का विकास, (iv) गरीबों के लिए गृह-निर्माण, (v) बिजली का प्रबंध एवं (vi) प्रदर्शनी लगाना

6. पंचायती राज प्रणाली क्या है? ग्राम पंचायत को और अधिक उपयोगी बनाने के लिए आपके क्या सुझाव हो सकते हैं ?

उत्तर - भारतीय संविधान द्वारा एक लोककल्याणकारी राज्य की स्थापना की गई है जिसका उद्देश्य एक निःस्वार्थ माता की तरह जनता की भलाई करना है। इस उद्देश्य से सरकार समाजवादी समाज की व्यवस्था कायम करके जनता के जीवन को सुखमय बनाने का प्रयास कर रही है। अतः, राज्य के कार्यों में अत्यधिक वृद्धि हो गई है। सरकार विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत अनेक विकास कार्य चला रही है। प्रजातांत्रिक व्यवस्था में इसी कारण योजनाओं का सृजन प्रशासन के उच्चतम स्तर द्वारा किया जाता है, परंतु उसे कार्यान्वित करने की जिम्मेदारी जनता या उसके प्रतिनिधियों के ऊपर सौंपी जाती है। इस प्रकार, विकेंद्रीकरण का सिद्धांत अपनाया जाता है। इसी को प्रजातांत्रिक विकेंद्रीकरण कहा जाता है। इसे मूर्तरूप देने के लिए ही भारत में पंचायती राज प्रणाली शुरू की गई है। इस उद्देश्य से संविधान में 73वाँ संशोधन किया गया। इस संशोधन में कहा गया है कि ग्राम स्तर, मध्य स्तर (प्रखंड) तथा जिला स्तर पर पंचायतों का गठन किया जाएगा। प्रायः सभी राज्यों में इसका गठन हो चुका है।

ग्राम स्तर पर ग्राम पंचायतों का गठन किया गया है। पंचायती राज की यह सबसे बुनियादी संस्था है जिसे अधिक उपयोगी बनाकर ही पंचायती राज को सफल बनाया जा सकता है। इसे 'लोकतंत्र की पाठशाला' मानकर जनता में लोकतांत्रिक जागरूकता लाई जा सकती है। जनता को शासन के संचालन का प्रशिक्षण यहीं प्राप्त हो सकता है। और सरकारी कार्यों में उसकी दिलचस्पी बढ़ सकती है। अतः, ग्राम पंचायतों को और अधिक अधिकार देकर इसे अधिक उपयोगी बनाया जा सकता है। जनता को भी ग्राम पंचायत के सदस्यों और मुखिया को चुनते समय सावधानी बरतने की आवश्यकता है जिससे सही प्रतिनिधि ही ग्राम पंचायतों में निर्वाचित होकर आ सकें।

7. सत्ता की साझेदारी लोकतंत्र में क्या महत्त्व रखती है?

उत्तर - शासन की सभी प्रणालियों में सत्ता में भागीदारी की आवश्यकता महसूस की जाती है। वर्तमान लोकतांत्रिक युग में इसकी अनिवार्यता और बढ़ गई है। विशाल जनता जनार्दन की सत्ता में भागीदारी का तात्पर्य राज्य के मामले

PDFSARTHI.COM

में अधिकाधिक रुचि लेना है। सत्ता में भागीदारी राजनीतिक व्यवस्था को दृढ़ता प्रदान करती है। इससे राजनीतिक व्यवस्था में स्थायित्व बढ़ जाता है। सत्ता में भागीदारी नहीं होने से क्रांति की संभावना बढ़ जाती है। सत्ता में भागीदारी एक प्रकार से जनसमर्थन की कुंजी है। यही कारण है कि सभी प्रकार की शासन प्रणालियों में सरकार के पक्ष में जनसमर्थन जुटाने का प्रयास किया जाता है। देश की एकता और अखंडता के लिए यह अत्यंत आवश्यक है कि बहुसंख्यक समुदाय की इच्छा को शेष लोगों पर नहीं थोपा जाए। अतः, लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था का यह कर्तव्य होता है कि वह सत्ता के हित में अधिकाधिक जनता की सत्ता में भागीदारी सुनिश्चित करे।

स्पष्ट है कि सत्ता में भागीदारी की आवश्यकता दो महत्त्वपूर्ण कारणों से है-

(i) देश की एकता और अखंडता के लिए जिससे व्यवस्था में स्थायित्व बना रहे और

(ii) अधिक-से-अधिक लोगों तथा समूहों को शासन व्यवस्था से जोड़ने के लिए जिससे लोकतंत्र की जड़ें मजबूत हो सकें।

8. भाषा नीति क्या है ?

उत्तर - भारत विविधताओं वाला देश है। यहाँ धार्मिक, जातीय एवं क्षेत्रीय विविधताएँ तो हैं ही, भाषाई विविधताएँ भी वर्तमान हैं। यहाँ 22 भाषाएँ प्रमुखता से बोली जाती हैं जिन्हें भारत सरकार के द्वारा कार्यालयी भाषा के रूप में मान्यता दी गई है। इसके अलावा 114 भाषाएँ मान्यता प्राप्त करने की कतार में हैं।

विभिन्न भाषा-भाषी अपनी भाषाओं से जुड़े हैं। इन भाषाओं को वे अपनी पहचान का प्रतीक मानते हैं। यह सच है कि यहाँ हिंदी भाषा-भाषियों की संख्या सबसे अधिक 41.2 प्रतिशत है। परंतु, भारत के 28 में से 18 राज्य गैर-हिंदी भाषी राज्य हैं। हिंदी को 'राजभाषा' माना गया है। परंतु, इसे राष्ट्रभाषा के रूप में आजतक मान्यता नहीं मिली है। हिंदी के साथ-साथ अन्य 21 भाषाओं को भी मान्यता दी गई है। राज्य सरकारों को भी अपने-अपने राज्यों में अपनी भाषा के प्रयोग की स्वतंत्रता दी गई है। लोक सेवा आयोग की परीक्षा में भी मान्यता प्राप्त भाषाओं के प्रयोग की अनुमति दी गई है। अँगरेजी का प्रयोग सरकारी काम-काज में बना हुआ है। देश के संघीय स्वरूप को बनाए रखने के लिए हिंदी को राष्ट्रभाषा का दर्जा प्राप्त नहीं हो सका है। इस तरह, भारत की भाषा नीति के अंतर्गत विभिन्न भाषाओं को मान्यता प्राप्त है तथा हिंदी राजभाषा है।

9. नगर निगम के मुख्य कार्यों का वर्णन करें।

PDFSARTHI.COM

उत्तर - नगर निगम के निम्नांकित मुख्य कार्य हैं।

(i) नगर निगम क्षेत्र में पेशाबखानों, शौचालयों, नालियों आदि का निर्माण एवं उनकी देखभाल, (ii) सफाई का प्रबंध, (iii) पीने के पानी का प्रबंध, (iv) पुलों, गलियों, उद्यानों का निर्माण एवं सफाई, (v) चिकित्सालयों का प्रबंध एवं छुआछूत वाली बीमारियों की रोकथाम, (vi) प्राथमिक विद्यालयों, पुस्तकालयों, अजायबघरों की स्थापना एवं व्यवस्था, (vii) कल्याण-केंद्रों, मातृ-केंद्रों, शिशु-केंद्रों, वृद्धाश्रमों की स्थापना एवं प्रबंध, (viii) खतरनाक व्यापार की रोकथाम, (ix) दुग्धशाला की स्थापना, (x) आग बुझाना, (xi) मनोरंजन का प्रबंध, (xii) जन्म-मृत्यु निबंधन, (xiii) जनगणना, (xiv) बाजारों का निर्माण, (xv) नगर बससेवा का प्रबंध, (xvi) कब्रगाहों एवं श्मशानों की देखभाल, (xvii) गृह उद्योगों एवं सरकारी भंडारों की स्थापना करना

10. भारतीय संघीय व्यवस्था में एकात्मक व्यवस्था के लक्षणों को स्पष्ट करें।

उत्तर - भारतीय संघीय व्यवस्था में एकात्मक व्यवस्था के निम्नलिखित लक्षण मौजूद हैं।

(i) यहाँ शक्तिशाली केंद्रीय सरकार की स्थापना की गई है।

(ii) संविधान में शासन के सभी विषयों को तीन सूचियों में विभक्त किया गया है- संघ सूची (इसमें 97 विषय हैं, जो संघ सरकार के अंतर्गत हैं), राज्य सूची (इसमें 66 विषय हैं, जो राज्य सरकार के अंतर्गत हैं) और समवर्ती सूची (इसमें 47 विषय हैं, जिनपर संघ सरकार की प्राथमिकता और प्रधानता स्वीकार की गई है)। अवशिष्ट विषयों का अधिकार भी संघ सरकार को ही दिया गया है।

(iii) यहाँ दोहरी नागरिकता नहीं है, बल्कि एक ही नागरिकता है।

(iv) सभी राज्यों के लिए एक ही संविधान है और राज्य इस संविधान में संशोधन या परिवर्तन नहीं कर सकते हैं।

(v) संपूर्ण देश के लिए एक प्रकार की न्यायिक व्यवस्था है।

(vi) संकटकाल में संविधान एकात्मक हो जाता है। जोशी ने ठीक ही कहा है, "भारतीय संविधान की रचना साधारण काल में संघात्मक रूप में तथा संकटकाल में एकात्मक रूप में काम करने के लिए की गई है।"

(vii) संघ सरकार शक्तिशाली बनाई गई है। वह राज्य की सरकारों पर पर्याप्त नियंत्रण रखती है। राज्यों के सीमा परिवर्तन और उनके नामों में हेर-फेर करने का अधिकार भी संसद को ही दिया गया है।

PDFSARTHI.COM

इससे स्पष्ट है कि भारतीय संविधान का ढाँचा संघात्मक है, लेकिन इसमें एकात्मक व्यवस्था के भी अनेक महत्त्वपूर्ण लक्षण मौजूद हैं।

11. संघ सूची, राज्य सूची एवं समवर्ती सूची का संक्षेप में उल्लेख करें तथा प्रत्येक के दो-दो उदाहरण दें।

उत्तर - भारत में संघात्मक शासन को मूर्तरूप देने के लिए केंद्र और राज्यों के बीच शक्तियों का विभाजन कर दिया गया है। इस उद्देश्य से तीन सूचियाँ बनाई गई हैं- संघ सूची, राज्य सूची एवं समवर्ती सूची। संघ सूची में 97 विषय हैं जिनपर कानून बनाने का अधिकार संसद को है। विदेशी मामले और प्रतिरक्षा संघ सूची के दो महत्त्वपूर्ण विषय हैं। राष्ट्रीय महत्त्व के विषयों को संघ सूची में रखा गया है। राज्य सूची के विषयों की संख्या 66 है। इन विषयों पर कानून बनाने का अधिकार राज्य की विधायिका को दिया गया है। पुलिस और वाणिज्य राज्य सूची के दो महत्त्वपूर्ण विषय हैं। समवर्ती सूची के विषयों की संख्या 47 है। समवर्ती सूची पर संसद और राज्य की विधायिका दोनों को कानून बनाने का अधिकार है। परंतु, यदि एक ही विषय पर दोनों कानून बना दें, तो संसद द्वारा बने कानून को ही मान्यता दी जाती है। शिक्षा और वन समवर्ती सूची के विषय हैं। इस प्रकार, तीन सूचियाँ बनाकर सत्ता का विकेंद्रीकरण किया गया है। केंद्र एवं राज्य दोनों में से किसी को भी इन सूचियों में परिवर्तन करने तथा दूसरे के अधिकार-क्षेत्र का अतिक्रमण करने का अधिकार नहीं है। सत्ता के बँटवारे के इस प्रावधान में भी केंद्र अधिक लाभदायक स्थिति में है। संसद को निम्नलिखित परिस्थितियों में राज्य सूची के विषयों पर भी कानून बनाने का अधिकार प्राप्त हो जाता है।

(i) यदि राज्यसभा दो-तिहाई बहुमत से यह प्रस्ताव पास कर दे कि राज्य सूची का अमुक विषय राष्ट्रीय महत्त्व का है।

(ii) यदि संकटकाल की घोषणा हो जाए

(iii) यदि दो या दो से अधिक राज्य इसके लिए प्रार्थना करें

12. ग्राम पंचायत के प्रमुख अंगों का वर्णन करें।

उत्तर - ग्राम पंचायत, पंचायती राज व्यवस्था की प्राथमिक इकाई है। इसके निम्नलिखित प्रमुख अंग हैं।

PDFSARTHI.COM

(i) ग्राम सभा - गाँव के सभी वयस्क नागरिक ग्राम सभा के सदस्य होते हैं। ग्राम सभा की बैठक समय-समय पर होती रहती है। परंतु, तीन महीने में एक बार बैठक अवश्य होनी चाहिए। यह विकास कार्यक्रम एवं बजट पर विचार करती है।

(ii) मुखिया - ग्राम पंचायत का प्रधान मुखिया होता है। यह प्रत्यक्ष रूप से निर्वाचित होता है। ग्राम पंचायत की तरह इसका कार्यकाल पाँच वर्षों का होता है। यह ग्राम सभा एवं ग्राम पंचायत की बैठक बुलाता है तथा उसकी अध्यक्षता करता है।

(iii) उपमुखिया - ग्राम पंचायत के सभी चुने हुए सदस्य अपनी प्रथम बैठक में अपने में से एक उपमुखिया का चुनाव करते हैं। यह मुखिया की अनुपस्थिति में मुखिया के स्थान पर काम करता है।

(iv) पंचायत सचिव - यह सरकार द्वारा नियुक्त सरकारी कर्मचारी होता है। यह पंचायत कार्यालय के सचिव के रूप में काम करता है।

(v) ग्राम रक्षा दल - एक दलपति के नेतृत्त्व में गाँव के 18-30 वर्ष के युवकों की यह टीम गाँव में शांति-सुरक्षा बनाए रखने का काम करती है।

13. ग्राम पंचायत के कार्यों एवं शक्तियों का वर्णन करें।

उत्तर - बिहार पंचायत राज अधिनियम, 2006 के अंतर्गत ग्राम पंचायतों के कार्यों एवं शक्तियों की एक लंबी सूची दी गई है। ग्राम पंचायत के प्रमुख कार्य एवं शक्तियाँ निम्नलिखित हैं।

(i) पंचायत क्षेत्र के विकास के लिए वार्षिक योजना एवं बजट तैयार करना, सामुदायिक कार्यों में सहयोग करना, प्राकृतिक संकट में सहायता करना एवं आवश्यक आँकड़े रखना

(ii) कृषि, बागवानी, बंजर भूमि एवं चरागाह का विकास करना

(iii) पशुपालन के अंतर्गत पशु-नस्ल सुधार, पशुधन की वृद्धि, मत्स्यपालन, सूअरपालन, कुक्कुटपालन का प्रबंध

(iv) वनविकास, वृक्षारोपण, चारा विकास

PDFSARTHI.COM

(v) सार्वजनिक सेवा एवं सुविधा के अंतर्गत गृह-निर्माण, पेयजल की व्यवस्था, सड़क, नाली, पुलिया का निर्माण और सुरक्षा, सार्वजनिक स्थलों का विकास, शौचालयों, बाजार-मेले आदि का प्रबंध, ग्रामीण और कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देना

इनके अतिरिक्त (i) प्राथमिक शिक्षा की व्यवस्था एवं शिक्षा के प्रति जागरूकता, (ii) लोकस्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, (iii) सामाजिक कल्याण, महिला एवं बाल कल्याण, वृद्धावस्था पेंशन आदि कई कार्य ग्राम पंचायतों को दिए गए हैं।

2. सत्ता मे साझेदारी की कार्यप्रणाली

1. सत्ता में साझेदारी सही है क्योंकि -

(A) यह विविधता को अपने में समेट लेती है

(B) देश की एकता को कमजोर करती है

(C) फैसले लेने में अनावश्यक व्यवधान पैदा होता है

(D) विभिन्न समुदायों के बीच टकराव कम करती है।

Ans=A

2. यूरोपीय संघ का मुख्यालय कहाँ है ?

(A) पेरिस

(B) लंदन

(C) ब्रुसेल्स

(D) रोम

Ans=C

3. गठबंधन सरकार की पकड़ प्रशासन पर होती है

PDFSARTHI.COM

(A) मजबूत

(B) ढीली

(C) अति मजबूत

(D) कठोर

Ans=B

4. सरकार के एक ही स्तर पर सत्ता विभाजन को कहा जाता है -

(A) क्षैतिज वितरण

(B) उर्ध्वाधर वितरण

(C) मौलिक वितरण

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans=A

5. संघ राज्य की विशेषता नहीं है -

(A) लिखित संविधान

(B) शक्तियों का विभाजन

(C) इकहरी शासन-व्यवस्था

(D) सर्वोच्च न्यायपालिका

Ans=C

6. संघ सरकार का उदाहरण है -

(A) अमेरिका

PDF SARTHI.COM

(B) चीन

(C) ग्रेट ब्रिटेन

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans=A

7. निम्नलिखित में से कौन-से देश का संविधान अलिखित संविधान है?

(A) भारत का

(B) पाकिस्तान का

(C) कनाडा का

(D) ब्रिटेन का

Ans=D

8. ब्रिटेन एक राज्य है-

(A) संघात्मक

(B) एकात्मक

(C) A और B दोनों

(D) अध्यक्षात्मक

Ans=B

9. निम्नलिखित देशों में किस देश में संघात्मक शासन व्यवस्था नहीं है?

(A) भारत

(B) फ्रांस

PDF SARTHI.COM

(C) स्विटजरलैंड

(D) बेल्जियम

Ans=B

10. भारत में संविधान सभा का गठन कब हुआ?

(A) 1946

(B) 1947

(C) 1948

(D) 1949

Ans=A

11. इनमें किस राज्य को विशेष राज्य का दर्जा प्राप्त है?

(A) झारखण्ड

(B) पंजाब

(C) उत्तराखण्ड

(D) बिहार

Ans=C

12. अवशिष्ट अधिकार किसके पास होता है?

(A) केंद्र के पास

(B) राज्यों के पास

(C) नीति 'आयोग के पास

PDF SARTHI.COM

(D) कार्यपालिका के पास

Ans=A

13. समवर्ती सूची में रखा जाता है

(A) राज्य

(B) केंद्र एवं राज्य दोनों

(C) केंद्र

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans=B

14. निम्नलिखित में से कौन समवर्ती सूची का विषय है?

(A) सड़क

(B) पुलिस

(C) अणु शक्ति

(D) शिक्षा

Ans=D

15. भारत में राज्य पुनर्गठन आयोग की स्थापना कब हुई?

(A) 1953

(B) 1955

(C) 1956

(D) 1957

PDF SARTHI.COM

Ans=C

16. भारत की राष्ट्रीय पक्षी है-

(A) हंस

(B) मयूर

(C) तोता

(D) कबूतर

Ans=B

17. भारत में संघ एवं राज्यों के बीच अधिकारों का विभाजन कितनी सूचियों में हुआ है?

(A) एक

(B) चार

(C) तीन

(D) पाँच

Ans=C

18. भारत में संघ एवं राज्यों के बीच अधिकारों के विभाजन से संबंधित कौन-सी सूची है?

(A) संघ सूची

(B) राज्य सूची

(C) समवर्ती सूची

(D) इनमें सभी

Ans=D

PDFSARTHI.COM

19. भारत में किस प्रकार की शासन प्रणाली है?

(A) संघीय और अध्यक्षीय

(B) संघीय और संसदीय

(C) एकात्मक और अध्यक्षीय

(D) एकात्मक और संघीय

Ans=B

20. भारत में कितने राज्य हैं?

(A) 26

(B) 27

(C) 28

(D) 29

Ans=C

21. भारत में कितने केंद्रशासित राज्य हैं?

(A) 7

(B) 9

(C) 8

(D) 6

Ans=C

22. संविधान के अनुसार भारत है-

PDFSARTHI.COM

(A) संघात्मक राज्य

(B) राज्यों का संघ

(C) अर्द्धसंघात्मक राज्य

(D) इनमें कोई नहीं

Ans=B

23. निम्नलिखित में कौन संघीय शासन व्यवस्था का उद्देश्य नहीं है?

(A) राष्ट्रीय एकता

(B) अखण्डता

(C) सत्ता का विकेन्द्रीकरण

(D) सम्प्रदायिकता

Ans=D

24. भारत में सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति कौन करता है ?

(A) प्रधानमंत्री

(B) राष्ट्रपति

(C) संसद

(D) उपराष्ट्रपति

Ans=B

25. भारतीय संविधान के संघ सूची में कुल कितने विषय रखे गए हैं ?

(A) 97

PDF SARTHI.COM

(B) 66

(C) 47

(D) 20

Ans=A

26. सोवियत संघ का विघटन कब हुआ?

(A) 1969

(B) 1979

(C) 1989

(D) 1991

Ans=D

27. भारत में मतदाता होने के न्यूनतम आयु क्या है?

(A) 16 वर्ष

(B) 17 वर्ष

(C) 18 वर्ष

(D) 19 वर्ष

Ans=C

28. झारखंड राज्य का गठन कब हुआ?

(A) 1 नवंबर, 2000 को

(B) 9 नवंबर, 2000 को

PDF SARTHI.COM

(C) 15 नवंबर, 2000 को

(D) 15 नवंबर, 2001 को

Ans=C

29. निम्नलिखित में से कौन केन्द्र शासित प्रदेश है?

(A) उत्तराखंड

(B) छत्तीसगढ़

(C) चण्डीगढ़

(D) केरल

Ans=C

30. इसमें कौन राज्य की विशेषता नहीं है?

(A) जनसंख्या

(B) सरकार

(C) सम्प्रभुता

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans=C

31. भारत में संविधान के आठवीं सूची के अनुसार कितनी भाषा को मान्यता प्राप्त है?

(A) 16

(B) 20

(C) 22

PDF SARTHI.COM

(D) 25

Ans=C

32. भारतीय संविधान के किस अनुसूची में भाषाओं को रखा गया है?

(A) पाँचवीं

(B) पहली

(C) सातवीं

(D) आठवीं

Ans=D

33. भारतीय संविधान में किस शब्द का उल्लेख नहीं है?

(A) हम भारत के लोग

(B) फेडेरेशन

(C) मौलिक अधिकार

(D) मौलिक कर्तव्य

Ans=B

34. भारतीय संविधान में कितनी भाषाओं को अनुसूचित भाषा का दर्जा प्राप्त है?

(A) 10

(B) 22

(C) 25

(D) 100 से अधिक

PDF SARTHI.COM

Ans=B

35. भारत में 40 प्रतिशत से अधिक लोग कौन-सी भाषा बोलते हैं?

(A) बंगला

(B) हिन्दी

(C) मराठी

(D) उर्दू

Ans=B

36. पंचायती राज व्यवस्था सर्वप्रथम किस राज्य में लागू किया गया?

(A) राजस्थान

(B) बिहार

(C) उत्तराखंड

(D) मध्यप्रदेश

Ans=A

37. निम्न में से कौन पंचायती राज व्यवस्था का दूसरा स्तर है?

(A) ग्राम पंचायत

(B) जिला पंचायत

(C) पंचायत समिति

(D) नगर पालिका

Ans=C

PDFSARTHI.COM

38. ग्राम पंचायत की अध्यक्षता कौन करता है?

(A) प्रमुख

(B) मुखिया

(C) पंच

(D) सरपंच

Ans=A

39. बिहार में पंचायती राज संस्थाएँ हैं-

(A) एक स्तरीय

(B) दो स्तरीय

(C) तीन स्तरीय

(D) चार स्तरीय

Ans=C

40. बिहार पंचायत राज अधिनियम के अनुसार, ग्राम पंचायत की स्थापना के लिए आबादी का शर्त क्या है?

(A) 5,000

(B) 7,000

(C) 1,000

(D) 1,0000

Ans=B

41. पंचायती राज की शुरुआत कब हुई थी?

PDF SARTHI.COM

(A) 1952 ई० में

(B) 1949 ई० में

(C) 1955 ई० में

(D) 1956 ई० में

Ans=A

42. पंचायत सचिव किस संस्था का सचिव होता है?

(A) पंचायत समिति

(B) नगर पंचायत

(C) ग्राम पंचायत

(D) ग्राम कचहरी

Ans=C

43. ग्राम पंचायत का बजट कौन पास करता है?

(A) मुखिया

(B) पंचायत समिति

(C) जिला परिषद

(D) ग्रामसभा

Ans=D

44. जिला परिषद पंचायती राज व्यवस्था का कौन-सा स्तर है?

(A) पहला

PDF SARTHI.COM

(B) दूसरा

(C) तीसरा

(D) चौथा

Ans=C

45. सरपंच अधिकतम कितने रुपयों तक के मामलों की सुनवाई कर सकता है?

(A) 1 लाख रुपये

(B) 50,000 रुपये

(C) 10 हजार रुपये

(D) 20 हजार रुपये

Ans=C

46. पंचायती राज व्यवस्था किस प्रधानमंत्री के शासन काल में हुआ था?

(A) इंदिरा गाँधी

(B) पं० जवाहरलाल नेहरू

(C) लाल बहादुर शास्त्री

(D) इनमें से कोई नही

Ans=B

47. बिहार पंचायती राज अधिनियम कब बना?

(A) 2004 में

(B) 2005 में

PDF SARTHI.COM

(C) 2006 में

(D) 2007 में

Ans=C

48. नगर पंचायत में सदस्यों की संख्या होती है-

(A) 10 से 25 तक

(B) 20 से 25 तक

(C) 25 से 30 तक

(D) 30 से 35 तक

Ans=A

49. पंचायत समिति का पदेन सचिव कौन होता है ?

(A) मुखिया

(B) प्रमुख

(C) प्रखण्ड विकास पदाधिकारी

(D) सरपंच

Ans=C

50. बिहार में पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं के लिए कितनी सीटें आरक्षित हैं?

(A) 50%

(B) 25%

(C) 33%

PDFSARTHI.COM

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans=A

51. न्यायमित्र निम्नलिखित में किस संस्था का सेवक है?

(A) ग्राम कचहरी

(B) ग्राम सभा

(C) पंचायत समिति

(D) नगर पंचायत

Ans=A

52. भारत में कहाँ महिलाओं के लिए आरक्षण की व्यवस्था है?

(A) लोकसभा

(B) विधानसभा

(C) पंचायती राज व्यवस्था

(D) मंत्रिमंडल

Ans=C

53. ग्राम कचहरी का प्रधान कौन होता है?

(A) पंच

(B) सरपंच

(C) प्रमुख

(D) न्यायमित्र

PDF SARTHI.COM

Ans=B

54. राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस कब मनाया जाता है?

(A) 24 अप्रैल

(B) 20 अप्रैल

(C) 15 अप्रैल

(D) 17 अप्रैल

Ans=A

55. जिला परिषद का प्रधान कौन होता है?

(A) अध्यक्ष

(B) प्रमुख

(C) मुखिया

D) इनमें से कोई नहीं

Ans=A

56. भारत की किस संस्थाओं में महिलाओं के लिए आरक्षण का प्रावधान है?

(A) ग्राम पंचायत

(B) पंचायत समिति

(C) जिला परिषद

(D) इनमें सभी

Ans=D

PDFSARTHI.COM

57. कौन से संशोधन अधिनियम द्वारा सरकार का तीसरा स्तर बनाया गया था?

(A) 71वाँ संशोधन

(B) 73वाँ संशोधन

(C) 59वाँ संशोधन

(D) 64वाँ संशोधन

Ans=B

58. पटना नगर निगम की स्थापना कब हुई थी?

(A) 1950 ई० में

(B) 1951 ई० में

(C) 1952 ई० में

(D) 1949 ई० में

Ans=C

59. पटना नगर निगम में कितने वार्ड हैं?

(A) 72

(B) 75

(C) 49

(D) 45

Ans=B

60. जिला परिषद का कार्यकाल होता है-

PDFSARTHI.COM

(A) दो वर्ष

(B) दस वर्ष

(C) पाँच वर्ष

(D) एक वर्ष

Ans=C

61. निम्नलिखित में स्थानीय स्वशासन की ग्रामीण संस्था कौन है?

(A) नगर निगम

(B) नगर परिषद

(C) नगर पंचायत

(D) जिला परिषद

Ans=D

62. बिहार में कितनी आबादी पर पंचायत समिति का एक सदस्य चुना जाता है?

(A) 500

(B) 700

(C) 5,000

(D) 7,500

Ans=C

63. नगर निगम में नगर आयुक्तों की नियुक्ति कौन करता है?

(A) राज्य सरकार

PDF SARTHI.COM

(B) केन्द्र सरकार

(C) महापौर

(D) चुनाव के द्वारा

Ans=A

64. बिहार में नगर निगम की स्थापना होती है-

(A) दो लाख पर

(B) तीन लाख पर

(C) चार लाख पर

(D) पाँच लाख पर

Ans=B

65. कौटिल्य की पुस्तक है-

(A) धर्मशास्त्र

(B) नीतिशास्त्र

(C) अर्थशास्त्र

(D) इनमें कोई नहीं

Ans=C

66. प्रमुख का निर्वाचन कौन करता है?

(A) ग्राम सभा

(B) पंचायत समिति

PDF SARTHI.COM

(C) नगर पंचायत

(D) ग्राम कचहरी

Ans=B

67. बिहार में कुल नगर निगम की संख्या है।

(A) पाँच

(B) आठ

(C) सात

(D) बारह

Ans=D

68. किन धार्मिक पुस्तक/ पुस्तकों में स्थानीय स्वशासन की चर्चा है?

(A) महाभारत

(B) मनुस्मृति

(C) दोनों में

(D) किसी में भी नहीं

Ans=C

69. नगरपालिका के कार्य-क्षेत्र की चर्चा संविधान के किस अनुसूची में है?

(A) पाँचवीं

(B) आठवीं

(C) सातवीं

PDF SARTHI.COM

(D) बारहवीं

Ans=D

70. भारत में राष्ट्रीय स्तर पर पंचायती राज की स्थापना कब हुई?

(A) 1959

(B) 1969

(C) 1979

(D) 1989

Ans=A

71. बिहार में पंचायती राज का स्वरूप है-

(A) ग्राम पंचायत

(B) पंचायत समिति

(C) जिला परिषद्

(D) इनमें से सभी

Ans=D

72. निम्नलिखित में कौन पंचायत समिति का अंग है?

(A) पंचायत सेवक

(B) ग्राम सभा

(C) नगर पंचायत

(D) प्रमुख

PDF SARTHI.COM

Ans=D

73. पंचायत समिति का प्रधान कौन होता है?

(A) मुखिया

(B) सरपंच

(C) प्रमुख

(D) पंचायत सेवक

Ans=C

74. कितनी जनसंख्या वाले शहरों में नगर परिषद् का गठन किया जाता है?

(A) 20 हजार से अधिक

(B) 30 हजार से अधिक

(C) 40 हजार से अधिक

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans=C

75. ग्रामीण स्थानीय स्वशासन की इकाई इनमें कौन नहीं है?

(A) नगर परिषद्

(B) पंचायत समिति

(C) ग्राम पंचायत

(D) जिला परिषद्

Ans=A

PDFSARTHI.COM

76. भारत में सर्वप्रथम नगर निगम की स्थापना की गई-

(A) चेन्नई

(B) मुंबई

(C) कोलकाता

(D) दिल्ली

Ans=A

77. सत्ता का विकेन्द्रीकरण कब हुआ है?

(A) 1990 ई०

(B) 1991 ई०

(C) 1992 ई०

(D) 1993 ई०

Ans=C

78. किस विदेशी यात्री ने पाटलिपुत्र के नगरपालिका संगठन के विषय में लिखा है?

(A) इब्नबतूता

(B) मेगास्थनीज

(C) फाह्यान

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans=B

79. गाँव की सुरक्षा की किस पर होती है? जिम्मेवारी निम्नलिखित में से किस पर होती है ?

PDF SARTHI.COM

(A) सरपंच पर

(B) मुखिया पर

(C) वार्ड सदस्य पर

(D) दलपति पर

Ans=D

80. लिच्छवी बिहार के किस जिले में है?

(A) पटना

(B) नालंदा

(C) वैशाली

(D) भागलपुर

Ans=C

81. बिहार में पंचायती राज व्यवस्था का कार्यकाल है

(A) 4 वर्ष

(B) 5 वर्ष

(C) 6 वर्ष

(D) 7 वर्ष

Ans=B

82. पटना नगर निगम के प्रधान को क्या कहा जाता है?

(A) महापौर

PDF SARTHI.COM

(B) नगर प्रधान

(C) नगर सचिव

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans=A

83. बिहार दिवस कब मनाया जाता है?

(A) 20 जनवरी

(B) 22 मार्च

(C) 23 जून

(D) 25 अगस्त

Ans=B

84. बलवंत राय मेहता समिति का संबंध इनमें किससे है?

(A) केन्द्र-राज्य संबंध

(B) पंचायती राज व्यवस्था

(C) वित्तीय व्यवस्था

(D) संघीय व्यवस्था

Ans=B

85. भारत में महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था निम्नांकित में से किस संस्था में की गई है?

(A) लोक सभा

(B) राज्य सभा

PDF SARTHI.COM

(C) पंचायती राज व्यवस्था

(D) राज्य विधान सभा

Ans=C

86. ग्राम पंचायत का कार्यकाल कितने वर्ष का होता है?

(A) 4 वर्ष

(B) 5 वर्ष

(C) 6 वर्ष

(D) 2 वर्ष

Ans=B

87. बिहार में कितने जिले हैं ?

(A) 32

(B) 34

(C) 36

(D) 38

Ans=D

88. पंचायती राज संस्थाओं को संवैधानिक दर्जा किस संविधान संशोधन से प्राप्त हुआ?

(A) 72वाँ

(B) 73वाँ

(C) 74वाँ

PDF SARTHI.COM

(D) 75वाँ

Ans=B

89. इंडिका पुस्तक के लेखक कौन हैं?

(A) मेगास्थनीज

(B) कमल किशोर शर्मा

(C) एस०एम०सिंह

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans=A

90. स्थानीय शासन की शुरुआत किस राज्य से हुई ?

(A) बिहार

(B) गुजरात

(C) राजस्थान

(D) उत्तर प्रदेश

Ans=C

91. जिला परिषद् का एक सदस्य चुना जाता है ?

(A) 1 लाख पर

(B) 75 हजार पर

(C) 50 हजार पर

(D) 25 हजार पर

PDF SARTHI.COM

Ans=C

92. निम्नलिखित में से किस वर्ग में लोगों को पंचायती राज व्यवस्था में आरक्षण नहीं है?

(A) मुस्लिम वर्ग

(B) अनुसूचित जाति

(C) अनुसूचित जनजाति

(D) अत्यंत पिछड़ा वर्ग

Ans=A

93. पंचायत के चुनाव कौन करवाता है ?

(A) केंद्र सरकार

(B) जिला परिषद

(C) राज्य चुनाव आयोग

(D) राज्य सरकार

Ans=C

94. किस बात से स्पष्ट होता है की बिहार मे लोकतंत्र की जड़े गहरी हैं?

(A) साक्षरता की दर 61.8 प्रतिशत

(B) वैशाली का लिच्छवी गणतंत्र

(C) नालंदा का प्राचीन विश्वविद्यालय

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans=B

PDFSARTHI.COM

3. लोकतंत्र में प्रतिस्पर्द्धा एवं संघर्ष

1. लोकतांत्रिक शासन-प्रणाली में हित-समूहों की क्या भूमिका होती है?

उत्तर - लोकतांत्रिक शासन-प्रणाली में हित-समूहों की निम्नलिखित भूमिका होती है।

(i) सरकार को सचेत रखना - जब कभी सरकार जनता की उचित माँगों पर ध्यान नहीं देती है तब हित-समूह विविध तरीकों से जनता की उचित माँगों की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित कर एक सकारात्मक प्रभाव डालते हैं।

(ii) आंदोलन को सफल बनाना - लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था में अनेक तरह के जनआंदोलन चलते रहते हैं। ऐसे जनआंदोलनों में नारी सशक्तीकरण आंदोलन, नर्मदा बचाओ आंदोलन, शराब-विरोधी आंदोलन प्रमुख हैं। हित-समूह ऐसे आंदोलनों को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाते हैं।

(iii) राजनीतिक दलों को प्रभावित करना - हित-समूह अपने उद्देश्यों की पूर्ति के लिए राजनीतिक दलों को प्रभावित करते हैं, क्योंकि हित-समूहों एवं राजनीतिक दलों के बीच प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष संबंध रहता है।

2. लोकतंत्र में राजनीतिक दलों के सामने अंकों की चुनौतियाँ होती हैं। एक राजनीतिक दल के अध्यक्ष के रूप में आप इन चुनौतियों से कैसे निपटेंगे ?

उत्तर - राजनीतिक दलों का सबसे अधिक ध्यान निर्वाचन में अधिक-से-अधिक सीटों पर जीत प्राप्त करने पर रहता है। इसके लिए किसी राजनीतिक दल के अध्यक्ष को संगठनात्मक चुनाव, चुनाव में स्वच्छ छवि वालों को टिकट का आवंटन, युवाओं और

PDFSARTHI.COM

महिलाओं की अधिकाधिक भागीदारी, चुनाव के बाद नतीजों का सर्वेक्षण तथा अपने कार्यकर्ताओं की शिकायतें सुनने के लिए जनता दरबार लगाने की व्यवस्था करनी चाहिए।

3. जनसंघर्ष का अर्थ स्पष्ट करें।

उत्तर - जनता जब सरकार की कुछ निश्चित नीतियों अथवा निर्णयों के विरोधस्वरूप बड़े पैमाने पर अपनी माँगों को मनवाने के लिए संघर्ष करने लगती है तब उसे जनसंघर्ष अथवा जनआंदोलन कहा जाता है। इस प्रकार की स्थिति तब आती है जब जनता को यह आभास हो जाता है कि सरकार उनके हितों की अनदेखी कर रही है। इस प्रकार के जनसंघर्ष का उद्देश्य सत्तापक्ष से अपनी बातों को मनवाना या अपने हितों की रक्षा करना होता है। सामाजिक और राजनीतिक व्यवस्था में इस प्रकार की अनेक विकृतियाँ उत्पन्न होती रहती हैं। इन विकृतियों को दूर करने के उद्देश्य से जो जनसंघर्ष अथवा जनआंदोलन होते हैं उन्हें संघर्ष का सकारात्मक पक्ष कहा जाता है। परंतु, वर्तमान व्यवस्था के विरुद्ध अपनी असंतुष्टि या असहमति को संघर्ष के माध्यम से व्यक्त करना जनसंघर्ष का नकारात्मक पक्ष है।

4. लोकतंत्र को सफल बनाने राजनीतिक दलों की भूमिका पर प्रकाश डालें।

उत्तर - राजनीतिक दल ही लोकतंत्र के मुख्य आधार हैं। कहा भी जाता है कि लोकतंत्र के लिए राजनीतिक दल प्राण की तरह हैं। लोकतंत्र की सफलता राजनीतिक दलों की भूमिका पर ही निर्भर है। वे नागरिकों में राजनीतिक चेतना जगाते हैं, निर्वाचन में भाग लेते हैं तथा सरकार का गठन करते हैं। लोकतंत्र का दूसरा नाम प्रातिनिधिक सरकार है। जनप्रतिनिधियों का निर्वाचन राजनीतिक दलों के आधार पर भी होता है।

PDFSARTHI.COM

5. बिहार के किन्हीं तीन राज्यस्तरीय दलों के नाम बताएँ ।

उत्तर - देश के अन्य राज्यों की तरह बिहार राज्य में भी अनेक राज्यस्तरीय दल सक्रिय हैं। बिहार के राज्यस्तरीय दल निम्नलिखित हैं।

(i) जनता दल (यूनाइटेड) (ii) लोक जनशक्ति पार्टी तथा (iii) हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा

6. विपक्षी दल चार प्रमुख कार्यों का वर्णन करें। उत्तर- विपक्षी दल के चार प्रमुख कार्य निम्नलिखित हैं।

(i) सत्तारूढ़ दल पर नियंत्रण रखना, (ii) कानून निर्माण में सदन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाना, (iii) जनता की शिकायतों को सरकार के समक्ष रखना और (iv) सरकार के साथ सकारात्मक कदम उठाकर देश के विकास में सहायता करना तथा लोकतंत्र को सफल बनाना

7. राजनीतिक दलों के किन्हीं चार दोषों का वर्णन करें।

उत्तर - राजनीतिक दलों के चार दोष निम्नलिखित हैं।

(i) दलों द्वारा चुनाव के समय झूठे वादे कर जनता को गुमराह किया जाता है। (ii) दलों द्वारा अपने राजनीतिक उद्देश्यों की पूर्ति हेतु काले धन का प्रयोग किया जाता है। (iii) दलों द्वारा जातीयता एवं सांप्रदायिकता को प्रोत्साहित किया जाता है। (iv) इनमें अनुशासन एवं ठोस सिद्धांतों का अभाव पाया जाता है।

8. उदाहरणसहित राजनीतिक दल की विभिन्न पद्धतियों पर प्रकाश डालें।

PDFSARTHI.COM

उत्तर - सामान्यतः, तीन प्रकार की दल-पद्धतियाँ होती हैं- एकदलीय पद्धति, द्विदलीय पद्धति और बहुदलीय पद्धति । एकदलीय पद्धति उसे कहते हैं जहाँ एक ही दल को मान्यता प्राप्त रहती है और अन्य दलों के अस्तित्व को बरदाश्त नहीं किया जाता है। उदाहरण के लिए, चीन में एक ही दल - कम्युनिस्ट पार्टी - का अस्तित्व है। द्विदलीय पद्धति उसे कहते हैं जहाँ दो ही मुख्य राजनीतिक दल होते हैं। ब्रिटेन और अमेरिका इसके सर्वश्रेष्ठ उदाहरण हैं। ब्रिटेन में दो प्रमुख दल हैं- लेबर पार्टी एवं कंजरवेटिव पार्टी। अमेरिका में डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन दो ही मुख्य दल हैं। जिस देश में अनेक दलों का अस्तित्व बना रहता है उसे बहुदलीय पद्धति कहते हैं। फ्रांस और भारत जैसे देशों में बहुदलीय पद्धति है।

9. राजनीतिक दलों को प्रभावशाली बनाने के तीन उपाय संक्षेप में लिखें।

उत्तर - राजनीतिक दलों को प्रभावशाली बनाने के लिए निम्नांकित तीन उपाय किए जा सकते हैं।

(i) वंशवाद, जातिवाद, व्यक्तिपूजा जैसी बुराइयों से राजनीतिक दलों को परहेज और सादगी, व्यक्ति के गुण, ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा, लोकप्रियता जैसे गुणों को प्रतिष्ठित करना होगा।

(ii) सिद्धांतहीनता और अवसरवादी छवि से बाहर निकालने के लिए बुनियादी सिद्धांतों को प्रतिस्थापित करना होगा। इन सिद्धांतों के आधार पर कार्यक्रम निर्मित करना होगा।

PDFSARTHI.COM

(iii) दल के अंतर्गत आंतरिक लोकतंत्र की स्थापना करनी होगी। व्यक्तिपूजा की जगह व्यक्ति की निष्ठा और संगठनात्मक निर्वाचन की प्रक्रिया को मजबूत बनाकर ही राजनीतिक दल को प्रभावशाली बनाया जा सकता है।

10. राजनीतिक दल और हित-समूह में प्रधान अंतर क्या होता है?

उत्तर - राजनीतिक दल का मुख्य उद्देश्य सत्ता में परिवर्तन लाते हुए उसपर नियंत्रण करना होता है, जबकि हित-समूह का मुख्य लक्ष्य सत्ता पर नियंत्रण नहीं, बल्कि अपने उद्देश्यों तक ही सीमित होता है। विभिन्न पेशों में लगे हुए लोग; यथा-डॉक्टर, वकील, शिक्षक इत्यादि अपने-अपने हितों की रक्षा के लिए संघ का निर्माण करते हैं। इन समूहों को ही हित-समूह की संज्ञा दी जाती है।

11. दबाव-समूह से आप क्या समझते हैं?

उत्तर - दबाव-समूह ऐसे व्यक्तियों का समूह होता है जो कुछ विशेष लाभ के लिए आपस में बँधे होते हैं। उन्हीं समूहों को दबाव समूह कहा जा सकता है जिनमें संगठन है, जिनमें विशेष कार्यकर्ता होते हैं, जिनके सामाजिक एवं राजनीतिक उद्देश्य स्पष्ट रूप से सुनिश्चित होते हैं। दबाव समूह का अर्थ है- "यह कुछ व्यक्तियों का ऐसा समूह है, जो मान्य एवं सामान्य उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए सरकार से कुछ माँगें करके सामान्य नीतियों को प्रभावित करने का प्रयास करता है।"

12. दबाव समूह की विशेषताओं का वर्णन करें।

उत्तर - दबाव-समूह की निम्नांकित विशेषताएँ हैं।

PDFSARTHI.COM

(i) दबाव समूह द्वारा ही राजनीतिक पद्धति में मूल्यों के वितरण का काम संपन्न किया जाता है।

(ii) अपने हितों की रक्षा के लिए यह राजनीति में सक्रिय रूप से भाग लेता है। राजनीति में भाग लेते हुए भी यह अपने राजनीतिक स्वरूप को छिपाने का प्रयास करता है। यह अपना गैर-राजनीतिक स्वरूप उजागर करता है।

(iii) इसका चरित्र राजनीतिक दलों से भिन्न होता है। राजनीतिक दल एक बड़ा संगठन होता है, जिसके अपने निश्चित सिद्धांत और कार्यक्रम होते हैं। इसके विपरीत, दबाव समूह में सदस्य संख्या कम होती है और वह अपनी वफादारी एक दल से दूसरे दल में बदलता रहता है।

(iv) दबाव-समूह के कई रूप होते हैं; जैसे - वर्गीय दबाव समूह, लक्षीय दबाव समूह, संस्थागत दबाव समूह, गैर-संघीय दबाव समूह, संघीय दबाव समूह इत्यादि ।

13. दबाव समूह राजनीतिक दलों पर किस प्रकार प्रभाव डालते हैं?

उत्तर - यों तो दबाव समूह सीधे तौर पर सक्रिय राजनीति में हिस्सा नहीं लेते हैं, परंतु अपने क्रियाकलापों के माध्यम से ये राजनीतिक दलों को निरंतर प्रभावित करने का प्रयास करते हैं। प्रायः, प्रत्येक आंदोलन का एक राजनीतिक पक्ष होता है जिसके कारण दबाव समूह एवं राजनीतिक दलों के बीच प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष संबंध स्थापित हो जाता है। कभी-कभी ऐसी भी स्थिति देखी जाती है कि राजनीतिक दल ही सरकार को प्रभावित करने के उद्देश्य से दबाव समूहों का गठन कर डालते हैं। इस प्रकार के दबाव-समूह उस राजनीतिक दल की एक शाखा के रूप में कार्य करने लगते हैं। कभी-कभी तो किसी

PDFSARTHI.COM

उद्देश्य से गठित दबाव समूह ही राजनीतिक दल का रूप ग्रहण कर लेते हैं; जैसे - झारखंड मुक्ति मोर्चा, असम गण परिषद् आदि ।

14. राष्ट्रीय राजनीतिक दल किसे कहते हैं ?

उत्तर - निर्वाचन आयोग के द्वारा राजनीतिक दलों के स्तर का निर्धारण किया जाता है। इनमें कुछ राष्ट्रीय दल होते हैं। राष्ट्रीय दल के रूप में मान्यता प्राप्त करने के लिए कुछ शर्तें पूरी करनी पड़ती हैं।

(i) लोकसभा या विधानसभा चुनाव में चार या अधिक राज्यों में कुल डाले गए वैध मतों का 6 प्रतिशत मत प्राप्त करना आवश्यक है।

(ii) साथ ही, किसी राज्य अथवा राज्यों से लोकसभा में चार सीटों पर विजयी होना आवश्यक है। अथवा, लोकसभा में कम-से-कम तीन राज्यों से 2 प्रतिशत सीटें प्राप्त करना आवश्यक है।

15. बिहार में हुए 'छात्र आंदोलन' के प्रमुख कारण क्या थे?

उत्तर - 1971 के लोकसभा चुनाव के उपरांत लोगों ने महसूस किया कि केंद्र सरकार की गलत नीतियों के कारण देश की आर्थिक स्थिति और दयनीय हो गई है। 1971 में बांग्लादेश का निर्माण हुआ, परंतु बांग्लादेशी शरणार्थियों की समस्या ने इस स्थिति को और भी भयावह बना दिया। बेरोजगारी, खाद्यान्न का अभाव, दैनिक जीवन की सभी वस्तुओं की कीमतों में भारी वृद्धि हो गई । अनाज की कीमतें आसमान छूने लगीं। ऊपर से सरकार की दमनकारी नीतियों ने अधिनायकवादी व्यवस्था का रूप ले लिया। जनता की

PDFSARTHI.COM

बेचैनी दिनानुदिन बढ़ती चली गई। बिहार में इस अकुलाहट का प्रतिनिधित्व यहाँ के छात्रों ने किया। इन्हीं कारणों से बिहार में छात्र आंदोलन प्रारंभ हो गया। लोकनायक जयप्रकाश नारायण ने इस आंदोलन का नेतृत्व किया।

16. राजनीतिक दल को 'लोकतंत्र की रीढ़' क्यों कहा जाता है?

उत्तर - राजनीतिक दल को 'लोकतंत्र की रीढ़' इसलिए कहा जाता है, क्योंकि राजनीतिक दल के अभाव में हम लोकतंत्र की कल्पना भी नहीं कर सकते। चुनाव की घोषणा होने पर विभिन्न दल अपने-अपने उम्मीदवार खड़े करते हैं तथा चुनाव में जीत हासिल करनेवाली पार्टी सरकार का गठन करती है और शेष पार्टियाँ विपक्ष की भूमिका निभाती हैं। विपक्ष में रहनेवाली यही पार्टियाँ सरकार की गलत नीतियों की आलोचना करके जनता का ध्यान उनकी ओर आकृष्ट करती हैं। अतः, स्पष्ट है कि राजनीतिक दल 'लोकतंत्र की रीढ़ होते हैं।

लोकतंत्र में प्रतिस्पर्द्धा एवं संघर्ष

1. चिली में लोकतंत्र की वापसी के लिए हुए संघर्ष का वर्णन करें।

उत्तर - जब हम इतिहास के पन्नों को उलटते हैं तब हमें इस बात का ज्ञान हो जाता है कि लोकतंत्र की स्थापना के लिए अनेक देशों में जनांदोलन हुए हैं। दक्षिणी अमेरिका का एक देश है चिली चिली में लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था फल-फूल रही थी। वहाँ के तत्कालीन राष्ट्रपति आयेंदे की लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था में पूरी आस्था थी। परंतु, 11 सितंबर 1973 को वहाँ सैनिक शासन स्थापित हो गया और लोकतंत्र समाप्त हो गया। यहाँ तक कि आयेंदे की हत्या भी कर दी गई। शासन की बागडोर जनरल ऑगस्तो पिनोशे ने हथिया

PDFSARTHI.COM

ली। चिली 17 वर्षों तक सैनिक शासन से त्रस्त रहा। पिनोशे 17 वर्षों तक राष्ट्रपति पद पर बना रहा। जनता में अंदर-ही-अंदर सैनिक शासन के विरुद्ध आग सुलग रही थी। स्वाभाविक रूप से पिनोशे के सैनिक शासन का तो अंत होना ही था। पिनोशे को पूर्ण विश्वास था कि जनता उसके साथ है। इसी विश्वास से 1988 में उसने जनमत-संग्रह कराने का निर्णय लिया। उसे विश्वास था कि जनता उसके शासन को जारी रखने के पक्ष में मतदान करेगी ही। परंतु, पासा पलट गया। जनता तो पहले से ही मौके की तलाश कर रही थी। वह अपनी लोकतांत्रिक परंपरा को भला कैसे भूल सकती थी और जब सुनहरा अवसर मिला तो भला वह चूकती कैसे? चिली की जनता ने पिनोशे की सरकार को नकार दिया और देश ने लोकतंत्र की वापसी में सफलता प्राप्त कर ली। 2006 के जनवरी माह में पिनोशे सरकार की तानाशाही की शिकार समाजवादी नेता मिशेल बैशेले लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था की राष्ट्रपति निर्वाचित हो गई। यह लोकतंत्र में जनता की आस्था का द्योतक है।

2. आप किस तरह कह सकते हैं कि बिहार से शुरू हुआ छात्र आंदोलन का स्वरूप राष्ट्रीय हो गया?

2. आप किस तरह कह सकते हैं कि बिहार से शुरू हुआ छात्र आंदोलन का स्वरूप राष्ट्रीय हो गया ?

उत्तर - बेरोजगारी, खाद्यात्र की आसमान छूती कीमतें, खाद्यान्न का घोर अभाव, खाद्य तेल की किल्लत आदि ने महँगाई के बोझ को असहनीय बना दिया। 1972-73 में मानसून की असफलता से देश की आर्थिक स्थिति और भी गंभीर हो गई। सरकार की बढ़ती हुई

PDF SARTHI.COM

पाबंदियों ने जनता के असंतोष और आक्रोश को और भी बढ़ा दिया। सरकार की गलत नीतियों को इसके लिए उत्तरदायी मानकर जनता विरोध में खड़ी हो गई।

इस आक्रोश और विरोध की अभिव्यक्ति का प्रारंभ बिहार से हुआ। 1974 में बिहार के छात्रों ने इसे व्यापक छात्र आंदोलन का रूप दे दिया। इसी समय पटना के गाँधी मैदान में विशाल जनसमूह को जयप्रकाश नारायण ने संबोधित किया। छात्रों के आग्रह पर इस अहिंसक आंदोलन के नेतृत्व की बागडोर जयप्रकाश नारायण ने स्वीकार कर ली।

केंद्रीय स्तर पर काँग्रेस का विकल्प प्रस्तुत करने के लिए सभी गैर-काँग्रेसी दल एकजुट हो गए और जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में इस आंदोलन को राष्ट्रव्यापी स्वरूप प्राप्त हो गया।

3. नेपाल में लोकतंत्र की वापसी पर एक संक्षिप्त निबंध लिखिए।

उत्तर - भारतीय लोकतंत्र से प्रभावित होकर हमारा पड़ोसी देश नेपाल भी लोकतंत्र की डगर पर चल पड़ा। पहले वहाँ राजतंत्र था। सारी शक्ति राजा के हाथों में केंद्रित थी। वहाँ राजा को देवतातुल्य समझा जाता था। परंतु, आधुनिक विश्व में लोकतंत्र का बोलबाला है, भला नेपाल कब तक अपने को इससे अछूता रखता। वहाँ 1990 के दशक में लोकतंत्र कायम हुआ। इसके बावजूद राजा वीरेंद्र स्वयं औपचारिक रूप से राज्य के प्रधान बने रहे। परंतु, वास्तविक सत्ता जनता द्वारा निर्वाचित प्रतिनिधियों के पास थी। स्वयं राज्य का औपचारिक प्रधान बने रहने के बावजूद राजा वीरेंद्र ने वहाँ लोकतंत्र के लिए मार्ग प्रशस्त कर दिया था। परंतु, दुर्भाग्यवश शाही खानदान के एक रहस्यमय कत्लेआम में राजा वीरेंद्र की हत्या कर दी गई। इसके बाद ज्ञानेंद्र नेपाल के राजा बने। वे लोकतांत्रिक शासन के

PDFSARTHI.COM

खिलाफ थे। परिणामस्वरूप, उन्होंने 2002 में संसद को भंग कर पूर्ण राजशाही की घोषणा कर दी। उन्हें यह विश्वास था कि विभिन्न राजनीतिक दलों एवं उनके नेताओं में इतना मतभेद है कि यदि वे राजशाही के विरुद्ध संघर्ष करना भी चाहें तो उन्हें जनसमर्थन नहीं मिलेगा।

राजा ज्ञानेंद्र द्वारा राजशाही की घोषणा एवं निर्वाचित सरकार की बर्खास्तगी से नेपाली जनता एवं नेपाल के विभिन्न राजनीतिक दलों की बौखलाहट काफी बढ़ गई। परिणामस्वरूप, राजनीतिक दलों ने आपस में समझौता कर सात दलों का गठबंधन बनाया। बाद में चलकर माओवादी भी सात दलों के गठबंधन में शामिल हो गए। इस गठबंधन के नेतृत्व में लाखों की संख्या में जनता लोकतंत्र के समर्थन एवं राजशाही के विरोध में सड़कों पर उतर आई। 6 अप्रैल 2006 से नेपाली जनता लोकतंत्र की वापसी के लिए सघन रूप से जनसंघर्ष करने के लिए बाध्य हो गई। अंततः, द्वारा चलाए गए जनसंघर्ष के परिणामस्वरूप राजशाही को मुँह की खानी पड़ी और सात दलों के गठबंधन एवं जनता की जीत हुई। बाध्य होकर राजा ज्ञानेंद्र को 24 अप्रैल 2006 को संसद को पुनः बहाल कर सत्ता सात दलों के गठबंधन को सौंपने की घोषणा करनी पड़ी। 30 अप्रैल 2006 को गिरिजा प्रसाद कोइराला को नेपाल के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ दिलाई गई।

4. 'चिपको आंदोलन' क्या है ? अगर आपके आसपास के किसी पेड़ को कोई काटता है, तो आप क्या करेंगे?

उत्तर - 'चिपको आंदोलन' उत्तर प्रदेश (वर्तमान उत्तराखंड) के गढ़वाल में किया गया आंदोलन है। उत्तराखंड में वन विभाग के अधिकारियों ने व्यवसायियों को अपने व्यवसाय

PDFSARTHI.COM

के लिए वन के भूखंड आवंटित कर उन्हें पेड़ काटने की इजाजत दे दी थी, जबकि स्थानीय लोगों को ऐसा करने से मनाही कर दी गई थी। इसके विरोध में निकट के गाँव वालों ने आंदोलन कर दिया कि व्यावसायिक आधार पर पेड़ों की कटाई का कोई औचित्य नहीं है। इस आंदोलन को सफल बनाने के लिए ग्रामीणों (खासकर महिलाओं) ने एक अनूठा तरीका अपनाया। वे पेड़ों को काटने से पहले ही उनसे चिपक जाती थीं जिससे पेड़ की कटाई संभव नहीं हो सके। इसी कारण इस आंदोलन का नाम 'चिपको आंदोलन' पड़ा। इस आंदोलन में पेड़ों की कटाई को रोकने के साथ-साथ स्थानीय लोगों ने कृषि कार्य के औजार के निर्माण हेतु 'अंगू' नामक पेड़ की कटाई की इजाजत भी माँगी जिसे वन के अधिकारियों द्वारा अस्वीकृत कर दिया गया। इस आंदोलन में महिलाओं की भागीदारी बढ़ गई। स्थानीय लोगों ने इस आंदोलन को जनसंघर्ष का रूप दे दिया। फलस्वरूप, सरकार को झुकने के लिए बाध्य होना पड़ा। सरकार द्वारा 15 वर्षों के लिए हिमालयी क्षेत्रों में वनों की कटाई पर रोक लगा दी गई।

यदि हमारे आसपास भी कोई पेड़ों की कटाई का प्रयास करता है, तो पहले हम पेड़ों की उपयोगिता से उसे अवगत कराने का प्रयास करेंगे। फिर, कुछ लोग पेड़ों से चिपकने का प्रयास करेंगे जिससे उसकी कटाई में बाधा उपस्थित हो। इससे भी यदि बात नहीं बनती हो, तो संबंधित वन अधिकारी या उच्चाधिकारी से शिकायत कर कानूनन उसे रोकने का प्रयास करेंगे।

5. लोकतंत्र में जनसंघर्ष की उपयोगिता पर प्रकाश डालें।

उत्तर - लोकतंत्र में जनसंघर्ष की निम्नलिखित उपयोगिताएँ हैं।

PDFSARTHI.COM

(i) जनसंघर्ष लोकतंत्र की स्थापना के साथ-साथ उसकी पुनर्स्थापना में भी सहायक सिद्ध होता है। सत्ता पक्ष और सत्ता में साझेदारी के लिए प्रयासरत लोगों के बीच प्रतिस्पर्द्धा चलती रहती है। जनसंघर्ष के द्वारा लोकतंत्र में साझेदारी चाहनेवालों को सफलता भी मिल जाती है।

(ii) कुछ गिने-चुने सक्रिय लोगों या दलों की लामबंदी तथा उनके संगठित होने पर भी जनसंघर्षों को सफलता मिल जाती है।

(iii) जनसंघर्ष होने की स्थिति में अनेक संगठनों एवं राजनीतिक दलों की सक्रियता निश्चित रूप से बढ़ जाती है। विभिन्न हित-समूह एवं दबाव समूह संयुक्त रूप से जनसंघर्ष को सफल बनाने में कारगर भूमिका अदा करते हैं। लोकतंत्र में जनसंघर्ष की उपयोगिता तब और बढ़ जाती है जब इसमें राजनीतिक दल एवं दबाव-समूह की सहभागिता बढ़ जाती है। उदाहरण के लिए, नेपाल में लोकतंत्र की वापसी के लिए किए गए जनसंघर्ष में सात राजनीतिक दलों ने सक्रिय भूमिका निभाई जिसे नेपाल के अनेक दबाव समूहों का समर्थन मिला। म्यांमार में लोकतंत्र की वापसी के लिए चलाए गए व्यापक जनसंघर्ष में दबाव समूहों की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही। चिली में लोकतंत्र की वापसी के संघर्ष में राजनीतिक दल और दबाव-समूहों ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। 1974 में भारत में जो जनसंघर्ष हुआ, उसमें भी विभिन्न राजनीतिक दलों के साथ-साथ दबाव समूहों की भी सक्रियता थी। स्पष्ट है कि लोकतंत्र में जनसंघर्ष की उपयोगिता को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

6. राजनीतिक दल किस तरह सत्ता में साझेदारी करते हैं?

PDFSARTHI.COM

उत्तर - लोकतंत्र राजनीतिक दलों द्वारा क्रियान्वित होनेवाली शासन व्यवस्था है। ये सत्ता में सबसे प्रबल साझेदार होते हैं। इनकी सत्ता की साझेदारी में निम्नांकित भूमिका होती है।

(i) अपनी नीतियों एवं कार्यक्रमों के अनुरूप जनता का प्रशिक्षण एवं जनसमर्थन प्राप्त कर ये सत्ता के प्रमुख भागीदार बनते हैं।

(ii) राजनीतिक दल सत्ता के सशक्त दावेदार के रूप में निर्वाचन प्रक्रिया में भाग लेते हैं।

(iii) ये बहुमत प्राप्त कर सरकार का गठन करते और निर्णय-केंद्र के रूप में सरकार की समस्त शक्तियों का प्रयोग करते हैं।

(iv) विरोधी दल की भूमिका में ये सत्ता और सरकार की नीतियों एवं निर्णयों की आलोचना करते हैं। उसपर व्यापक बहस के लिए ये उसे जनता के बीच ले जाते हैं और सरकार पर दबाव डालते हैं।

(v) ये जनता और सरकार, नौकरशाही तथा जनता के बीच संपर्क का प्रमुख माध्यम बनकर राजनीतिक प्रक्रिया के भागीदार बने रहते हैं।

(vi) ये स्थानीय शासन के प्रतिनिधियों का समर्थन करके सहयोग के द्वारा भी स्थानीय राजनीतिक प्रक्रिया में भागीदारी करते हैं।

7. राजनीतिक दलों के गठबंधन से आप क्या समझते हैं? क्या गठबंधन समय की माँग है ?

उत्तर - जब चुनाव में किसी एक राजनीतिक दल के बहुमत में आने की संभावना नहीं दिखाई देती है तो ऐसी स्थिति में दो या दो से अधिक विभिन्न सिद्धांतों में विश्वास रखनेवाले

PDFSARTHI.COM

राजनीतिक दल गठबंधन बनाकर चुनाव लड़ने का निर्णय लेते हैं, तब उसे राजनीतिक दलों का गठबंधन कहा जाता है। उदाहरण के लिए, नवंबर 2010 में बिहार विधानसभा के चुनाव में जनता दल (यू) और भारतीय जनता पार्टी का गठबंधन चुनाव में सम्मिलित हुआ। कभी-कभी चुनाव में किसी एक दल के बहुमत नहीं आने पर सरकार के गठन के उद्देश्य से कुछ राजनीतिक दल आपसी गठबंधन करके सरकार चलाने का निर्णय लेते हैं। इसे गठबंधन की राजनीति कहते हैं।

भारत में गठबंधन की राजनीति अब समय की माँग बन गई है। अब कभी-कभी केंद्र में तथा कुछ राज्यों में कोई राजनीतिक दल अकेले सरकार बनाने की स्थिति में नहीं दिखाई देता है। 1977 के चुनावों के बाद से ही भारतीय राजनीति में एक राजनीतिक दल के वर्चस्व का दौर समाप्त हो गया है। 1991 में नरसिम्हा राव के नेतृत्व में काँग्रेस की सरकार अवश्य बनी। परंतु, उसे कामचलाऊ बहुमत प्राप्त था। इसी कारण सांसदों की खरीद-फरोख्त सबसे अधिक नरसिम्हा राव के शासनकाल में ही हुई। राजनीतिक दलों के गठबंधन का प्रचलन केंद्र के साथ-साथ राज्यों में भी फैल चुका है। राज्यों में भी एक राजनीतिक दल की सरकारों की संख्या घटती जा रही है। इस प्रकार, राजनीतिक दलों के गठबंधन की सरकार आज के समय की माँग है।

8. म्यांमार में लोकतंत्र की वापसी के लिए हुए जनसंघर्ष का वर्णन करें।

उत्तर - म्यांमार 1948 में औपनिवेशिक शासन से मुक्त हुआ और लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था स्थापित करने में सफल रहा। परंतु, 14 वर्षों के बाद 1962 में वहाँ सैनिक शासन की स्थापना हो गई। लंबे अंतराल के बाद 1990 में वहाँ निर्वाचन हुआ और आंग

PDFSARTHI.COM

सान सू ची के नेतृत्व वाली नेशनल लीग फॉर डेमोक्रेसी (एन०एल०डी०) नामक पार्टी को बहुमत मिला। लेकिन, वहाँ के सैनिक शासकों ने निर्वाचन को अस्वीकार करते हुए सत्ता छोड़ने से इनकार कर दिया और सू ची तथा उनके समर्थक नेताओं को जेल में डाल दिया। लोकतंत्र के समर्थकों को अनेक यातनाएँ दी गईं। परंतु, म्यांमार में लोकतंत्र की स्थापना के लिए जनसंघर्ष जारी रहा। सितंबर 2007 से लोकतंत्र के लिए जनसंघर्ष में और भी जोश आ गया। बौद्ध भिक्षुओं ने भी इस संघर्ष में सम्मिलित होकर लोकतंत्र के मार्ग को प्रशस्त किया। सैनिक शासकों के दमनचक्र की विश्व स्तर पर आलोचना हुई। परिणामस्वरूप, नवंबर 2010 में चुनाव हुआ जिसमें सेना समर्थित पार्टी को बहुमत मिला। 13 नवंबर 2010 को सू ची को आजाद कर दिया गया। इस प्रकार, म्यांमार में लोकतंत्र की वापसी के लिए सू ची के नेतृत्व में संघर्ष चलता रहा। सू ची ने कहा कि वह सैनिक शासन वाले अपने राष्ट्र में मानवाधिकार, विधि के शासन तथा सच्चे लोकतंत्र की स्थापना के लिए सतत प्रयत्नशील रहेंगी। लोकतंत्र की स्थापना के लिए वहाँ हो रहे संघर्ष के चलते ही सैनिक शासकों ने म्यांमार में चुनाव कराया। सूची का संघर्ष सफल रहा। सू ची की पार्टी को 2014 के निर्वाचन में भारी बहुमत मिला तथा वहाँ लोकतांत्रिक सरकार का गठन हुआ। नोबेल शांति पुरस्कार विजेता आंग सान सू ची की निर्वाचित सरकार का सेना ने फरवरी 2021 में तख्तापलट कर दिया। वहाँ की सैन्य अदालत ने उन्हें 30 दिसंबर 2022 को सात वर्ष के कारावास की सजा सुनाई है। विभिन्न मानवाधिकार संगठनों ने सैन्य अदालत के आरोपों को फर्जी करार दिया है। इन आरोपों के विरुद्ध वहाँ की जनता निरंतर संघर्ष कर रही है।

9. राजनीतिक दलों को 'लोकतंत्र का प्राण' क्यों कहा जाता है ?

PDFSARTHI.COM

उत्तर - लोकतंत्र में राजनीतिक दलों का महत्त्वपूर्ण स्थान होता है। सरकार के संचालन में ये महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। राजनीतिक दल चुनाव में भाग लेते हैं, अपने उम्मीदवार खड़े करते हैं तथा चुनाव में जीत हासिल करने पर सरकार का निर्माण करते हैं। ये दल लोकतांत्रिक देशों में जीवन का एक अंग बन चुके हैं। ये जनता को राजनीतिक प्रशिक्षण देते हैं। ये न केवल राजनीतिक कार्य करते हैं, बल्कि गैर-राजनीतिक कार्य भी करते हैं। बाढ़, सुखाड़, आगजनी, भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदाओं के दौरान ये जनता की सेवा कर सरकार को सहयोग प्रदान करते हैं। राजनीतिक दल जनता एवं सरकार के मध्य सेतु का भी कार्य करते हैं।

इसके साथ-ही-साथ विपक्ष में रहनेवाली पार्टियाँ सरकार की गलत नीतियों की आलोचना करके उचित मार्गदर्शन प्रदान करती हैं। अतः, स्पष्ट है कि राजनीतिक दलों के बिना हम लोकतंत्र की कल्पना कर ही नहीं सकते। यही कारण है कि राजनीतिक दलों को 'लोकतंत्र का प्राण' कहा जाता है।

10. राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय राजनीतिक दलों की मान्यता कौन प्रदान करता है और इसके मापदंड क्या हैं?

उत्तर - राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय दलों की मान्यता निर्वाचन आयोग द्वारा प्रदान किया जाता है। किसी भी दल को राष्ट्रीय दल कहलाने के लिए निम्नलिखित मानदंड आवश्यक हैं।

(i) लोकसभा या विधानसभा चुनाव में चार या अधिक राज्यों में कुल डाले गए वैध मतों का 6 प्रतिशत मत प्राप्त करना आवश्यक है।

PDF SARTHI.COM

(ii) साथ ही, किसी राज्य अथवा राज्यों से लोकसभा में चार सीटों पर विजयी होना आवश्यक है। अथवा, लोकसभा में कम-से-कम तीन राज्यों से 2 प्रतिशत सीटें प्राप्त करना आवश्यक है।

(iii) कम-से-कम चार राज्यों में राज्य पार्टी के रूप में मान्यता प्राप्त हो । किसी भी दल को राज्य स्तरीय दल कहलाने के लिए निम्नलिखित मापदंड आवश्यक हैं।

(i) विधानसभा की कुल सीटों में 3 प्रतिशत मत प्राप्त करना

(ii) लोकसभा चुनाव में न्यूनतम हर 25 सीट में 1 सीट पर जीत हासिल करना

(iii) कुल वैध मतों का 6 प्रतिशत प्राप्त करना

11. लोकतंत्र में विपक्षी दल की भूमिका का विवेचन करें।

उत्तर - संसदीय लोकतंत्र की सफलता की एक आवश्यक शर्त यह है कि एक संगठित विपक्षी दल अवश्य रहे। भारत का यह दुर्भाग्य रहा है कि ब्रिटेन और अमेरिका की तरह यहाँ ऐसा कोई विरोधी दल नहीं है जो अकेले अपनी सरकार बनाने में समर्थ हो सके। भारत में राजनीतिक दलों के ध्रुवीकरण की दिशा में कभी ठोस कदम नहीं उठाया जा सका। जयप्रकाश नारायण के प्रयास के फलस्वरूप 1977 के चुनाव के अवसर पर पहली बार विपक्ष ने जनता पार्टी के रूप में उभरकर सत्ता प्राप्त की। परंतु, कालांतर में इस दल ने भी अपने को एक गठबंधन सिद्ध कर दिया और बिखरकर पुनः कई दलों में विभक्त हो गया। प्रतिपक्षी एकता के प्रयास के फलस्वरूप 1983 में भारतीय जनता पार्टी और लोकदल द्वारा राष्ट्रीय लोकतांत्रिक मोर्चा तथा जनता पार्टी का काँग्रेस (स), लोकतांत्रिक

PDFSARTHI.COM

समाजवादी दल और राष्ट्रवादी काँग्रेस द्वारा गठित संयुक्त मोर्चा बना, परंतु यह काँग्रेस (इ) का विकल्प नहीं बन सका। कुछ हद तक चुनावी तालमेल में भले ही इन्हें सफलता मिली, परंतु भारतीय राजनीति में इनकी कोई स्पष्ट भूमिका देखने को नहीं मिल सकी।

1996 तक काँग्रेस (इ) पार्टी सशक्त बनी रही, परंतु 1996 के बाद लोकसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी एक सशक्त दल के रूप में उभरकर आई और काँग्रेस (इ) को विपक्ष की ही भूमिका निभाने के लिए बाध्य होना पड़ा। 2004 में परिस्थिति में हलका परिवर्तन हुआ और 2004 के लोकसभा चुनाव में सदन में सर्वाधिक स्थान पानेवाली पार्टी भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस ही रही। कई दलों को मिलाकर एक संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन बना और केंद्र में इसी गठबंधन की सरकार बनी। इस प्रकार आठ वर्षों के अंतराल के बाद काँग्रेस पुनः सत्तारूढ़ दल की श्रेणी में आ गई। भारतीय जनता पार्टी को लोकसभा में विपक्ष की भूमिका निभाने के लिए बाध्य होना पड़ा। 2014 एवं 2019 के लोकसभा चुनाव के बाद भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले गठबंधन (राजग) के सत्ता में आने के बाद कोई भी दल विरोधी दल का दर्जा पाने में असमर्थ रहा है।

12. राजनीतिक दल किस प्रकार राष्ट्रीय विकास में योगदान करते हैं ?

उत्तर - राजनीतिक दलों की जनता में व्यापक पहुँच होती है। ये सरकार में भी सहयोगी या विरोधी की भूमिका में होते हैं। इस रूप में ये सरकार और जनता के बीच कड़ी का काम करते हैं। जनता की इच्छा और भावना से सरकार को अवगत कराकर और सरकार के कार्यों की जानकारी जनता तक पहुँचाकर ये सरकार के प्रति जनसमर्थन और सहयोग

PDFSARTHI.COM

सुनिश्चित करते हैं। इससे राजनीतिक स्थिरता आती है और सरकार प्रभावशाली होती है जो किसी देश के विकास के लिए आवश्यक है।

राजनीतिक दल विकास की नीति के प्रति समर्थन और सहयोग तथा प्राथमिकताओं पर सहमति और विरोध में सामंजस्य स्थापित करते हैं। जनता में जागरूकता, एकता, विकास की चेतना उत्पन्न करना राजनीतिक दलों का दायित्व होता है। ये भारत जैसे देश में विविधताओं के बीच सामंजस्य स्थापित कर तथा विकास की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षण देकर राष्ट्रीय विकास में योगदान करते हैं।

13. राजनीतिक दलों के छह मुख्य कार्यों का वर्णन करें।

अथवा, राजनीतिक दलों के प्रमुख कार्य बताएँ ।

उत्तर - लोकतंत्र में राजनीतिक दल निम्नांकित छह महत्त्वपूर्ण कार्य करते हैं।

(i) जनता को शिक्षित करना - आज का राजनीतिक जीवन बहुत जटिल हो गया है। राजनीतिक मामलों में जनता को शिक्षित करने का काम राजनीतिक दल ही करते हैं। वे अपने कार्यक्रम, नीति और दृष्टिकोण जनता के सामने रखते हैं। इससे जनता को राजनीतिक शिक्षा मिलती है।

(ii) जनमत का निर्माण - राजनीतिक दल जनमत का भी निर्माण करते हैं। जनता के सामने अपने कार्यक्रम रखते हैं। इससे जनता देश की राजनीतिक समस्याओं पर अपना मत निश्चित कर पाती है। इस तरह, ठोस जनमत का निर्माण संभव होता है।

PDFSARTHI.COM

(iii) निर्वाचन में भाग लेना - राजनीतिक दलों का सबसे प्रमुख कार्य चुनाव में भाग लेना है। चुनाव लड़ने के लिए वे अपने उम्मीदवार खड़े करते हैं। जिस राजनीतिक दल के अधिक लोग निर्वाचित होकर आते हैं उसी की सरकार बनती है।

(iv) शासन चलाना - राजनीतिक दल देश के शासन में मुख्य रूप से भाग लेते हैं। जिस राजनीतिक दल की सरकार बनती है उसे सत्तारूढ़ दल कहा जाता है। सत्तारूढ़ दल की बैठक में ही सरकार की महत्त्वपूर्ण नीतियों का निर्धारण होता है।

(v) जनता और सरकार के बीच कड़ी का काम करना - ये जनता की माँगों एवं इच्छाओं को सरकार के सामने लाते हैं तथा उसे क्रियान्वित करवाते हैं। साथ ही, सरकार के कामों की जानकारी जनता तक पहुँचाकर दोनों के बीच कड़ी का काम करते हैं।

(vi) विरोधी दल के रूप में - ये विरोधी दल के रूप में सरकार की नीतियों एवं कार्यों की आलोचना करते हैं। गलत नीतियों का विरोध कर सरकार पर नियंत्रण रखते हैं।

PDF SARTHI.COM

3. लोकतंत्र मे प्रतिस्पर्धा एवं संघर्ष

1. भारतीय लोकतंत्र मे सत्ता के विरुद्ध जन आक्रोश किस दशक से प्रारंभ हुआ ?

(A) 1960 के दशक से

(B) 1970 के दशक से

(C) 1980 के दशक से

(D) 1990 के दशक से

Ans-B

2. 2011 में प्रष्टाचार के विरुद्ध आंदोलन का नेतृक किसने किया ?

(A) किरण बेदी

(B) अन्ना हजारे

(C) बाबा रामदेव

(D) स्वामी अग्निवेश

Ans-B

3. बिहार में संपूर्ण क्रांति का नेतृत्व निम्नांकित में किए 3 किया ?

(A) मोरारजी देसाई

(B) नीतीश कुमार

(C) इंदिरा गाँधी

(D) जयप्रकाश नारायण

Ans-D

4. बिहार में छात्र आंदोलन की शुरुआत करने वाले थे -

(A) महात्मा गाँधी

(B) पं० जवाहरलाल नेहरू

(C) जयप्रकाश नारायण

PDF SARTHI.COM

(D) इंदिरा गाँधी

Ans-C

5. इनमें से कौन बिहार के महान दलित नेता थे ?

(A) महेन्द्र सिंह टिकैत

(B) जगजीवन राम

(C) भीमराव अंबेदकर

(D) इनमें से कोई नही

Ans-B

6. चिपको आन्दोलन का प्रारम्भ किसके द्वारा किया गया था ?

(A) महिलाओं द्वारा

(B) छात्रों द्वारा

(C) मजदूरों द्वारा

(D) किसानों द्वारा

Ans-A

7. "चिपको आन्दोलन" निम्नलिखित में से किससे संबंधित है ?

(A) पेड़ बचाने से

(B) आर्थिक शोषण की मुक्ति से

(C) शराबखोरी के विरुद्ध आवाज से

(D) काँग्रेस पार्टी के विरोध से

PDF SARTHI.COM

Ans-A

8. चिपको आंदोलन का नेतृत्व निम्नलिखित में से किसने किया ?

(A) चंडी प्रसाद भट्ट

(B) सुन्दर लाल बहुगुणा

(C) महेन्द्र सिंह टिकेत

(D) हेमनन्दन बहुगुणा

Ans-B

9. चिपको आंदोलन' का क्या उद्देश्य था ?

(A) पर्यावरण की सुरक्षा

(B) नशाचंदी

(C) भंगी मुक्ति

(D) सुशासन

Ans-A

10. चिपको आंदोलन की शुरुआत किस राज्य से हुई ?

(A) उत्तराखंड से

(B) बिहार से

(C) मध्य प्रदेश से

(D) छत्तीसगढ़ से

Ans-A

PDFSARTHI.COM

11. भारतीय किसान दिवस कब मनाया जाता है ?

(A) 20 दिसम्बर

(B) 22 दिसम्बर

(C) 23 दिसम्बर

(D) 25 दिसम्बर

Ans-C

12. सोलहवीं लोकसभा का चुनाव किस वर्ष हुआ ?

(A) 2012

(B) 2013

(C) 2014

(D) 2015

Ans-C

13. डॉ मेधा पाटकर घनिष्ठ रूप से जुड़ी हैं

(A) गंगा बचाओ आन्दोलन से

(B) दून घाटी आन्दोलन से

(C) नर्मदा बचाओ आन्दोलन से

(D) साइलेन्ट घाटी आन्दोलन से

Ans-C

14. 'नर्मदा घाटी परियोजना' किन राज्यों से संबंधित है ?

PDFSARTHI.COM

(A) बिहार, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश

(B) तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक

(C) पं० बंगाल, उत्तर प्रदेश, पंजाब

(D) गुजरात, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश

Ans-D

15. 'ताड़ी विरोधी आंदोलन' निम्नलिखित में से किस प्रांत में शुरू किया गया ?

(A) बिहार

(B) उत्तर प्रदेश

(C) आंध्र प्रदेश

(D) तमिलनाडु

Ans-C

16. किस राज्य से हिन्दी को राष्ट्रभाषा बनाने के विरुद्ध आंदोलन की शुरुआत हुई ?

(A) तमिलनाडु

(B) केरल

(C) बिहार

(D) आंध्रप्रदेश

Ans-A

17. दलितवर्ग को समाज में एक गरिमापूर्ण स्थान दिलाने का प्रयास निम्नलिखित में से किसने किया ?

(A) डॉ० भीमराव अम्बेदकर

PDF SARTHI.COM

(B) महात्मा गाँधी

(C) जवाहरलाल नेहरू

(D) डॉ० राजेन्द्र प्रसाद

Ans-A

18. दलित पैंथर्स नामक संगठन का गठन किस राज्य में हुआ ?

(A) महाराष्ट्र

(B) कर्नाटक

(C) आँध्रप्रदेश

(D) मध्यप्रदेश

Ans-A

19. भारत में हुए 1977 के आम चुनाव में किस पार्टी को बहुमत मिला था

(A) काँग्रेस पार्टी को

(B) जनता पार्टी को

(C) कम्युनिस्ट पार्टी को

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans-B

20. 'नर्मदा बचाओं आंदोलन' संबंधित है -

(A) पर्यावरण

(B) शिक्षा

PDF SARTHI.COM

(C) भ्रमण

(D) उर्वरक

Ans-A

21. भारत में पहली बार केन्द्र में गैर-काँग्रेसी सरकार कब बनी ?

(A) 1975

(B) 1977

(C) 1989

(D) 1991

Ans-B

22. वर्ष 1975 भारतीय राजनीति में किस लिए जाना जाता है ?

(A) इस वर्ष आम चुनाव हुए थे

(B) श्रीमती इंदिरा गाँधी प्रधानमंत्री बनी थी

(C) देश के अंदर आपातकाल लागू हुआ था

(D) जनता पार्टी की सरकार बनी थी

Ans-C

23. लोकसभा में निर्वाचन हेतु कुल सीटों की संख्या है -

(A) 542

(B) 544

(C) 543

PDFSARTHI.COM

(D) 545

Ans-C

24. बिहार में जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में आन्दोलन कब हुआ ?

(A) 1972

(B) 1973

(C) 1974

(D) 1975

Ans-C

25. 'चिपको आन्दोलन' निम्नलिखित में से किससे संबंधित नहीं है ?

(A) अंगूर के पेड़ काटने की अनुमति से

(B) आर्थिक शोषण से मुक्ति से

(C) शराबखोरी के विरुद्ध आवाज से

D) काँग्रेस पार्टी के विरोध से

Ans-D

26. 'दलित पैंथर्स' के कार्यक्रम में निम्नलिखित में से कौन संबंधित नहीं है ?

(A) जाति प्रथा का उन्मूलन

(B) दलित सेना का गठन

(C) भूमिहीन गरीब किसान की उन्नति

(D) औद्योगिक मजदूरों का शोषण से मुक्ति

PDF SARTHI.COM

Ans-D

27. भारत में आपातकाल किस वर्ष लागू हुआ ?

(A) 1975

(B) 1977

(C) 1980

(D) 1982

Ans-A

28. राष्ट्रीय पुनर्वास नीति कब लागू की गयी थी ?

(A) 2003

(B) 2010

(C) 1995

(D) 1947

Ans-A

29. नर्मदा बचाओ आंदोलन का गठन कब किया गया ?

(A) 1985-86

(B) 1977-88

(C) 1988-89

(D) 1989-90

Ans-C

PDFSARTHI.COM

30. 1971 के आम चुनाव में कांग्रेस ने नारा दिया -

(A) भ्रष्टाचार मिटाओ

(B) गरीबी हटाओ

(C) जनसंघर्ष करो

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans-B

31. 'सूचना का अधिकार आंदोलन' की शुरुआत कहाँ से हुई ?

(A) राजस्थान

(B) दिल्ली

(C) तमिलनाडु

(D) बिहार

Ans-A

32. उस कानून का नाम बताएँ जो एक जन आंदोलन के द्वारा प्राप्त किया गया।

(A) सूचना का अधिकार कानून

(B) कम्पनी कानून

(C) उत्पाद कानून

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans-A

33. सम्पूर्ण क्रांति का क्या उद्देश्य था ?

PDFSARTHI.COM

(A) लोकतंत्र की स्थापना

(B) निर्वाचित सरकार को बदलना

(C) सैनिकतंत्र की स्थापना

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans-B

34. निम्नलिखित में कौन किसान यूनियन के नेता थे ?

(A) मोरारजी देसाई

(B) जय प्रकाश नारायण

(C) महेन्द्र सिंह टिकैत

(D) चौधरी चरण सिंह

Ans-C

35. किसके नेतृत्व में 1977 में जनता पार्टी की सरकार का गठन हुआ था ?

(A) मोरारजी देसाई

(B) कपूरी ठाकुर

(C) जगजीवन राम

(D) चंद्रशेखर

Ans-A

36. भारत ने गणतांत्रिक संविधान को कब अंगीकार किया ?

(A) 15 अगस्त, 1947

PDF SARTHI.COM

(B) 15 जनवरी, 1950

(C) 26 जनवरी, 1950

(D) 26 अगस्त, 1950

Ans-C

37. बोलीविया में जनसंघर्ष का मुख्य कारण था -

(A) पानी की कीमत में वृद्धि

(B) खाद्यान्न की कीमत में वृद्धि

(C) पेट्रोल की कीमत में वृद्धि

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans-A

38. किस वर्ष राजा ज्ञानेन्द्र के खिलाफ जन आन्दोलन को शुरुआत नेपाल में हुई थी ?

(A) 2000

(B) 2006

(C) 1998

(D) 2009

Ans-B

39. जलयुद्ध किस देश में हुआ था ?

(A) म्यांमार

(B) श्रीलंका

PDF SARTHI.COM

(C) भारत

(D) बोलिविया

Ans-D

40. श्रीलंका कब आजाद हुआ ?

(A) 1947 में

(B) 1948 में

(C) 1949 में

(D) 1950 में

Ans-B

41. म्यांमार का प्राचीन नाम क्या है ?

(A) थायलैंड

(B) बर्मा

(C) बोलिविया

(D) सिलोन

Ans-B

42. विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश कौन है ?

(A) अमेरिका

(B) चीन

(C) भारत

PDF SARTHI.COM

(D) कनाडा

Ans-C

43. आंग-सान-सू-की ने किस देश में लोकतंत्र की वापसी के लिए आंदोलन किया ?

(A) बोलिबिया

(B) भूटान

(C) म्यांमार

(D) चीन

Ans-A

44. बांग्लादेश कव स्वतंत्र हुआ ?

(A) 1969 ई०

(B) 1970 ई०

(C) 1971 ई०

(D) 1972 ई०

Ans-C

45. नेपाल में वर्तमान समय में किस प्रकार की शासन व्यवस्था है ?

(A) राजतंत्र

(B) सैनिक तानाशाही

(C) लोकतंत्र

(D) इनमें से कोई नहीं

PDF SARTHI.COM

Ans-C

46. नेपाल में लोकतंत्र की पुनः स्थापना कब हुई ?

(A) 2005

(B) 2006

(C) 2003

(D) 2010

Ans-B

47. नेपाल में सप्तदलीय गठबंधन का मुख्य उद्देश्य क्या है ?

(A) राजा को देश छोड़ने पर मजबूर करना

(B) लोकतंत्र की स्थापना करना

(C) भारत-नेपाल के बीच संबंधों को बेहतर बनाना

(D) सर्वदलीय सरकार की स्थापना करना

Ans-B

48. राजनीतिक दलों की नींव सर्वप्रथम किस देश में पड़ी ?

(A) ब्रिटेन में

(B) भारत में

(C) फ्रांस में

(D) संयुक्त राज्य अमेरिका में

Ans-A

PDFSARTHI.COM

49. किस देश में बहुदलीय व्यवस्था नहीं है ?

(A) पाकिस्तान

(B) भारत

(C) बांग्लादेश

(D) ब्रिटेन

Ans-D

50. राजनीतिक दल का आशय है -

(A) अफसरों के समूह से

(B) सेनाओं के समूह से

(C) व्यक्तियों के समूह से

(D) किसानों के समूह से

Ans-C

51. निम्नलिखित में से किसे 'लोकतंत्र का प्राण' कहा जाता है ?

(A) सरकार को

(B) न्यायपालिका को

(C) संविधान को

(D) राजनीतिक दल को

Ans-D

52. निम्नलिखित में से कौन-सा प्रमुख उद्देश्य प्रायः सभी राजनीतिक दलों का होता है ?

PDF SARTHI.COM

(A) सत्ता प्राप्त करना

(B) सरकारी पदों को प्राप्त करना

(C) चुनाव लड़ना

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans-A

53. निम्नलिखित में से कौन-सा विचार लोकतंत्र में राजनीतिक दलों से मेल नहीं खाता है ?

(A) राजनीतिक दल लोगों की भावनाओं एवं विचारों को जोड़कर सरकार के सामने रखता है।

(B) राजनीतिक दल देश में एकता और अखंडता स्थापित करने का साधन है।

(C) देश के विकास के लिए सरकारी नीतियों में राजनीतिक दल बाधा उत्पन्न करता है।

(D) राजनीतिक दल विभिन्न वर्गों, जातियों, धर्मों की समस्याएँ सरकार तक पहुँचाता है।

Ans-C

54. निम्नलिखित में से कौन-सा कार्य राजनीतिक दल नहीं करता है ?

(A) चुनाव लड़ना

(B) सरकार की आलोचना करना

(C) प्राकृतिक आपदा में राहत से

(D) अफसरों की बहाली संबंधित कार्य

Ans-D

55. ब्रिटेन में गौरवपूर्ण क्रांति कब हुई थी ?

(A) 1555

PDFSARTHI.COM

(B) 1688

(C) 1885

(D) 1795

Ans-B

56. इसमें किस देश में एकदलीय व्यवस्था है ?

(A) ब्रिटेन में

(B) भारत में

(C) चीन में

(D) अमेरिका में

Ans-C

57. नेतृत्व संकट राजनीतिक दल की एक प्रमुख है -

(A) समस्या

(B) विचारधारा

(C) चुनौती

(D) सिद्धान्त

Ans-C

58. लोकतांत्रिक व्यवस्था में प्रतिनिधि चुनने का अधिकार किसके पास है ?

(A) जनता

(B) विधायक

PDF SARTHI.COM

(C) सांसद

(D) ग्रामसभा

Ans-A

59. किसी भी देश में राजनीतिक स्थायित्व के लिए निम्नलिखित में से क्या नहीं आवश्यक है ?

(A) सभी दलों द्वारा सरकार को रचनात्मक सहयोग देना

(B) किसी भी ढंग से सरकार को अपदस्थ करना

(C) निर्णय प्रक्रिया में सरकार द्वारा सबकी सहमति लेना

(D) सरकार द्वारा विरोधी दलों को नजरबंद करना

Ans-D

60. निम्नलिखित में से कौन-सी चुनौती राजनीतिक दलों की नहीं है ?

(A) राजनीतिक दलों के भीतर समय पर सांगठनिक चुनाव नहीं होना

(B) राजनीतिक दलों में युवाओं और महिलाओं को उचित प्रतिनिधित्व नहीं मिलना

(C) राजनीतिक दलों द्वारा जनता की समस्याओं को सरकार के पास रखना

(D) विपरीत सिद्धांत रखनेवाले राजनीतिक दलों से गठबंधन करना

Ans-D

61. गठबंधन की सरकार बनाने की संभावना किस प्रकार की दलीय व्यवस्था में रहती है ?

(A) एकदलीय व्यवस्था

(B) द्विदलीय व्यवस्था

(C) बहुदलीय व्यवस्था

PDFSARTHI.COM

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans-C

62. निम्नलिखित में से कौन राजनीतिक दलों के लिए चुनौती नहीं है ?

(A) नेतृत्व का संकट

(B) आंतरिक लोकतंत्र का अभाव

(C) दल-बदल की राजनीति

(D) संविधान निर्माण

Ans-D

63. वर्तमान में भारत में कितने राष्ट्रीय राजनीतिक दल है ?

(A) 5

(B) 6

(C) 7

(D) 8

Ans-D

64. 1 जनवरी, 2015 को कौन-सी नई संस्था स्थापित की गई है ?

(A) नीति आयोग

(B) राज्य आयोग

(C) राष्ट्रीय आयोग

(D) राज्य परिषद्

PDF SARTHI.COM

Ans-A

65. दल-बदल कानून लागू होता है

(A) सांसदों एवं विधायकों पर

(B) उपराष्ट्रपति पर

(C) राष्ट्रपति पर

(D) इनमें से सभी

Ans-A

66. भारत की दल पद्धति की क्या विशेषता है ?

(A) द्विदलीय पद्धति

(B) बहुदलीय पद्धति

(C) साम्प्रदायिक दलों का अभाव

(D) क्षेत्रीय दलों का अभाव

Ans-B

67. भारतीय जनता पार्टी की स्थापना कब हुई ?

(A) 1979

(B) 1980

(C) 1981

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans-B

PDFSARTHI.COM

68. निम्न में से कौन राष्ट्रीय दल है ?

(A) जनता दल (यू)

(B) डी०एम०के०

(C) लोक जनशक्ति पार्टी

(D) भारतीय जनता पार्टी

Ans-D

69. राजनीतिक दलों की मान्यता और उसका चिन्ह किसके द्वारा प्रदान किया जाता है ?

(A) राष्ट्रपति

(B) प्रधानमंत्री

(C) निर्वाचन आयोग

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans-C

70. निम्नलिखित राजनीतिक दलों में कौन क्षेत्रीय दल है ?

(A) भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस

(B) भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी

(C) भारतीय जनता पार्टी

(D) तृणमूल काँग्रे

Ans-D

71. भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त की नियुक्ति कौन करता है ?

PDFSARTHI.COM

(A) प्रधानमंत्री

(B) राष्ट्रपति

(C) मंत्रिमंडल

(D) संसद

Ans-B

72. जनता दल यूनाइटेड नामक राजनीतिक दल का चुनाव चिन्ह क्या है ?

(A) लालटेन

(B) तीर

(C) बंगला

(D) कमाल का फूल

Ans-B

73. सम्प्रति केन्द्र में किसकी सरकार है ?

(A) यू०पी०ए०

(B) भारतीय जनता पार्टी

(C) एन०डी०ए०

(D) भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस

Ans-C

74. केन्द्र में जनता पार्टी को सरकार कब स्थापित हुई थी ?

(A) 1975

PDF SARTHI.COM

(B) 1976

(C) 1980

(D) 1977

Ans-D

75. 2014 की लोकसभा के चुनाव में किस दल को स्पष्ट बहुमत मिला ?

(A) भारतीय जनता पार्टी को

(B) भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस को

(C) जनता पार्टी को

(D) भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी को

Ans-A

76. भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस की स्थापना कब हुई थी ?

(A) 1885

(B) 1993

(C) 1795

(D) 1800

Ans-A

77. इनमें से राष्ट्रीय पार्टी कौन है ?

(A) भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस

(B) भारतीय जनता पार्टी

PDF SARTHI.COM

(C) जनता दल (यू)

(D) 'A' और 'B' दोनों

Ans-D

78. भारतीय जनता पार्टी के प्रथम अध्यक्ष कौन थे ?

(A) लालकृष्ण आडवाणी

(B) राजनाथ सिंह

(C) सावरकर

(D) अटल बिहारी वाजपेयी

Ans-D

79. 2015 के विधान सभा चुनाव मे बिहार मे किस दल ने सरकार बनाई ?

A) जनता दल (यू)

(B) राष्ट्रीय जनता दल

(C) काँग्रेस

(D) तीनों दल मिलाकर

Ans-D

80. भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस की स्थापना किसने किया ?

(A) पं० जवाहरलाल नेहरू

(B) महात्मा गाँधी

(C) श्रीमती इंदिरा गाँधी

PDF SARTHI.COM

(D) ए० ओ० ह्यूम

Ans-D

81. राजनीतिक दल को कौन-सा सदन कहते हैं ?

(A) उच्च सदन

(B) निम्न सदन

(C) तृतीय सदन

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans-C

82. निम्नलिखित में से कौन राष्ट्रीय दल नहीं है ?

(A) भारतीय काँग्रेस

(B) बहुजन समाज पार्टी

(C) लोक जनशक्ति पार्टी

(D) भारतीय जनता पार्टी

Ans-C

83. बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक कौन थे ?

(A) अम्बेडकर

(B) कांशीराम

(C) मायावती

(D) राम विलास पासवान

PDF SARTHI.COM

Ans-B

84. जनता दल युनाइटेड पार्टी का गठन कब हुआ ?

(A) 1992 ई०

(B) 1995 ई०

(C) 1999 ई०

(D) 2003 ई०

Ans-C

85. सत्रहवी लोकसभा का चुनाव किस वर्ष हुआ ?

(A) 2010 ई०

(B) 2014 ई०

(C) 2015 ई०

(D) 2019 ई०

Ans-D

86. 15 वीं लोकसभा में महिलाओं की कितनी भागीदारी थी ?

(A) 10.86 प्रतिशत

(B) 12.20 प्रतिशत

(C) 13 प्रतिशत

(D) 24 प्रतिशत

Ans-A

PDFSARTHI.COM

87. निम्न में से कौन क्षेत्रीय राजनीतिक दल है ?

(A) भारतीय जनता पार्टी

(B) भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस

(C) जनता दल (यूनाइटेड)

(D) भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी

Ans-C

88. निम्न में से कौन राष्ट्रीय दल नहीं है ?

(A) भारतीय जनता पार्टी

(B) भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस

(C) बहुजन समाज पार्टी

(D) राष्ट्रीय जनता दल

Ans-D

89. लोक जनशक्ति पार्टी का चुनाव चिह्न क्या है ?

(A) लालटेन

(B) तीर

(C) बंगला

(D) साइकिल

Ans-C

90. भारतीय जनता पार्टी का चुनाव चिन्ह क्या है ?

PDF SARTHI.COM

(A) हाथ का पंजा

(B) कमल का फूल

(C) गेंदा का फूल

(D) चक्र

Ans-B

91. निम्न में से कौन वामपंथी दल है ?

(A) सी०पी० आई

(B) मुस्लिम लीग

(C) समाजवादी पार्टी

(D) तृणमूल कांग्रेस

Ans-A

PDF SARTHI.COM

4. लोकतंत्र की उपलब्धियाँ

1. लोकतंत्र समानता तथा स्वतंत्रता पर आधृत शासन है। समानता और स्वतंत्रता को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - लोकतंत्र के दो मुख्य आधार निम्नलिखित हैं।

(i) समानता - लोकतंत्र समानता के सिद्धांत पर आधृत है। इसका अर्थ है-जाति, - धर्म, वर्ण, भाषा, प्रांत इत्यादि के आधार पर किसी प्रकार का भेदभाव नहीं किया जाए। कानून के समक्ष सभी व्यक्ति समान हैं।

(ii) स्वतंत्रता - लोकतंत्र के लिए स्वतंत्रता भी आवश्यक है। स्वतंत्रता का अर्थ है- नागरिकों को विचार व्यक्त करने, सभा करने, संगठन बनाने तथा मत देने की स्वतंत्रता प्राप्त रहे।

2. भारतीय लोकतंत्र के किन्हीं चार गुणों का वर्णन करें।

उत्तर - भारतीय लोकतंत्र के चार गुण निम्नलिखित हैं।

(i) भारतीय लोकतंत्र द्वारा कल्याणकारी राज्य की स्थापना की गई है जिसमें सबकी अधिकतम भलाई होती है। (ii) इससे जनता में राजनीतिक जागृति उत्पन्न होती है। (iii) भारतीय लोकतंत्र समानता का पोषक है। भारतीयों में जाति, वंश, रंग, धर्म, लिंग इत्यादि के आधार पर भेदभाव नहीं किया जाता है। कानून के समक्ष सभी नागरिक बराबर हैं। (iv) भारतीय लोकतंत्र में लोगों में राष्ट्रभक्ति की भावना विकसित होती है।

PDFSARTHI.COM

3. लोकतंत्र की सफलता की किन्हीं चार आवश्यक शर्तों का वर्णन करें। अथवा, लोकतंत्र की सफलता के लिए कौन-कौन-सी आवश्यक शर्तें हैं?

उत्तर - लोकतंत्र की सफलता की चार शर्तें निम्नलिखित हैं।

(i) लोकतंत्र में जनता की पूरी आस्था हो । (ii) सुशिक्षा, जिससे मनुष्य अपने अधिकार और कर्तव्य का सही ज्ञान प्राप्त कर सके। सुशिक्षित नागरिक ही अपने मताधिकार का सही प्रयोग कर सकते हैं। (iii) आर्थिक समानता की स्थापना हो। कहा भी जाता है कि आर्थिक समानता के अभाव में राजनीतिक स्वतंत्रता बेकार है। (iv) स्थानीय स्वशासन की स्थापना हो। इससे नागरिकों को राजनीति एवं शासन के कार्यों में भाग लेने का अधिक अवसर मिलता है।

4. लोकतंत्र किन स्थितियों में सामाजिक विषमताओं को कम करने में मददगार होता है और सामंजस्य के वातावरण का निर्माण करता है ?

उत्तर - लोकतंत्र में सामाजिक-आर्थिक विषमताएँ; जैसे – ऊँच-नीच, अमीर-गरीब, स्त्री-पुरुष आदि मौजूद रहती हैं। इनके बावजूद लोकतंत्र व्यक्ति को बराबरी का अधिकार देता है, विकास का समान अवसर देता है। कमजोर वर्ग को विकास के लिए आरक्षण और विशेष सहायता एवं सुविधा देकर विषमता को कम करने की कोशिश करता है। यह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता देकर आपसी संवाद कायम करता है। इससे समाज में पारस्परिक विश्वास एवं सामंजस्य उत्पन्न होता है।

5. भारत में किस तरह का लोकतंत्र है ? भारतीय लोकतंत्र के किन्हीं चार दुर्गुणों ' का वर्णन करें।

PDFSARTHI.COM

उत्तर - भारत में अप्रत्यक्ष लोकतंत्र है। इसमें जनता के चुने गए प्रतिनिधियों द्वारा शासन चलाया जाता है। भारतीय लोकतंत्र के निम्नलिखित चार दुर्गुण हैं।

(i) भारत में निरक्षरता अत्यधिक है। इसके कारण लोग लोकतंत्र का महत्त्व नहीं समझ पाते। (ii) व्यक्तिपूजा की प्रवृत्ति अब भी विद्यमान है। (iii) भारत में आर्थिक असमानता व्याप्त है जिससे लोकतंत्र का विकास अवरुद्ध हो जाता है। (iv) भारतीय लोकतंत्र में दलगत बुराइयाँ अत्यधिक हैं।

6. लोकतंत्र को तौलने अथवा मापनेवाली कसौटियों को संक्षेप में बताएँ।

उत्तर - लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था को तौलने अथवा मापने की अनेक कसौटियाँ होती हैं; यथा - निष्पक्ष एवं स्वतंत्र चुनाव आयोग, नियमित एवं समय पर चुनाव, जनता की सहभागिता, स्वतंत्र मीडिया द्वारा प्रमुख नीतियों एवं नए कानूनों पर स्वतंत्र एवं खुली चर्चा, शासन में पारदर्शिता, पर्यवेक्षकों की राय इत्यादि। इन कसौटियों पर सही उतरनेवाली सरकार को ही सच्चे अर्थों में लोकतांत्रिक सरकार की संज्ञा दी जा सकती है।

7. लोकतंत्र व्यक्ति की गरिमा में वृद्धि किस प्रकार करता है?

उत्तर - लोकतंत्र का सर्वोत्तम गुण यह है कि इसमें लोगों को गरिमा के साथ रहने का अवसर मिलता है। प्रत्येक नागरिक की यह हार्दिक इच्छा रहती है कि वह सम्मान के साथ जीवन व्यतीत करे। चूँकि लोकतंत्र में समानता के सिद्धांत का पोषण होता है, इसलिए इसमें नागरिकों के बीच किसी तरह का भेदभाव नहीं किया जाता है और सभी सम्मानपूर्ण जीवन बिताने में सक्षम हो पाते हैं। उल्लेखनीय है कि लोकतंत्र में पुरुषों की भाँति महिलाओं को भी सम्मानपूर्ण जीवन व्यतीत करने का अधिकार है। नारी सशक्तीकरण के

PDFSARTHI.COM

संदर्भ में महिलाओं को भी गरिमापूर्ण जीवन व्यतीत करने के अवसर उपलब्ध कराए जाने के उद्देश्य से सरकार द्वारा अनेक कदम उठाए जा रहे हैं।

8. लोकतंत्र एक वैध शासन है। कैसे ?

उत्तर - लोकतंत्र एक वैध शासन है। लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था में सभी निर्णय कानून और नियमों के अनुसार ही लिए जाते हैं। लोकतंत्र में ही नागरिकों को यह जानने का अधिकार प्राप्त रहता है कि किसी भी निर्णय में कानून एवं नियमों का पालन हुआ है या नहीं। यदि ऐसा नहीं हुआ, तो नागरिकों को उसका विरोध करने का भी अधिकार होता है। अन्य शासन व्यवस्थाओं में ऐसा नहीं होता। जनता को यह विचार करने का अधिकार नहीं होता कि उसके शासक ने सही निर्णय लिया है या नहीं। लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था में पारदर्शिता रहती है। इसके अंतर्गत नागरिकों को सूचना का अधिकार भी प्राप्त होता है। यही कारण है कि लोकतंत्र एक वैध शासन है।

9. लोकतंत्र को एक उत्तरदायी शासन व्यवस्था क्यों कहा जाता है ?

उत्तर - लोकतंत्र एक उत्तरदायी शासन व्यवस्था है। इसमें जनता ही शासकों का चयन करती है तथा उनपर नियंत्रण भी रखती है। इसके लिए यह आवश्यक है कि जनता की सत्ता में अधिक-से-अधिक भागीदारी हो । लोकतंत्र में ऐसी व्यवस्था की जाती है कि शासक जनता की आकांक्षाओं और आवश्यकताओं का ध्यान रखे। लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था में निर्णय लेने में भले ही देर हो, लेकिन गलत निर्णय की संभावना कम रहती है। इससे लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था और भी अधिक उत्तरदायी बन जाती है।

लोकतंत्र की उपलब्धियाँ

PDFSARTHI.COM

1. लोकतंत्र किस तरह आर्थिक संवृद्धि एवं विकास में सहायक बनता है ?

उत्तर - लोकतंत्र जनता के प्रति उत्तरदायी और जनसमस्याओं के प्रति संवेदनशील - शासन है। यह आर्थिक विषमता की जगह सामाजिक न्याय, शोषण से मुक्त एक सुखी, गरिमापूर्ण और अभावहीन जीवन को अपना लक्ष्य मानता है। आर्थिक संवृद्धि और चहुँमुखी विकास लोकतंत्र का लक्ष्य है। परंतु, आर्थिक संवृद्धि और विकास को लोकतंत्र नैतिक दृष्टि से भी देखता है।

केवल कुल राष्ट्रीय उत्पाद और प्रतिव्यक्ति आय में वृद्धि को लोकतंत्र आर्थिक संवृद्धि और विकास नहीं मानता है, बल्कि एक न्यायपूर्ण सामाजिक-आर्थिक जीवन एवं • गरिमापूर्ण जीवन की स्थिति प्रदान करना इसका लक्ष्य है। इसलिए, शोषण से मुक्ति, अधिकतम रोजगार का सृजन, अवसर की समानता, उत्पादन में वृद्धि, संसाधनों का न्यायपूर्ण वितरण, पूँजी के केंद्रीकरण को रोकना, आर्थिक समानता, राजनीतिक स्वतंत्रता और सांस्कृतिक सामंजस्य लोकतंत्र के उद्देश्य हैं। समावेशी विकास को लोकतंत्र ने अपने विकास का सिद्धांत बनाया है। अतः, गरिमापूर्ण आर्थिक संवृद्धि और समावेशी विकास की दिशा में लोकतंत्र तेजी से प्रगति कर रहा है।

2. भारतीय लोकतंत्र की किन्हीं चार विशेषताओं का वर्णन करें।

उत्तर - स्वतंत्रता-प्राप्ति के बाद भारत में लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था की स्थापना की गई। भारत का संविधान बना। संविधान की प्रस्तावना में स्पष्ट कहा गया है कि भारत एक लोकतांत्रिक गणराज्य होगा। भारतीय लोकतंत्र की निम्नलिखित चार विशेषताएँ हैं।

PDFSARTHI.COM

(i) वयस्क मताधिकार - भारत में अप्रत्यक्ष लोकतंत्र है जिसमें निर्वाचित प्रतिनिधियों द्वारा शासन संचालित होता है। इसके लिए स्वतंत्र एवं निष्पक्ष निर्वाचन की व्यवस्था की गई है। निर्वाचन द्वारा ही जनता अपने प्रतिनिधियों का चयन करती है। भारत में 18 वर्ष या उससे अधिक आयुवाले प्रत्येक स्त्री-पुरुष को बिना किसी भेदभाव के मताधिकार प्राप्त है।

(ii) संसदीय लोकतंत्र - भारतीय लोकतंत्र की दूसरी विशेषता है कि यहाँ संसदीय लोकतंत्र है। यद्यपि राष्ट्रपति कार्यपालिका का सर्वोच्च पदाधिकारी है तथापि वह नाममात्र का प्रधान है। वास्तविक कार्यपालिका शक्ति मंत्रिपरिषद् के हाथ में है जिसका प्रधान प्रधानमंत्री है। मंत्रिपरिषद् अपने कार्यों के लिए सामूहिक रूप से लोकसभा के प्रति उत्तरदायी है। इसी अर्थ में भारत में संसदीय लोकतंत्र है।

(iii) नागरिकों के मौलिक अधिकार - स्वतंत्रता एवं समानता के सिद्धांत पर ही लोकतंत्र आधृत है। इसी कारण भारत के नागरिकों को संविधान द्वारा मौलिक अधिकार दिए गए हैं और उनके संरक्षण का उत्तरदायित्व सर्वोच्च एवं उच्च न्यायालयों को सौंपा गया है।

(iv) स्वतंत्र न्यायपालिका - भारतीय लोकतंत्र की रक्षा के लिए एक स्वतंत्र एवं निष्पक्ष न्यायपालिका की व्यवस्था है। संविधान की रक्षा का भार सर्वोच्च न्यायालय पर सौंप दिया गया है।

3. व्यक्ति की गरिमा और स्वतंत्रता के प्रोत्साहन में लोकतांत्रिक व्यवस्था किसी अन्य शासन-प्रणाली से किस प्रकार अधिक श्रेष्ठ है? उपयुक्त उदाहरण के साथ व्याख्या करें।

उत्तर - आज सभी शासन-प्रणालियों में लोकतंत्र को सर्वोत्तम माना जा रहा है, क्योंकि इसमें जनमत को अत्यधिक महत्त्व दिया जाता है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में नागरिक सचेत

PDFSARTHI.COM

रहते हैं और उनमें राजनीतिक चेतना अधिक होती है। यह समानता, स्वतंत्रता और विश्वबंधुत्व पर आधृत है। लोकतांत्रिक शासन-प्रणाली में नागरिक गुणों का अधिक विकास होता है। अन्य शासन-प्रणालियों से लोकतांत्रिक व्यवस्था इस कारण भी श्रेष्ठ है कि इसमें व्यक्ति की गरिमा और स्वतंत्रता को प्रोत्साहित किया जाता है। इसे हम निम्नांकित रूप में स्पष्ट कर सकते हैं।

(i) **व्यक्ति की गरिमा में वृद्धि** - अन्य शासन-प्रणालियों की तुलना में लोकतंत्र नागरिकों को अधिक सम्मान देता है। इसमें नागरिकों के बीच किसी तरह का भेदभाव नहीं किया जाता है। इसमें निर्धन और अशिक्षित को भी वही दर्जा प्राप्त होता है जो धनी और शिक्षित को । लोकतंत्र में सर्वत्र समानता दिखाई पड़ती है।

(ii) **स्वतंत्रता को प्रोत्साहन** - लोकतांत्रिक व्यवस्था किसी अन्य शासन-प्रणाली से इसलिए भी श्रेष्ठ है कि इसमें स्वतंत्रता को प्रोत्साहन मिलता है। लोकतंत्र स्वतंत्रता का पोषक है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में इस बात का पूरा ध्यान रखा जाता है कि नागरिकों की स्वतंत्रता पर कोई आँच नहीं आए। इसमें नागरिकों को विचार करने, सभा करने, संगठन बनाने, मताधिकार का स्वतंत्रतापूर्वक उपयोग करने, सरकार की आलोचना करने और शासन में भाग लेने स्वतंत्रता मिलती है।

4. लोकतंत्र को सर्वोत्तम शासन-प्रणाली क्यों कहा गया है ? इसे तर्कों और तथ्यों से सिद्ध करें।

उत्तर - लोकतंत्र को सर्वोत्तम शासन-प्रणाली माना जाता है। इस बात की पुष्टि इन तथ्यों से होती है।

PDFSARTHI.COM

(i) जनमत का अत्यधिक महत्त्व - यह सर्वविदित है कि लोकतंत्र जनता का, जनता के द्वारा और जनता के लिए शासन है। स्वाभाविक है कि जनमत इसमें विशेष स्थान मिलना चाहिए। यह एक तथ्य है कि लोकतंत्र में जनता की सामान्य इच्छा के अनुसार ही शासन चलाया जाता है।

(ii) सचेत नागरिक - लोकतंत्र को सर्वोत्तम शासन-प्रणाली कहे जाने का दूसरा तथ्य यह है कि इसके नागरिक सचेत रहते हैं। नागरिकों के बीच राजनीतिक चेतना लोकतंत्र का सबसे बड़ा लक्षण है। जनता स्वयं सरकार बनाती है। स्वाभाविक है कि लोकतंत्र में जनता को शासन-कार्य और चुनाव में भाग लेने के अवसर प्राप्त होते हैं। इससे जनता की दिलचस्पी सार्वजनिक कार्यों में बढ़ जाती है। अतः, राजनीतिक चेतना जनता में अधिक हो जाती है।

(iii) समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व पर आधृत - लोकतंत्र के तीन मुख्य आधार माने जाते हैं- - समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व। लोकतंत्र में नागरिकों के बीच रंग, धर्म, वर्ण, जाति, भाषा, क्षेत्र इत्यादि के आधार पर कोई भेदभाव नहीं किया जाता। कानून के समक्ष सभी नागरिकों को समानता प्रदान की जाती है। प्रत्येक नागरिक को अनेक स्वतंत्रताएँ - भाषण की, सभा की, मतदान की- दी जाती हैं। लोकतंत्र में बंधुत्व की भावना भी बढ़ती है।

(iv) नागरिक गुणों का विकास - लोकतंत्र में नागरिकों को व्यक्तित्व के विकास के अधिक अवसर प्रदान किए जाते हैं। इससे लोगों में प्रेम, सहानुभूति, सेवा, स्वार्थत्याग, सहनशीलता जैसे नागरिक गुणों का विकास हो पाता है।

PDFSARTHI.COM

(v) **लोककल्याण का पोषक** - लोकतंत्र में राज्य का स्वरूप लोककल्याणकारी हो जाता है। सभी नागरिकों के कल्याण के लिए उचित कदम उठाए जाते हैं।

5. लोकतंत्र विविधताओं में सामंजस्य कैसे स्थापित करता है ?

उत्तर - लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था का सबसे बड़ा गुण है कि इसमें विविधताओं में सामंजस्य स्थापित करने की अदभुत क्षमता होती है। लोकतांत्रिक समाज में विभिन्न समूहों और वर्गों के लोग निवास करते हैं और उनमें टकराव होता रहता है। इन टकरावों में सामंजस्य स्थापित करने की क्षमता ही किसी शासन-पद्धति की सफलता का द्योतक है। जब इस आधार पर हम लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था का मूल्यांकन करते हैं तब उसमें यह क्षमता दिखाई पड़ती है। लोकतंत्र के अंतर्गत सभी तरह के लोग सद्भावपूर्ण एवं शांतिमय जीवन व्यतीत करते हैं। भेदभाव के बावजूद वे आपस में मिल-जुलकर रहते हैं। यदि टकराव होता भी है तो लोकतांत्रिक व्यवस्था उसे दूर करने में समर्थ हो जाती है। बेल्जियम की लोकतांत्रिक व्यवस्था में विभिन्न भाषा-भाषियों के टकराव को दूर करने के उद्देश्य से संविधान में प्रावधान किए गए हैं। भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था में भी विभिन्न धर्म, जाति तथा संप्रदाय के लोगों के लिए ऐसे कदम उठाए गए हैं जिससे लोग सद्भावपूर्ण सामाजिक जीवन व्यतीत कर सकें। इसके लिए आवश्यक है कि लोकतंत्र कुछ सावधानियाँ भी बरते। पहली सावधानी है कि लोकतंत्र को अल्पसंख्यकों के हितों का भी ध्यान रखना चाहिए तथा उनके कल्याण के लिए उचित कदम उठाने चाहिए। दूसरी सावधानी यह बरतनी चाहिए कि वंश, धर्म, धन, जन्म, संप्रदाय के आधार पर नागरिकों को सत्ता में भागीदारी से वंचित नहीं किया जाए। समाज में समरसता लाना लोकतंत्र का

PDFSARTHI.COM

उत्तरदायित्व है और इस उत्तरदायित्व से वंचित रहने पर लोकतंत्र का परिणाम कभी सुखद नहीं हो सकता।

6. लोकतंत्र कैसे एक उत्तरदायी एवं वैध सरकार का गठन करता है ?

उत्तर - लोकतंत्र एक उत्तरदायी एवं वैध सरकार का गठन करता है। लोकतंत्र में जनता ही शासकों का निर्वाचन करती है और उनपर नियंत्रण भी रखती है। उत्तरदायी रहकर काम नहीं करनेवाली सरकार को जनता अगले निर्वाचन में हटा देती है। इसलिए, प्रत्येक सरकार के लिए आवश्यक होता है कि वह जनता की समस्याओं का समाधान करे तथा जनता की इच्छा और भावना का आदर करे। शासक यह समझे कि जनता सरकार से क्या चाहती है, अन्यथा सरकार को अपदस्थ कर दिया जा सकता है।

लोकतंत्र एक वैध सरकार का गठन करता है। इसके समस्त निर्णय कानूनी प्रक्रिया से लिए जाते हैं। कार्यों के संपादन की भी निर्धारित प्रक्रिया होती है। इससे बाहर जाने और मनमानेपन पर न्यायपालिका की नजर होती है। जनता को विरोध करने की शक्ति होती है। इसलिए, लोकतंत्र में पारदर्शिता रहती है।

7. भारत में लोकतंत्र कैसे सफल हो सकता है ?

उत्तर - भारत में लोकतंत्र की सफलता के लिए निम्नांकित आवश्यक शर्तें हैं।

(i) जनता की जागरूकता - 'सजगता प्रजातंत्र का आधार' है। जनता की जागरूकता, सतर्कता तथा अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति अभिज्ञता इसकी सफलता की शर्तें हैं।

PDFSARTHI.COM

(ii) सामंजस्यपूर्ण सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक परिवेश - भारत में हर क्षेत्र में विषमता वर्तमान है। सामंजस्यपूर्ण समाज और सहमति-आधारित लोकतंत्र की स्थापना के लिए इन्हें दूर करना होगा।

(iii) अशिक्षा की समाप्ति और नागरिक गुणों का विकास - अशिक्षा की समाप्ति के बिना न तो प्रजातंत्र की कीमत समझी जा सकती है, न ही मताधिकार का सही प्रयोग संभव हो सकता है। शिक्षा के व्यापक प्रसार के द्वारा नागरिक गुणों का विकास किया जा सकता है।

(iv) लोकतांत्रिक गुणों का विकास - समानता, स्वतंत्रता और भ्रातृत्व जैसे सिद्धांतों की स्थापना करके लोकतंत्र के विकास के मार्ग की बाधाओं को दूर करना होगा।

(v) नैतिक मूल्यों की स्थापना - जीवन के हर क्षेत्र में नैतिक मूल्यों को प्रतिष्ठित कर लोकतंत्र को स्वार्थ, द्वेष और अन्य बुराइयों से मुक्त करना होगा।

(vi) अन्य शर्तें - निष्पक्ष प्रेस, सामाजिक-आर्थिक समानता, बेरोजगारी पर नियंत्रण तथा स्थानीय स्वशासन की व्यवस्था को और मजबूत बनाकर हम लोकतंत्र को सफल बना सकते हैं।

PDF SARTHI.COM

4. लोकतंत्र की उपलब्धियाँ

1. "लोकतंत्र जनता का , जनता के द्वारा और जनता के लिए शासन है।" यह कथन किसका है ?

(A) अरस्तु

(B) जार्ज वॉशिंगटन

(C) अब्राहम लिंकन

(D) लार्ड ब्राइस

Ans-C

2. लोकतंत्र का कौन-सा सही गुण नहीं है ?

(A) समानता का पोषक

(B) व्यक्ति की गरिमा में वृद्धि

(C) बहुसंख्यकों का शासन

(D) विभिन्नताओं में सामंजस्य की क्षमता

Ans-C

3. लोकतंत्र का सर्वोत्तम गुण क्या है?

(A) शिक्षा का अभाव

(B) जनसंख्या की अधिकता

(C) बहुदलीय पद्धति

(D) नागरिकों की गरिमा में वृद्धि

Ans-D

PDFSARTHI.COM

4. "भारत एक लोकतांत्रिक राज्य है।" निम्नलिखित में से किसमें यह घोषणा की गई है ?

(A) प्रस्तावना

(B) पाठ

(C) कानूनी पुस्तक

(D) नागरिक शास्त्र

Ans-A

5. भारत में किस तरह की लोकतंत्र की व्यवस्था की गई है ?

(A) प्रत्यक्ष

(B) अप्रत्यक्ष

(C) दोनों

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans-B

6. स्वतंत्र भारत में पहली बार राज्यों का पुनर्गठन किया गया ?

(A) 1950

(B) 1952

(C) 1954

(D) 1956

Ans-D

7. लोकतांत्रिक व्यवस्था की केन्द्र बिन्दु होती है -

PDF SARTHI.COM

(A) संसद

(B) राष्ट्रपति

(C) जनता

(D) प्रधानमंत्री

Ans-C

8. विश्व के लगभग कितने देशों में लोकतांत्रिक व्यवस्था है ?

(A) 50 देशों में

(B) 25 देशों में

(C) 100 देशों में

(D) 200 देशों में

Ans-C

9. लोकतंत्र की उपलब्धियों का सही मूल्यांकन किस प्रकार कर सकते हैं ?

(A) लोकतंत्र मूखों की सरकार

(B) समय और धन का अपव्यय

(C) विविधताओं का साम्राज्य

(D) एक उत्तरदायी शासन व्यवस्था

Ans-D

10. किस आधार पर लोकतंत्र को सर्वोत्तम शासन कहते है ?

(A) निर्णय में देर

PDFSARTHI.COM

(B) राष्ट्रीय भावना का अभाव

(C) राजनीतिक चेतना का अभाव

(D) जनमत पर आधृत

Ans-D

11. लोकतांत्रिक देशों में फैसले एवं निर्णय किसके द्वारा लिए जाते हैं ?

(A) अफसरों द्वारा

(B) जनप्रतिनिधियों द्वारा

(C) राजनीतिक नेताओं द्वारा

(D) बुद्धिजीवियों द्वारा

Ans-B

12. लोकतंत्र के बारे में कौन-सा कथन सत्य है ?

(A) जनता के मध्य टकराव का अभाव

(B) आर्थिक-असमानता का अभाव

(C) निर्णय में देरी परंतु सर्वोत्तम फैसले

(D) सामाजिक असमानता का अंत

Ans-C

13. एक उत्तरदायी एवं वैध शासन है -

(A) लोकतंत्र

(B) राजतंत्र

PDFSARTHI.COM

(C) सैनिकतंत्र

(D) तानाशाही

Ans-A

14. देश में निष्पक्ष चुनाव कराने की जिम्मेवारी किसके ऊपर है ?

(A) राष्ट्रपति

(B) प्रधानमंत्री

(C) चुनाव आयोग

(D) संसद

Ans-C

15. किस प्रकार की शासन व्यवस्था में फैसले लेने में विलंब होता है ?

(A) राजतंत्र

(B) लोकतंत्र

(C) तानाशाही

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans-C

16. सरकार का कौन-सा प्रकार सबसे अच्छा माना जाता है ?

(A) राजतंत्र

(B) लोकतंत्र

(C) अधिनायकवाद

PDF SARTHI.COM

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans-B

17. किस प्रकार की सरकार जनता के प्रति उत्तरदायी होती है ?

(A) तानाशाही

(B) राजशाही

(C) गैर-लोकतांत्रिक

(D) लोकतांत्रिक

Ans-D

18. निम्नांकित में कौन-सा कंदम लोकतांत्रिक सुधार का सूचक है ?

(A) अशिक्षा

(B) पंचायती राज

(C) सामाजिक असमानता

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans-B

19. इनमें से कौन-सी एक बात लोकतांत्रिक व्यवस्था के अनुरूप नहीं है ?

(A) कानून के समक्ष समानता

(B) स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव

(C) उत्तरदायी शासन व्यवस्था

(D) बहुसंख्यकों का शासन

PDF SARTHI.COM

Ans-D

20. लोकतंत्र के परिणामों का सही आधार है -

(A) लोकतंत्र : मूखों की सरकार

(B) समय और धन का अपव्यय

(C) विविधताओं का साम्राज्य

(D) एक उत्तरदायी शासन व्यवस्था

Ans-D

21. ..... देशों में सामाजिक विविधताओं के बीच सामंजस्य स्थापित होता है -

(A) लोकतांत्रिक

(B) गैर लोकतांत्रिक

(C) राजतांत्रिक

(D) पूँजीवादी

Ans-A

22. भारत की प्रमुख सामाजिक समस्या क्या है ?

A) जातिवाद

(B) भाषावाद

(C) सम्प्रदायवाद

(D) इनमें से सभी

Ans-D

PDFSARTHI.COM

23. निम्न में से कौन-सी एक बात लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं के अनुरूप नहीं है ?

(A) कानून के समक्ष समानता

(B) स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव

(C) उत्तरदायी शासन व्यवस्था

(D) बहुसंख्यकों का शासन

Ans-D

24. भारतीय लोकतंत्र है -

(A) एक सफल लोकतंत्र

(B) विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र

(C) दोनों (A एवं B)

(D) एक असफल लोकतंत्र

Ans-C

25. लोकतांत्रिक सरकारों का आधार है -

(A) बहुमत

(B) अल्पमत

(C) सैनिकवाद

(D) पूँजीवाद

Ans-A

26. 15वीं लोकसभा का चुनाव कब हुआ था ?

PDF SARTHI.COM

(A) 2007

(B) 2009

(C) 2005

(D) 2010

Ans-B

27. लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं ने निम्नांकित किन मुद्दे पर सफलता पाई है ?

(A) राजनीतिक असमानता को समाप्त कर दिया है

(B) लोगों के बीच टकरावों को समाप्त कर दिया है

(C) बहुमत समूह और अल्प समूह के साथ एक जैसा व्यवहार करता है

(D) समाज की आखिरी पंक्ति में खड़े लोगों के बीच आर्थिक पैमाना कम कर दिया है

Ans-A

28. लोकतंत्र की उपलब्धियों में सबसे अधिक सहायक क्या है ?

(A) निर्धनता

(B) अशिक्षा

(C) विषमता

(D) विकास

Ans-D

29. लोकतंत्र की सफलता निर्भर करती है -

(A) नागरिकों की उदासीनता पर

PDF SARTHI.COM

(B) नागरिकों की गैर-कानूनी कार्रवाई पर

(C) नागरिकों की विवेकपूर्ण सहभागिता पर

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans-C

30. लोकतंत्र की सफलता की एक आवश्यक शर्त क्या है ?

(A) शिक्षा

(B) स्वास्थ्य

(C) रोजगार

(D) लोकतंत्र में आस्था

Ans-D

31. निम्नलिखित में कौन लोकतंत्र की सफलता के लिए आवश्यक शर्त है ?

(A) साम्प्रदायिकता

(B) प्रेस की स्वतंत्रता

(C) विशेषाधिकार

(D) आर्थिक असमानता

Ans-B

32. निम्न में से कौन-सी स्थिति लोकतंत्र की सफलता के लिए सबसे आवश्यक है ?

(A) मजबूत जनमत

(B) निरक्षर नागरिक

PDF SARTHI.COM

(C) मजबूत सेंसर बोर्ड

(D) निर्यात्रत मीडिया और प्रेस

Ans-A

33. लोकतंत्र की सफलता निर्भर करती हैं।

(A) नागरिकों की उदासीनता पर

(B) नागरिकों की गैर-कानूनी कार्रवाई पर

(C) नागरिकों की विवेकपूर्ण सहभागिता पर

(D) नागरिकों द्वारा अपनी जाति के हितों की रक्षा पर

Ans-C

PDF SARTHI.COM

5. लोकतंत्र की चुनौतियाँ

1. क्या शिक्षा का अभाव लोकतंत्र के लिए चुनौती है ?

उत्तर - सजग एवं जागरूक जनता और प्रबुद्ध जनमत लोकतंत्र का रखवाला है। शिक्षित जनता ही राजनीति के प्रति सजग और अधिकारों के प्रति जागरूक हो सकती है। शिक्षित जनता ही प्रबुद्ध जनमत की अभिव्यक्ति कर सकती है। शिक्षा ही अधिकारों के प्रति जागरूक बनाती है। शिक्षा के अभाव में मतदाता अपने मताधिकार का सही प्रयोग नहीं कर पाते हैं। मताधिकार के दुरुपयोग से लोकतंत्र की नींव कमजोर होती है। शिक्षा का अभाव लोगों को सरकार के प्रति लापरवाह और उदासीन बना देता है। उन्हें सरकार के काम-काज में दिलचस्पी नहीं रहती है। अतः, अशिक्षा के अंधकार को मिटाना और शिक्षा का प्रसार करना लोकतंत्र की सफलता के लिए आवश्यक है।

2. भारतीय लोकतंत्र की समस्याओं को दूर करने के लिए उठाए गए किन्हीं चार कदमों का वर्णन करें।

उत्तर - भारतीय लोकतंत्र की समस्याओं को दूर करने के लिए उठाए गए चार कदम निम्नांकित हैं।

(i) निरक्षरता दूर करने के लिए सघन कार्यक्रम जारी है। भारत सरकार ने एक राष्ट्रीय शिक्षा नीति बनाई है। (ii) स्थानीय स्वशासन लोकतंत्र की सफलता के लिए आवश्यक है। स्थानीय स्वशासन से जनता को लोकतंत्र की समस्याओं की जानकारी मिल जाती है। पंचायती राज की स्थापना और भारतीय संविधान में स्थानीय स्वशासन को ठोस रूप देने का प्रावधान इसी दिशा में उठाए गए कदम हैं। (iii) नागरिकों में राजनीतिक सजगता

PDFSARTHI.COM

लाने के लिए भी प्रयास किए गए हैं। संचार के विभिन्न साधनों द्वारा उन्हें राजनीतिक रूप से सचेत किया जा रहा है। (iv) बेरोजगारों को रोजगार के नए-नए अवसर दिए जा रहे हैं।

3. लोकतांत्रिक सुधार क्यों आवश्यक हैं? वर्णन करें।

उत्तर - प्रत्येक लोकतांत्रिक व्यवस्था की कुछ कमजोरियाँ होती हैं। उदाहरण के लिए, चिली में लोकतांत्रिक सरकार है, लेकिन वहाँ कई संस्थाओं पर सेना का प्रभुत्व है। दक्षिण अफ्रीका में गोरे अल्पसंख्यकों को दी गई रियायतें वापस लेने का दबाव है। सऊदी अरब में महिलाओं को सार्वजनिक गतिविधियों में भाग लेने की मनाही है। बेल्जियम में डचभाषी तथा श्रीलंका में तमिल असंतुष्ट हैं। नेपाल तथा पाकिस्तान में बराबर राजनीतिक अस्थिरता की स्थिति बनी हुई रहती है। इन समस्याओं का निराकरण लोकतांत्रिक सुधारों से ही संभव है।

4. वंशवाद से आप क्या समझते हैं ?

उत्तर - भारतीय राजनीति में वंशवाद की परंपरा विकसित हो रही है। यहाँ के राजनीतिक दलों में नेतृत्व का संकट है। अधिकांश राजनीतिक दल ऐसे हैं जिनमें सर्वमान्य नेता का अभाव है। शीर्ष पदों पर आसीन अधिकांश नेता अपने सगे- संबंधियों, भाई-बंधुओं एवं मित्रों को दलों के प्रमुख पदों पर बैठाते हैं और यह सिलसिला लगभग निरंतर चलता रहता है। इसका परिणाम यह होता है कि दल के सामान्य एवं पुराने कार्यकर्ता को ऊपर के पदों पर बैठने की संभावना क्षीण हो जाती है। वे घोर निराशा में कभी-कभी उस दल से

PDFSARTHI.COM

पलायन कर जाते हैं। राजनीतिक दलों के समक्ष वंशवाद की समाप्ति एक प्रमुख चुनौती है।

लोकतंत्र की चुनौतियाँ

1. परिवारवाद और जातिवाद बिहार में किस तरह लोकतंत्र को प्रभावित करते हैं?

उत्तर - बिहार की राजनीति में जातिवाद और परिवारवाद एक स्थापित तथ्य बन गया है। 20वीं सदी के सातवें दशक में जातियाँ राजनीति की धुरी बनकर सामने आईं। जातियों को गोलबंद कर जातीय भावना फैलाई जाती है। इस भावना का इस्तेमाल कर राजनीतिक सत्ता की प्राप्ति की कोशिश की जाती है। जाति के आधार पर चुनाव में प्रत्याशी चुने जाते हैं। मंत्रिमंडल के गठन में जाति का विशेष रूप से ध्यान रखा जाता है। फलतः, बिहार की राजनीति जातियों के इर्द-गिर्द घूमती है।

परिवार के लोगों को आगे लाने की कोशिश में जाति का तत्त्व सहायक होता है। यह प्रवृत्ति राजनीति की छवि और लोकतंत्र की पारदर्शिता को प्रभावित करती है। सच्चाई तो यह है कि बिहार एवं भारत में जाति एवं राजनीति इस प्रकार घुले-मिले हैं कि इन दोनों को एक दूसरे से अलग रखकर देखा ही नहीं जा सकता। ये दोनों कारक परस्पर एक दूसरे को गहरे ढंग से प्रभावित करते हैं। प्रसिद्ध शिक्षाविद् डा० इकबाल नारायण एवं स्व० जगजीवन राम ने भी इस तथ्य को स्वीकार किया है कि परिवारवाद और जातिवाद को बिहार की राजनीति से अलग करके देखा ही नहीं जा सकता।

अंततः, यह कहा जा सकता है कि परिवारवाद एवं जातिवाद बिहार में लोकतंत्र को काफी हद तक प्रभावित करते हैं।

PDFSARTHI.COM

2. न्यायपालिका की भूमिका लोकतंत्र की चुनौती है। कैसे? इसे सुधारने के क्या उपाय हैं?

उत्तर - वर्तमान दौर में न्यायपालिका की भूमिका वास्तव में लोकतंत्र की चुनौती है। अनेक अवसरों पर ऐसा देखा गया है कि न्यायपालिका को कानून एवं विधि व्यवस्था के क्षेत्र में सक्रिय होना पड़ा है। और ऐसा तभी होता है जब विधायिका एवं कार्यपालिका अपने अधिकारों एवं दायित्वों के निर्वहन में विलंब, लापरवाही अथवा निष्क्रियता बरतते हैं। लाचार होकर कई बार न्यायपालिका ऐसी स्थिति में उन्हें फटकार लगाती है। अपराधी प्रवृत्ति के व्यक्तियों द्वारा चुनाव लड़े जाने पर रोक हेतु न्यायपालिका ने कई बार कड़े कदम उठाए हैं, जबकि अपराधी प्रवृत्ति के लोगों द्वारा राजनीति में प्रवेश करने के तरीके में सुधार हेतु कानून निर्माण का कार्य विधायिका को करना चाहिए तथा इसे लागू करने का कार्य कार्यपालिका को करना चाहिए।

विधायिका एवं कार्यपालिका को अपने अधिकार, कर्तव्य एवं उत्तरदायित्वों के प्रति सजग रहना होगा ताकि शासन का तीसरा अंग उनपर हावी न हो। जनहित याचिकाओं की बढ़ती तादाद के कारण भी न्यायपालिका के कार्यों में वृद्धि हुई है जिससे ऐसा प्रतीत होता है कि यह अपनी सीमा लाँघ रही है। अतः, स्पष्ट है कि न्यायपालिका की भूमिका लोकतंत्र की चुनौती है।

3. वर्तमान भारतीय राजनीति में लोकतंत्र के समक्ष कौन-कौन-सी चुनौतियाँ हैं? विवेचना करें।

उत्तर - भारतीय लोकतंत्र के समक्ष दो महत्त्वपूर्ण चुनौतियाँ हैं - लोकतंत्र के विस्तार की चुनौती एवं लोकतंत्र को सशक्त बनाने की चुनौती । लोकतंत्र के विस्तार की चुनौती का

PDFSARTHI.COM

अर्थ है कि सत्ता में साझेदारी को विस्तृत बनाया जाए। इसी उद्देश्य से भारतीय लोकतंत्र में विकेंद्रीकरण के सिद्धांत को अपनाया गया है। सरकार की सत्ता को कई स्तरों पर बाँट दिया जाता है- केंद्र, राज्य तथा स्थानीय स्वशासन की इकाइयाँ । भारतीय लोकतंत्र में सभी स्तर की संस्थाओं को लोकतांत्रिक बनाने की आवश्यकता है। सत्ता में साझेदारी को विस्तृत बनाने के लिए वंश, लिंग, जाति, धर्म, संप्रदाय, भाषा, स्थान आदि के आधार पर भेदभाव समाप्त करने की चुनौती है। इसके लिए भारत में अनेक प्रयास किए गए हैं। पंचायती राज की स्थापना की गई है। शासन कार्य में लोगों की दिलचस्पी पैदा की जा रही है। सत्ता में साझेदारी को विस्तृत करने के लिए पंचायती / नगरीय संस्थाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण दिया गया है। बिहार की पंचायती/नगरीय संस्थाओं में इस आरक्षण का प्रतिशत 50 कर दिया गया है। इसके बावजूद स्थानीय स्वशासन को और भी सशक्त बनाने की आवश्यकता है। इसके साथ-साथ विधानसभा और लोकसभा में भी महिलाओं के लिए स्थान आरक्षित करने की आवश्यकता है।

भारतीय लोकतंत्र के समक्ष दूसरी महत्त्वपूर्ण चुनौती लोकतंत्र को और अधिक सशक्त बनाने की है। लोकतंत्र का दूसरा नाम प्रातिनिधिक सरकार है। अतः, हमारे प्रतिनिधियों को उत्तरदायी एवं कुशल बनने की आवश्यकता है। इसके लिए उन्हें उत्तरदायित्व का पाठ पढ़ना आवश्यक है।

4. भारतीय लोकतंत्र के मार्ग में कौन-कौन-सी बाधाएँ हैं? सुधार हेतु आप क्या सुझाव देंगे ?

उत्तर - भारतीय लोकतंत्र के मार्ग में निम्नांकित बाधाएँ हैं।

PDFSARTHI.COM

(i) शिक्षा का अभाव - शिक्षा का अभाव भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी बाधा है। भारतीय समाज का एक बड़ा भाग आज भी अशिक्षित है। शिक्षा के अभाव में व्यक्ति अपने अधिकारों एवं कर्तव्यों को भली प्रकार समझ नहीं पाते। शिक्षा के द्वारा ही वे अपने आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक एवं विविध प्रकार के अधिकारों के प्रति सजग होंगे।

(ii) निर्धनता - यह भारतीय लोकतंत्र की दूसरी बड़ी बाधा है। यहाँ निर्धनता अपनी चरम सीमा पर है। जिन्हें भरपेट भोजन नहीं मिलता, वे भला वोट के महत्त्व को कैसे समझ पाएँगे? अतः, निर्धन लोगों के लिए चुनाव, मतदान एवं लोकतंत्र का कोई महत्त्व नहीं रह जाता।

(iii) आपसी भेदभाव - यहाँ की जनता के बीच जाति, धर्म, ऊँच-नीच आदि का गहरा भेदभाव है। यहाँ आए दिन कहीं न कहीं सांप्रदायिक हिंसा, लूटपाट एवं मारपीट की घटनाएँ घट रही हैं। इससे लोकतंत्र कमजोर होता है। यह लोकतंत्र की राह में बहुत बड़ी बाधा है।

(iv) जागरूकता का अभाव - भारत में नागरिक गुणों का नितांत अभाव है। आबादी का एक बहुत बड़ा भाग जहाँ गरीब एवं अशिक्षित है, वहाँ के लोगों में जागरूकता का अभाव होना स्वाभाविक है। यही कारण है कि वे अपने अधिकारों एवं कर्तव्यों को भलीभाँति नहीं समझ पाते हैं। यह लोकतंत्र की सबसे बड़ी बाधा है।

अतः, इन बाधाओं को दूर करके ही भारत में लोकतंत्र का विकास किया जा सकता है।

5. बिहार में लोकतंत्र के मार्ग की प्रमुख बाधाएँ कौन हैं?

PDFSARTHI.COM

उत्तर - बिहार भारतीय संघ का एक राज्य है और सत्ता में इसकी भी भागीदारी है। बिहार में लोकतांत्रिक व्यवस्था प्राचीनकाल में भी विद्यमान थी। बिहार के ही वैशाली जिले में लिच्छवी गणतंत्र फला-फूला। भारत की तरह बिहार का लोकतंत्र भी सफलता के मार्ग पर अग्रसर है। इसके बावजूद, बिहार में लोकतंत्र के मार्ग में अनेक बाधाएँ हैं और भारतीय लोकतंत्र की भाँति बिहार में भी लोकतंत्र को अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। शिक्षा की दृष्टि से सबसे पिछड़े राज्य बिहार में लोकतंत्र में विश्वास की कमी, नागरिक गुणों का अभाव, मताधिकार के प्रति उदासीनता, मूल्यविहीन राजनीति जैसी बाधाएँ लोकतंत्र के मार्ग में खड़ी हैं। जहाँ भारत की साक्षरता दर 73 प्रतिशत है, वहाँ बिहार की साक्षरता दर सिर्फ 61.8 प्रतिशत है। बिहार में लोकतंत्र की जड़ें गहरी हो सकें और इसके मार्ग की बाधाएँ दूर हो सकें, इसके लिए सबसे अधिक आवश्यकता बिहार को विकास के मार्ग पर आगे बढ़ाने की है। इसके लिए व्यक्तिगत स्वार्थ से ऊपर उठकर इसके विकास में भागीदार बनने की आवश्यकता है।

5. लोकतंत्र की चुनौतियाँ

1. मॉडर्न डेमोक्रेसि नामक पुस्तक के लेखक हैं

(A) लॉर्ड ब्राईस

(B) जे० एस० मील

(C) अब्राहम लिंकन

(D) गार्नर

Ans-A

PDFSARTHI.COM

2. 1789 में ..... क्रांति हुई।

(A) फ्रांसीसी

(B) गौरवपूर्ण

(C) औद्योगिक

(D) रूसी

Ans-A

3. किस देश ने स्वतंत्रता, समानता एवं बंधुत्व का नारा दिया ?

(A) इंग्लैंड

(B) अमेरिका

(C) फ्रांस

(D) स्विट्जरलैण्ड

Ans-D

4. विधि के शासन की शुरुआत किस देश से हुआ

(A) भारत

(B) अमेरिका

(C) फ्रांस

(D) इंग्लैंड

Ans-D

5. अरस्तू कहाँ के दार्शनिक थे ?

PDF SARTHI.COM

(A) कम्बोडिया

(B) यूनान

(C) थाइलैंड

(D) इन्डोनेशिया

Ans-B

6. उत्तरदायी सरकार का सिद्धान्त निम्न में से किस क्रांति की देन है ?

(A) गौरवपूर्ण क्रान्ति

(B) अमेरिकी क्रान्ति

(C) फ्रांसीसी क्रान्ति

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans-A

7. प्रत्यक्ष लोकतंत्र का देश कौन है ?

(A) स्विट्जरलैंड

(B) अमेरिका

(C) ब्रिटेन

(D) भारत

Ans-A

8. इंग्लैंड में विधि का शासन किसकी देन है ?

(A) हॉब्स

PDF SARTHI.COM

(B) डायसी

(C) लॉर्ड ब्राइस

(D) गार्नर

Ans-B

9. गौरवपूर्ण क्रांति कब हुई ?

(A) 1789 ई० में

(B) 1776 ई० में

(C) 1688 ई० में

(D) 1215 ई० में

Ans-C

10. नए सर्वेक्षण के आधार पर भारत वर्ष मैं मतदाताओ की संख्या है लगभग –

(A) 71 करोड़

(B) 75 करोड़

(C) 90 करोड़

(D) 81.40 करोड़

Ans-D

11. दुनिया के कितने हिस्से मे अभी तक लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था नहीं है ?

(A) आधे

(B) एक चौथाई

PDF SARTHI.COM

(C) एक तिहाई

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans-B

12. कैथोलिकों और प्रोटेस्टेंटो की धार्मिक कट्टरता ने हिंसक संघर्षों को कहाँ जन्म दिया ?

(A) जर्मनी

(B) उत्तरी आयरलैंड

(C) फ्रांस

(D) बेल्जियम

Ans-B

13. टोनी ब्लेयर किस देश के प्रधानमंत्री बने थे ?

(A) जर्मनी

(B) इंग्लैंड

(C) इजरायल

(D) फ्रांस

Ans-B

14. लोकतांत्रिक देशों में फैसले एवं निर्णय किसके द्वारा लिए जाते हैं ?

(A) व्यवसायियों द्वारा

(B) पदाधिकारियों द्वारा

(C) जनप्रतिनिधियों के द्वारा

PDF SARTHI.COM

(D) धार्मिक संगठनों के द्वारा

Ans-C

15. लोकतंत्र के सामने सबसे बड़ी चुनौती क्या है ?

(A) खाद्यान की व्यवस्था

(B) उच्च शिक्षा की व्यवस्था

(C) लोकतंत्र को सशक्त बनाना

(D) जनसंख्या पर नियंत्रण

Ans-C

16. इनमें से कौन एक लोकतांत्रिक समस्या नहीं है ?

(A) मुद्रा का अवैध आगमन

(B) राष्ट्रीय अखंडता

(C) आतंकवाद

(D) क्षेत्रवाद

Ans-B

17. इनमें किस देश में अप्रत्यक्ष लोकतंत्र है ?

(A) भारत

(B) अमेरिका

(C) इंग्लैंड

(D) इनमें सभी

PDF SARTHI.COM

Ans-D

18. वर्तमान में नेपाल की शासन प्रणाली क्या है ?

(A) लोकतंत्र

(B) राजतंत्र

(C) सैनिकतंत्र

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans-A

19. भारतीय लोकतंत्र के कितने अंग है ?

(A) दो

(B) तीन

(C) चार

(D) पाँच

Ans-B

20. वर्तमान में नेपाल की शासन प्रणाली है -

(A) राजशाही

(B) लोकतंत्रात्मक

(C) सैनिक तंत्र

(D) तानाशाही

Ans-B

PDFSARTHI.COM

21. किसी भी लोकतंत्र की सफलता में किसकी भूमिका एक सर्वमान्य सत्य है ?

(A) चुनाव आयोग

(B) प्रधानमंत्री

(C) स्वतंत्र और निष्पक्ष न्यायपालिका

(D) नीति आयोग

Ans-C

22. किसने कहा था - "कार्यपालिका में ऊर्जा होनी चाहिए तो विधायिका में दूरदर्शिता जबकि न्यायपालिका में सत्य के प्रति निष्ठा और संयम होना चाहिए।"

(A) जार्ज वाशिंगटन

(B) अब्राहम लिंकन

(C) जॉन एफ केनेडी

(D) अलेक्जेंडर हैमिल्टन

Ans-D

23. भारत में लोकतंत्र की चुनौती क्या है ?

(A) जातिवाद

(B) आतकवाद

(C) परिवारवाद

(D) इनमें सभी

Ans-D

PDFSARTHI.COM

24. निम्नलिखित में से कौन भारतीय लोकतंत्र की चुनौती नहीं है ?

(A) मुस्लीम भेदभाव को समाप्त करना

(B) संघ एवं इकाइयों के बीच टकराव

(C) सामाजिक भेदभाव

(D) मजबूरी की गठबंधन

Ans-A

25. आजकल लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ा चुनौती क्या है ?

(A) गरीबी

(B) अखण्डता

(C) भ्रष्टाचार

(D) शिक्षा का अभाव

Ans-C

26. भारत में लोकतंत्र के विकास के मार्ग में कौन-सी प्रमुख चुनौतियाँ है ?

(A) सामाजिक भेदभाव समाप्त करना

(B) आतंकवाद

(C) जातीय समस्या को समाप्त करना

(D) नागरिक अधिकार को लागू करना

Ans-A

27. लोकतंत्र के मार्ग की सबसे बड़ी बाधा क्या है ?

PDFSARTHI.COM

(A) लोकतंत्र में आस्था

(B) अशिक्षा

(C) सामाजिक समानता

(D) राजनीतिक जागृति

Ans-B

28. निम्न में से कौन एक सामाजिक कुरीतियों में शामिल नहीं है ?

(A) बाल मजदूरी

(B) नारी शोषण

(C) जातिवाद

(D) राष्ट्रीयता

Ans-D

29. पद्रहवें लोकसभा चुनाव में संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (UPA) द्वारा लोकसभा की 543 सीटों में से कितने सीटों पर विजय प्राप्त की?

(A) 260

(B) 262

(C) 255

(D) 265

Ans-D

30. इनमें से प्रत्यक्ष कर का उदाहरण है ?

PDF SARTHI.COM

(A) आय कर

(B) बिक्री कर

(C) उत्पाद शुल्क

(D) सीमा शुल्क

Ans-A

31. इनमें से अप्रत्यक्ष कर का उदाहरण कौन है ?

(A) व्यय कर

(B) निगम कर

(C) बिक्री कर

(D) सम्पत्ति कर

Ans-C

32. लोकतंत्र किसको बढ़ावा नहीं देता है ?

(A) समानता की भावना को

(B) गरिमा एवं प्रतिष्ठा को

(C) विशेषाधिकार को

(D) फैसला लेने की गुणवत्ता को

Ans-C

33. स्विट्जरलैंड में महिलाओं को मताधिकार किस वर्ष प्राप्त हुआ ?

(A) 1848

PDFSARTHI.COM

(B) 1871

(C) 1971

(D) 1991

Ans-B

34. महिला आरक्षण बिल विधेयक में महिलाओं के लिए कितने प्रतिशत आरक्षण की बात कही गई है ?

(A) 22 प्रतिशत

(B) 25 प्रतिशत

(C) 33 प्रतिशत

(D) 35 प्रतिशत

Ans-C

35. 15वीं लोकसभा चुनाव से पूर्व लोकसभा में महिलाओं की भागीदारी थी -

(A) 10 प्रतिशत

(B) 15 प्रतिशत

(C) 33 प्रतिशत

(D) 50 प्रतिशत

Ans-A

36. राष्ट्रीय महिला आयोग अधिनियम किस वर्ष बना ?

(A) 1990

(B) 1985

PDF SARTHI.COM

(C) 1965

(D) 1995

Ans-A

37. निम्नलिखित में से किस शासन में महिलाओं को मतदान का अधिकार होता है ?

(A) लोकतांत्रिक शासन

(B) धार्मिक शासन

(C) तानाशाही शासन

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans-A

38. किस देश की राजनीति में महिलाओं की भागीदारी सबसे ज्यादा है ?

(A) ब्रिटेन

(B) अमेरिका

(C) भारत

(D) आयरलैंड

Ans-A

39. इनमें कौन लोकतंत्र की चुनौती का उदाहरण नहीं है ?

(A) दक्षिण अफ्रिका में गोरे अल्पसंख्यकों को दी गई रियासतें वापस लेने का दबाव।

(B) सऊदी अरब में महिलाओं को सार्वजनिक गतिविधियों में हिस्सा लेने को अनुमति नहीं।

(C) भारत में अल्पसंख्यकों के हितों की रक्षा।

PDF SARTHI.COM

(D) श्रीलंका में सरकार और तमिलों के बीच तनाव

Ans-C

40. लिच्छवी किसकी उदाहरण थी ?

(A) प्राचीन गणतंत्र

(B) राजतंत्र

(C) तानाशाही

(D) सैनिक सत्ता

Ans-A

41. लिच्छवी गणतंत्र भारत के किस राज्य में अवस्थित था ?

(A) बिहार

(B) राजस्थान

(C) महाराष्ट्र

(D) त्रिपुरा

Ans-A

42. एनक्रुमा कहाँ के राष्ट्रपति चुने गए थे ?

(A) पोलैण्ड

(B) चीन

(C) घाना

(D) मैक्सिको

PDF SARTHI.COM

Ans-C

43. रंगभेद के खिलाफ मंडेला ने कहाँ आन्दोलन चलाया था ?

(A) मैक्सिको

(B) द० अफ्रीका

(C) बोलिविया

(D) युगोस्लाविया

Ans-B

44. महादलितों के लिए विकास के लिए 'महादलित आयोग' किस राज्य में बनाया गया है ?

(A) केरल

(B) झारखंड

(C) बिहार

(D) उत्तर प्रदेश

Ans-C

45. जनरल पिनोशे का संबंध किस देश से था ?

(A) चीली

(B) पोलैण्ड

(C) म्यांमार

(D) घाना

Ans-A

PDFSARTHI.COM

46. किस देश में लिट्टे नामक आतंकवादी संगठन का गठन किया गया था ?

(A) श्रीलंका

(B) म्यांमार

(C) पाकिस्तान

(D) अफगानिस्तान

Ans-A

47. किस देश में महिलाओं को सार्वजनिक गतिविधियों में हिस्सा लेने पर प्रतिबंध लगा रखा है ?

(A) बेल्जियम

(B) नेपाल

(C) युगोस्लाविया

(D) सऊदी अरब

Ans-D

48. 2009 में संपन्न बिहार विधान सभा के उपचुनावों के दौरान किस राजनीतिक दल ने यह कह दिया कि किसी परिजन को पार्टी होने वाले उपचुनाव में उम्मीदवार नहीं बनाएगी।

(A) भारतीय जनता पार्टी

(B) जनता दल (यू०)

(C) कांग्रेस पार्टी

(D) राष्ट्रीय जनता दल

Ans-B

PDFSARTHI.COM

49. आंग सांग सू० की० किस देश में लोकतंत्र को लाने के लिए प्रयासरत हैं ?

(A) सिंगापुर

(B) तिब्बत

(C) म्यांमार

(D) भूटान

Ans-C

50. कौन-सा देश जाति तनाव एवं आपसी संघर्ष में विखंडित हो गया ?

(A) युगोस्लाविया

(B) बेल्जियम

(C) पोलैंड

(D) श्रीलंका

Ans-A

51. भारत में मानव अधिकार सुरक्षा अधिनियम कब पारित हुआ ?

(A) 1991 ई०

(B) 1993 ई०

(C) 1995 ई०

(D) 1997 ई०

Ans-B

52. सूचना का अधिकार अधिनियम कानून कब लागू हुआ ?

PDFSARTHI.COM

(A) 2004

(B) 2005

(C) 2009

(D) 2007

Ans-B

53. सेवा का अधिकार (राइट टू सर्विस एक्ट) बिहार में कब लागू किया गया ?

(A) 15 अगस्त, 2009 में

(B) 15 अगस्त, 2010 में

(C) 15 अगस्त, 2011 में

(D) 15 अगस्त, 2012 में

Ans-C

54. लोकतांत्रिक सुधार कौन करते हैं ?

(A) चुनाव आयोग

(B) राजनीतिक दल

(C) नागरिक संगठन

(D) मीडिया

Ans-B

55. भ्रष्टाचार पर अंकुश कौन-सा कानून लगाता है ?

(A) शिक्षा का अधिकार कानून

PDF SARTHI.COM

(B) सम्पत्ति का अधिकार कानून

(C) लोकसेवा का अधिकार कानून

(D) सूचना का अधिकार कानून

Ans-D

PDF SARTHI.COM